प्रियंका गांधी का नाम 02
और आवाज..

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

ब्रेकअप की अफवाहों 11
पर बोली...

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 159 | गाजियाबाद / शुक्रवार 11 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रुपए

संक्षिप्त

चीनी राष्ट्रपति का गलवान झड़प के बाद पहला भारत दौरा

ब्रिक्स में शामिल होंगे जिनपिंग, पीएम मोदी के साथ बैठक संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आएंगे। चीन के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी है।
इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक होने की संभावना है। अगर यह बैठक होती है तो जून 2020 में हुई गलवान हिंसा के

बाद दोनों नेताओं की भारत में पहली द्विपक्षीय बातचीत होगी। पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। चीन ने बाद में अपने 4 सैनिकों की मौत की बात मानी थी। नई दिल्ली में 12–13 सितंबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन होना है। इसमें चीन–रूस समेत 11 देश शामिल होंगे। रूस के राष्ट्रपति पुतिन भी भारत आ रहे हैं। जिनपिंग ने आखिरी बार अक्टूबर 2019 में भारत का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने तमिलनाडु के महाबलीपुरम में मोदी से मुलाकात की थी।

डोभाल पिछले महीने चीन गए थे– भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल 24 अगस्त को चीन गए थे। वहां 25 अगस्त को उन्होंने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ सीमा विवाद समेत कई मुद्दों पर बातचीत की थी।

भाजपा के 7 मोर्चा प्रभारी घोषित, इनमें 2 मध्यप्रदेश से

हरीश द्विवेदी को युवा, सतीश पूनिया को एसटी की जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को अपने 7 प्रमुख मोर्चों के प्रभारियों की घोषणा की। पार्टी ने युवा, महिला, एससी, ओबीसी किसान, एसटी और अल्पसंख्यक मोर्चों की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेताओं को सौंपी है।

सात में से सबसे ज्यादा 2 प्रभारी मध्य प्रदेश से हैं। पार्टी के मुताबिक, हरीश द्विवेदी को युवा मोर्चा और डी. पुरंदेश्वरी को महिला मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, सतीश पूनिया को एसटी मोर्चे की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा ने संजय भाटिया को स्ष्ट मोर्चा और वैजयंत पांडा को ओबीसी मोर्चे का प्रभारी नियुक्त किया है। वहीं, लाल सिंह आर्या को किसान मोर्चा और गजेंद्र पटेल को अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। प्रभारी मोर्चों की कार्यकारिणी–टीम तैयार करेंगे ये सभी मोर्चों की कार्यकारिणी बनाने, प्रदेशों के प्रभारी तय करने और राज्यों में मोर्चे की टीम तैयार करने में मदद करेंगे।

मोर्चा प्रभारियों में राजस्थान-यूपी से एक-एक

● हरीश द्विवेदी ● डी. पुरंदेश्वरी ● सतीश पूनिया ● संजय भाटिया ● बैजयंत पांडा ● लाल सिंह आर्या ● गजेंद्र सिंह पटेल

अमेरिकी रिपोर्ट में दावा

भारत के पास 190 परमाणु बम, 225 और बनाने लायक प्लूटोनियम भी

समुद्र में बना रहा 'न्यूक्लियर कवच'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने 23 दिसंबर 2025 को बंगाल की खाड़ी में के-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया था। यह परमाणु हथियार ले जा सकती है। भारत के पास 190 परमाणु हथियार हैं। इनमें से 160 से ज्यादा हथियार ऐसी मिसाइलों और दूसरे सिस्टम के लिए तैयार हैं, जो परमाणु हमला करने में सक्षम हैं। यह जानकारी अमेरिकी थिंक टैंक फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (एफएएस) की नई रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के पास 225 और परिमाणु हथियार बनाने लायक प्लूटोनियम भी है। इसके अलावा समुद्र में 'न्यूक्लियर कवच' भी बना रहा है।भारत लगातार अपनी परमाणु ताकत को आधुनिक बना रहा है। पिछले कुछ वर्षों में कई नए परमाणु सक्षम हथियार सेना में शामिल किए गए हैं।

● **भारत के पास 730 किलो प्लूटोनियम–** रिपोर्ट के अनुसार 2026 की शुरुआत तक भारत के पास करीब 730 किलो हथियार बनाने वाला प्लूटोनियम होने का अनुमान है। इस तरह यह 225 वॉरहेड तक बना सकता है हालांकि रिपोर्ट खुद साफ करती है कि यह सिर्फ अनुमान है, वास्तविक संख्या वॉरहेड के डिजाइन और रिजर्व में रखी सामग्री पर निर्भर करती है।

● **अग्नि–वी– एक मिसाइल, कई निशाने–** भारत ने अग्नि–वी में एमआईआरवी तकनीक का परीक्षण किया है। इसका मतलब एक मिसाइल में कई ऐसे वॉरहेड ले जाने की क्षमता विकसित करना है, जिन्हें अलग–अलग लक्ष्यों की ओर भेजा जा सकता है। 2024 के बाद मई 2026 में भी कई पेलोड के साथ परीक्षण हुआ। एफएएस का अनुमान है कि अग्नि–वी संभवतः तीन वॉरहेड ले जा सकती है, हालांकि ऐसा करने पर इसकी अधिकतम रेंज प्रभावित हो सकती है।

● **नया रिएक्टर भी गेमचेंजर–**अप्रैल 2026 में भारत के 500 मेगावाट प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने पहली बार क्रिटिकलिटी हासिल की। एफएएस के अनुमान के मुताबिक 80 प्रतिशत क्षमता पर चलने पर यह सैद्धांतिक रूप से सालाना करीब 140 किलो प्लूटोनियम–239 पैदा कर सकता है। इससे करीब 35 वॉरहेड बन सकते हैं। आगे ऐसे और फास्ट ब्रीडर रिएक्टरों की योजना है।मार्च, 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर के नियंत्रण कक्ष का दौरा किया था।

पीएम मोदी ने बताया इसरो का मिशन

2035 तक अपना स्पेस स्टेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुरुवार, 10 सितंबर को पेरिस में इंटरनेशनल स्पेस समिट को

● **2040 तक चंद्रमा पर भारतीय**

वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, भारत अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर आधारित सुरक्षित और टिकाऊ स्पेस डोमेन का समर्थन करता है। स्पेस की संभावनाएं असीमित हैं और हमारी जिम्मेदारी सामूहिक है।

● **स्पेस के क्षेत्र में कीर्तिमान रच रहा भारत–** प्रधानमंत्री मोदी ने स्पेस में भारत की उपलब्धियों के बारे में बात करते हुए कहा, चंद्रयान–3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश बना दिया है। आदित्य रु सूरज के रहस्यों को उजागर कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा, इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) की टेक्नोलॉजी और पार्टनरशिप न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया के काम आती हैं। इस वैश्विक भरोसे के पीछे भारतीय वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और टेक्नीशियनों की कई पीढ़ियों का समर्पण और कड़ी मेहनत है। दिन–रात काम करके उन्होंने इसरो की प्रतिष्ठा बनाई है। प्रधानमंत्री ने स्पेस में भारत के भविष्य को लेकर कहा, पिछले साल, एक भारतीय ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन का दौरा किया। आगे देखते हुए, हमारा लक्ष्य 2035 तक एक भारतीय स्पेस स्टेशन स्थापित करना और 2040 तक एक भारतीय को चंद्रमा पर भेजना है।

इकलौती बहन बोली- 'मेरे पास टाइम नहीं'

कुरुक्षेत्र के अनाथ आश्रम संचालक ने किया भाई का अंतिम संस्कार

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। हाल ही में सोनीपत से खून के रिश्तों की संवेदनशीलता को झकझोर देने वाली खबर सामने आई थी। तीन बेटियों ने दूरी और समय का हवाला देते हुए पिता के अंतिम संस्कार में आने से मना कर दिया था। बेटियां अस्थि विसर्जन में भी नहीं पहुंची। ऐसा ही मामला कुरुक्षेत्र के एलएनजेपी अस्पताल से सामने आया है। 71 वर्षीय जुगल किशोर की मौत के बाद उनकी इकलौती बहन ने अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। अस्पताल में मौजूद बहन ने कथित तौर पर अस्थियां लेने से भी मना कर दिया। इसके बाद पिहोवा के बाबा फरीद अनाथ आश्रम ने आगे आकर जुगल किशोर का हिंदू रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार किया और मंगलवार को उनकी अस्थियों का सरस्वती नदी में विसर्जन भी किया।

सीजेपी प्रदर्शन में बच्चे पर हमले के मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त

● *कहा- 'तुरंत कार्रवाई करें, कोई उसे डरा नहीं सकता'*

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उन आरोपों को गंभीरता से लिया है जिसमें कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध-प्रदर्शन से जुड़ी एक 14 साल की लड़की को धमकाया गया और उसके घर पर पत्थर फेंके गए। इस संबंध में कोर्ट ने तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया और मामले की गंभीरता पर जोर दिया।

यह मामला सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ के सामने आया। इस पर पीठ ने साफ किया कि नाबालिग को डराने-धमकाने के आरोप एक गंभीर मुद्दा है और किसी भी व्यक्ति को पीड़ित या उसके परिवार को आपराधिक केस चलाने के लिए डराने-धमकाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से यह भी कहा कि वह पक्का करें कि नाबालिग की एफआईआर पर सही कार्रवाई की जाए।

● **सत्य निकेतन हादसा केस हम हाई कोर्ट से केस ट्रांसफर नहीं करेंगे –** सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह दिल्ली हाई कोर्ट में चल रहे सत्य निकेतन इमारत गिरने के मामले को अपने पास ट्रांसफर नहीं कर रहा है क्योंकि कार्रवाई शुरू हो गई है। जस्टिस अहसानद्दीन अमानुल्लाह और आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि वे मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव नहीं करना चाहते और हाई कोर्ट थोड़े–थोड़े समय के अंतराल पर अपने निर्देशों के पालन की निगरानी करता रहेगा।

● **हाईकोर्ट ने सीजेपी नेताओं से कहा– बीजेपी नेता गौरव भाटिया के खिलाफ पोस्ट हटाएं–** दिल्ली हाईकोर्ट ने काकरोच जनता पार्टी और उसके नेता अभिजीत दीपके, सौरभ दास और आशुतोष रांका को बीजेपी नेता और वकील गौरव भाटिया के खिलाफ अपलोड किए गए पोस्ट को हटाने को कहा है। जस्टिस तुषार राव गडेला की बेंच ने कहा कि बिना वेरिफाई किए किसी पर हमला करना ठीक नहीं है।

बिहार में निर्माणाधीन पुल का भारी लॉन्चर गिरा, 7 कर्मचारी घायल

पटना/वैशाली (एजेंसी)। बिहार के वैशाली में पुल का भारी लॉन्चर गिर गया है। गुरुवार को भारतमाला परियोजना के तहत फोरलेन निर्माण के दौरान बड़ा हादसा हो गया। लालगंज थाना क्षेत्र के

जलालपुर पंचायत के इतवारपुर गांव के समीप निर्माणाधीन एनएच-139डब्ल्यू के एक पुल पर काम के दौरान लॉन्चर मशीन अचानक गिर गई। हादसे में करीब सात मजदूर घायल हो गए।

वैशाली में भारतमाला प्रोजेक्ट का लॉन्चर गिरा–घटना के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने बताया कि, हादसा उस समय हुआ जब निर्माणाधीन पुल पर लॉन्चर मशीन के जरिए निर्माण सामग्री को ऊपर ले जाने का काम किया जा रहा था. अचानक मशीन का हिस्सा गिर गया, जिसकी चपेट में काम कर रहे मजदूर आ गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

मुंबई-गोवा हाईवे में देरी पर गडकरी बोले-

शर्म आती है, उद्घाटन में नहीं जाऊंगा

2016 में कम्पलीट होना था, अब तक 94 प्रतिशत काम हुआ

मुंबई (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, मुझे मुंबई-गोवा हाईवे के चौड़ीकरण में हो रही देरी को लेकर शर्मिंदगी महसूस होती है। ये काम 2016 तक पूरा होना था, लेकिन 15 साल में सिर्फ 94 प्रतिशत ही पूरा हुआ है। गडकरी ने यह बात बुधवार को पणजी में छह लेन वाले एलिवेटेड रोड कॉरिडोर के उद्घाटन समारोह में कही। उन्होंने कहा, हाईवे का काम पूरा होने के बाद मैं इसके उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल नहीं होऊंगा। मैं ऐसे ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने का रिकॉर्ड बनाना चाहता हूं।

गडकरी ने इस साल 22 जुलाई को राज्यसभा में बताया था कि पिछले 3 साल में नेशनल हाईवे निर्माण में खराब गुणवत्ता वाले काम के लिए 103 ठेकेदार और कंपनियों को ब्लैकलिस्ट किया गया और उन पर जुर्माना लगाया गया।

15 साल से काम चल रहा, कई जगह गड्ढे– मुंबई-गोवा हाईवे का चौड़ीकरण का काम 2011 में शुरू हुआ था। इसके बाद भी यह अब तक पूरा नहीं हुआ है। 440 किलोमीटर लंबे इस हिस्से में काम पूरा होने के बावजूद कई जगह सड़क पर गड्ढे, पानी भरने, मरम्मत और ट्रैफिक जाम जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं

हाईवे का काम 2016 तक पूरा होना था

मुंबई–गोवा हाईवे का काम पहले 2016 तक पूरा किया जाना था। जमीन अधिग्रहण, निर्माण से पहले की मंजूरियों और ठेकेदारों से जुड़ी समस्याओं के कारण काम में लगातार देरी हुई। 2024 में केंद्र सरकार ने भी संसद में बताया था कि जमीन अधिग्रहण और कुछ ठेकेदारों की आर्थिक दिक्कतों के कारण परियोजना में देरी हुई।यह हाईवे मुंबई को कोंकण के रास्ते गोवा से जोड़ता है। इसका महाराष्ट्र वाला हिस्सा करीब 460 किलोमीटर है।

अमृता फडणवीस बोलीं-मुझे ट्रोल होने वाली पॉलिटिकल वाइफ बना रहे

● **गरबा में मुस्लिमों की एंट्री की बात दोहराई; कहा- त्योहारों में भेदभाव नहीं होना चाहिए**

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने गरबा में मुस्लिमों की एंट्री के समर्थन में फिर से अपनी बात दोहराई। उन्होंने कहा- मुझे इस मुद्दे पर पॉलिटिकल वाइफ बनाकर ट्रोल किया जा रहा है। लेकिन मैं पॉलिटिकल नहीं हूं। मैं एक सोशल एक्टिविस्ट और नागरिक के तौर पर अपनी राय रखती हूं।

अमृता ने बुधवार रात नागपुर में एक कार्यक्रम के बाद मीडिया से कहा- नवरात्रि और गरबा जैसे त्योहार सभी को साथ लेकर चलने वाले हैं। इनमें जाति-धर्म का भेद नहीं होना चाहिए। पहचान पत्र जांचना अच्छी प्रैक्टिस है, लेकिन धर्म के आधार पर लोगों की जांच सही नहीं है।इससे पहले अमृता ने मंगलवार को कहा था कि अगर मुस्लिम गरबा देखने आते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं है।

बिहार के 14 जिलों में बाढ़, 5 हजार स्कूल बंद

यूपी के बाराबंकी में घर बहे, बरेली में मंदिर डूबा, मप्र-राजस्थान में बारिश थमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में पटना, मुंगेर और भागलपुर समेत 14 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। 40 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। पांच हजार से ज्यादा स्कूल बाढ़ में डूबने के चलते बंद किए गए हैं।

राज्य में गंगा, कोसी और गंडक जैसी नदियां उफान पर हैं। इनके किनारे के 500 से ज्यादा श्मशान घाट डूबे हैं, जिसके चलते अंतिम संस्कार करने में परेशानी हो रही है। यूपी में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। यहां 26 जिलों में बाढ़ से 4 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। बरेली में प्राचीन मंदिर रामगंगा नदी में समा गया। बाराबंकी में सरयू के पानी में करीब 12 मकान डूब गए।

इधर, एमपी और राजस्थान में फिलहाल बारिश का दौर थमा हुआ है। एमपी में अगले 3 दिन तेज बारिश की संभावना नहीं है। राजस्थान में 11 सितंबर से बारिश शुरू होने का अनुमान है। बुधवार को यहां 10 शहरों में तापमान 35 डिग्री से ऊपर रहा।

बिहार में बाढ़ से 43 लाख प्रभावित– बिहार में पिछले 5 दिनों से हो रही तेज बारिश के बाद 14 जिलों में करीब 43 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक, 14 जिलों के 84 प्रखंडों की 514 ग्राम पंचायतों में बाढ़ का असर है। उत्तराखंड के देहरादून, टिहरी, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में आज कहीं-कहीं भारी बारिश का अलर्ट है। वहीं हरिद्वार, पौड़ी

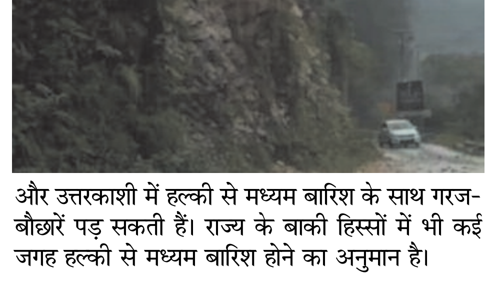

और उत्तरकाशी में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-बौछारें पड़ सकती हैं। राज्य के बाकी हिस्सों में भी कई जगह हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है।

एमपी: मानसून कमजोर, तेज बारिश का दौर थमा

मध्य प्रदेश में फिलहाल बारिश का कोई सक्रिय सिस्टम नहीं है, जिसके चलते तेज बारिश का दौर थम गया है।

राजस्थान: आज से फिर बारिश का दौर, 10 शहरों में पारा 35 डिग्री पार– मौसम विभाग ने राजस्थान में 11 सितंबर से बारिश का दौर शुरू होने की संभावना जताई है। शुक्रवार को 5 जिलों में तेज बारिश का यलो अलर्ट है। इसके बाद 12 और 13 सितंबर को भरतपुर, जयपुर, अजमेर, कोटा और उदयपुर संभाग के इलाकों में भी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

महिला के पेट से 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और मोमबत्ती निकाली, डॉक्टर हैरान

नरसाराओपेट (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। महिला को सीने में तेज दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल ले जाया गया। जांच के दौरान डॉक्टरों को उसके पेट के अंदर कई असामान्य वस्तुएं मौजूद होने का पता चला। सर्जरी के दौरान महिला के पेट से 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और एक मोमबत्ती निकाली गई। जानकारी के मुताबिक पेटलुरिवारीपलेनी मंडल की रहने वाली महिला को कुछ समय से सीने में दर्द की शिकायत थी। दर्द बढ़ने पर परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच के बाद कई मेडिकल टेस्ट और स्कैन कराए। रिपोर्ट में पेट के अंदर ठोस वस्तुओं की मौजूदगी सामने आई। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने महिला की सर्जरी करने का फैसला लिया। लैप्रोस्कोपिक तकनीक की मदद से पेट में छोटा चीरा लगाकर अंदर मौजूद वस्तुओं को एक-एक कर बाहर निकाला। डॉक्टरों के मुताबिक पेट से 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और एक मोमबत्ती निकाली गई। डॉक्टरों ने बताया कि एक पेन का ढक्कन नहीं था और उसका हिस्सा पेट की अंदरूनी सतह में चुभ रहा था। माना जा रहा है कि इसी वजह से महिला को दर्द हो रहा था। डॉक्टरों के मुताबिक एक साथ इतनी संख्या में ठोस वस्तुओं का पेट में पाया जाना बेहद असामान्य और दुर्लभ है।

बीजेपी कर सकती है 5 राज्यों में चुनाव से पहले नए प्रभारियों की घोषणा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनावों से ठीक पहले नए मोर्चा प्रभारियों के नामों की घोषणा कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक हरिश द्विवेदी को युवा मोर्चा का प्रभारी बनाया जा सकता है। वहीं सतीश पूनिया को भी पद मिल सकता है। पार्टी महिला मोर्चा, एसएसटी, ओबीसी और किसान मोर्चा के प्रभारियों की भी घोषणा कर सकती है। बीजेपी हरीश दिवेदी को युवा मोर्चा का प्रभारी बना सकती है, वहीं महिला मोर्चा की डी. पुरंदेश्वरी को प्रभारी, एससी मोर्चा के संजय भाटिया, ओबीसी मोर्चा वैजयंत पांडा, किसान मोर्चा लाल सिंह आर्या, एसटी मोर्चा सतीश पूनिया, अल्पसंख्यक मोर्चा गजेंद्र पटेल को जिम्मेदारी सौप सकती है।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों के चार उग्रवादी गिरफ्तार, पुलिस कर रही पूछताछ

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के दो घाटी जिलों से सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि ये सभी गिरफ्तारियां बुधवार को की गईं। पुलिस ने बताया कि असम राइफल्स और गढ़वाल राइफल्स को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले के माना इंगखोल में 'नेशनल रिवोल्यूशनरी फ्रंट ऑफ मणिपुर' के 28 साल के सक्रिय सदस्य को पकड़ा। उन्होंने बताया कि इंफाल पश्चिम जिले में चिंगमेइरोंग से प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी के 44 साल एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी के मुताबिक पकड़े गए दो अन्य लोगों में एक प्रतिबंधित कांगलेई याओल कन्ना लुप का सक्रिय सदस्य है, जिसे इंफाल पश्चिम के सागोलटोंगबा स्थित उसके घर से पकड़ा। वहीं, दूसरा व्यक्ति इंफाल पूर्व के अहल्लुप से पकड़ा गया, जो केसीपी का सदस्य है। गिरफ्तार किए गए उग्रवादियों से पूछताछ की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

सलमान की काला हिरण पर रोक की मांग : फिल्म रिलीज को तैयार नहीं

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता सलमान खान की याचिका पर काला हिरण- द बैटल फॉर लिगेसी फिल्म को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में कानूनी लड़ाई जारी है। सलमान ने अपनी पहचान और 1998 के काले हिरण मामले के इस्तेमाल का आरोप लगाकर फिल्म की रिलीज और प्रचार पर रोक लगाने की मांग की है। मामले की सुनवाई के दौरान, फिल्म निर्माताओं ने अदालत को बताया कि फिल्म अभी रिलीज के लिए तैयार नहीं है और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाणित होना बाकी है। सलमान का आरोप है कि फिल्म में उनके जीवन से जुड़े तथ्यों और विवादों का अनधिकृत इस्तेमाल किया जा रहा है। फिल्म के पोस्टर और टीजर में एक ऐसा किरदार दिखाया गया है जो उनसे काफी मिलता-जुलता है, यहाँ तक कि उनके प्रसिद्ध ब्रेसलेट का इस्तेमाल हुआ है। सलमान का कहना है कि यह उनकी पर्सनैलिटी राइट्स का उल्लंघन है और इससे उनकी छवि को नुकसान होता है। वहीं, फिल्म के निर्माता और निर्देशक इन आरोपों को खारिज कर रहे हैं। उनका कहना है कि फिल्म काल्पनिक है, किरदार का नाम अयान खान है और कोई भी प्रोस्थेटिक मेकअप सलमान जैसा दिखने के लिए इस्तेमाल नहीं किया गया। ब्रेसलेट को लेकर भी उनका तर्क है कि यह सिर्फ सलमान ही नहीं पहनते। हालांकि, सलमान के वकील ने कोर्ट में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फिल्म रिलीज की संभावना को देखकर , सेंसर बोर्ड प्रमाणन की अनुपस्थिति में भी रोक लगाने की मांग की, जिसे कोर्ट ने अपने आदेश में शामिल किया। अदालत ने फिल्म निर्माताओं को दो सप्ताह के भीतरजवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है, और मामले की अगली सुनवाई 30 सितंबर को निर्धारित की गई है।

कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव ने किया स्थलीय निरीक्षण

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता से समझौता न करने के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को धरातल पर परखने के लिए मुख्य सचिव उत्तराखंड शासन आनंद वर्द्धन ने गुरुवार को हरिद्वार में विभिन्न निर्माण स्थलों का व्यापक स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ रोड़ी-बेलवाला से रोशनाबाद, कनखल, दक्षद्वीप और बैरागी कैंप होते हुए सीसीआर टावर तक पहुंचकर निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता, तकनीकी पहलुओं और निर्धारित समयसीमा की जानकारी ली। इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए प्रस्तावित सुविधाओं और व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया।

धीमी गति वाले कार्यों में तेजी लाने के निर्देश मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कुंभ से संबंधित सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे किए जाएं और गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता न हो। उन्होंने धीमी गति से चल रही परियोजनाओं की नियमित निगरानी करने, बाधाओं की तत्काल पहचान कर समाधान कराने तथा विभागों और कार्यदायी संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने को कहा।

सड़क, घाट और पुल निर्माण की समीक्षा

रोड़ी-बेलवाला क्षेत्र में प्रशासनिक मार्ग और हरकी पैड़ी पुनर्विकास परियोजनाओं का निरीक्षण करते हुए उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के अनुरूप कार्य कराने के निर्देश दिए। प्रशासनिक मार्ग के लिए 4325.14 लाख रुपये तथा हरकी पैड़ी पुनर्विकास के लिए 6677.21 लाख रुपये स्वीकृत हैं। हाथीपुल से अलकनंदा के मध्य घाटों के पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए मजबूत रेलिंग और चेन लगाने तथा पैदल आवागमन सुगम बनाने को कहा।

चौराहों, औषधि भंडार और सीसीआर-2 भवन का लिया जायजा

ऋषिकुल में सड़क नवीनीकरण तथा शिवमूर्ति चौक, शंकर आश्रम चौक और भगत सिंह चौक से बिल्केश्वर तक चौराहों के सुधार एवं पैदल पथ कार्यों का निरीक्षण किया गया। रोशनाबाद में 251.98 लाख रुपये की लागत से बन रहे औषधि भंडार तथा दक्षद्वीप के बैरागी क्षेत्र में 1246.09 लाख रुपये से बन रहे 60 मीटर पुल का भी जायजा लिया गया। सीसीआर-2 भवन को मेले से पहले तैयार करने के लिए आवश्यकता के अनुसार दिन-रात कार्य कराने के निर्देश दिए।

गुणवत्ता जांच और भीड़ प्रबंधन पर विशेष जोर

बाद में डाम कोठी में अधिकारियों के साथ बैठक कर मुख्य सचिव ने विभागवार निर्माण कार्यों और अन्य तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने गुणवत्ता जांच लगातार और सख्ती से कराने तथा कमी मिलने पर तत्काल सुधार कराने के निर्देश दिए। साथ ही पार्किंग, यातायात और भीड़ प्रबंधन के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने को कहा। मेलाधिकारी सोनिका ने बताया कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के अनुसार आगे बढ़ रहे हैं और उनकी बहुस्तरीय निगरानी की जा रही है।

कॉकरोच जनता पार्टी के नेता मानहानि मामले में तलब, बीजेपी प्रवक्ता भाटिया ने मांगा हर्जाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने भाजपा नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया द्वारा दायर 2 करोड़ रुपये के मानहानि के मुकदमे में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के तीन नेताओं अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को अदालत तलब किया है। अदालत ने सीजेपी को समन जारी किया है। यह मामला भाटिया के खिलाफ आपत्तिजनक और बिना सत्यापन के पोस्ट करने से जुड़ा है। न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि सीजेपी नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका द्वारा भाटिया के बारे में बिना सत्यापन के किए पोस्ट अनुचित थे। अदालत ने उन्हें ये पोस्ट स्वयं हटाने का सुझाव दिया था, जिसके बाद उनके वकीलों ने कुछ पोस्ट हटाने की पुष्टि की और अन्य को भी हटाने का आश्वासन दिया। वहीं, दीपके ने अपना बचाव कर कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर कुछ नहीं लिखा था। मामले की सुनवाई के दौरान भाटिया ने मध्यस्थता के लिए अदालत की पेशकश को अस्वीकार कर अपनी प्रतिष्ठा को पहुंची क्षति के लिए हर्जाना पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सीजेपी नेताओं के सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स हैं और उनके पोस्ट एक दिन में 10 लाख से अधिक लोगों तक पहुंचते हैं, जिससे हुई क्षति गंभीर है। बीजेपी प्रवक्ता भाटिया की मांग पर अदालत ने सभी आपत्तिजनक पोस्ट को 24 घंटे के भीतर हटाने का आदेश दिया और एक्स तथा मेटा को निर्देश दिया कि भविष्य में ये पोस्ट प्लेटफॉर्म पर फिर न दिखें। इसके साथ ही अदालत ने सीजेपी और उसके नेताओं को समन जारी किया। अदालत ने सीजेपी नेताओं को सलाह दी कि वे कुछ भी साझा करने से पहले तथ्यों की पुष्टि करें। न्यायालय ने कहा कि विरोध करने के कई वैध तरीके हैं और युवाओं को इस हद तक जाने की आवश्यकता नहीं है।

प्रियंका गांधी का नाम और आवाज इस्तेमाल कर लोगों को ठगने की कोशिश

-कार्यालय ने जारी किया स्कैम अलर्ट, लोगों से की ऐसे फर्जी निवेश से बचने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी।
सांसद प्रियंका गांधी के नाम और उनकी आवाज का इस्तेमाल कर साइबर ठग लोगों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं। इसको लेकर प्रियंका गांधी के कार्यालय ने इंस्टाग्राम पर गुरुवार को स्कैम अलर्ट जारी किया। कार्यालय ने बताया कि वॉट्सऐप, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रियंका गांधी की एआई से बनी फर्जी फोटो और आवाज वाले वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में लोगों से पैसे निवेश करने को कहा जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कार्यालय ने साफ कहा है कि ये सभी वीडियो स्कैम हैं। लोगों से अपील की गई है कि ऐसे किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और न ही निवेश करें। ऐसे पोस्ट को रिपोर्ट और ब्लॉक करें। इससे पहले अगस्त महीने में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम पर भी ऐसा ही फर्जी वीडियो सामने आया था, जिसका सरकार ने खंडन किया था। उस वीडियो में दावा किया जा रहा था कि 22 हजार रुपए के शुरुआती निवेश पर हर हफ्ते साढ़े पांच लाख रुपए की कमाई होगी। यह एक निवेश योजना का प्रचार था। फैक्ट चेक यूनिट ने जांच में पाया कि यह वीडियो पूरी तरह फर्जी है और एआई से तैयार किया गया है। आजकल साइबर ठग लोगों का भरोसा जीतने के लिए रोज नए-नए तरीके निकाल रहे हैं। बड़े नेताओं और जानी-मानी हस्तियों की एआई से आवाज और वीडियो बनाकर लोगों को भरोसे में लिया जा रहा है और लाखों-करोड़ों की ठगी की जा रही है।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर कोई वीडियो आपको बहुत ज्यादा मुनाफे का लालच दे रहा है, तो सतर्क हो जाएं। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचें और किसी भी निवेश योजना में पैसा लगाने से पहले उसकी सच्चाई की जांच जरूर करें। सरकार या किसी नेता की तरफ से ऐसी कोई योजना आती है तो उसकी जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर जरूर देखें।

साहित्य से चिंतन और संस्कृति से जुड़ाव जरूरी: मुख्य सचिव

हरिद्वार (शिखर समाचार)। डीपीएस रानीपुर के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'स्वर्ण अक्षर-2026' साहित्य एवं सांस्कृतिक महोत्सव में उत्तराखंड के मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' का गायन हुआ। मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन ने कहा कि 'स्वर्ण अक्षर' नाम अपने आप में विशेष अर्थ रखता है। स्वर्ण अनमोलता का प्रतीक है, जबकि अक्षर मानव मन के विचारों, कल्पना और शक्ति को अभिव्यक्त करने का माध्यम हैं। किसी संस्थान की 50 वर्षों की यात्रा महत्वपूर्ण उपलब्धि और गौरव का विषय होती है। उन्होंने कहा कि किसी संस्था का निर्माण केवल कक्षाओं और भवनों से नहीं, बल्कि छात्रों, शिक्षकों और उससे जुड़े लोगों के योगदान से होता है। उन्होंने कहा कि आज तकनीकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दौर है। ऐसे समय में साहित्य की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। चारों ओर उपलब्ध सूचना को ज्ञान नहीं कहा जा सकता। साहित्य व्यक्ति को प्रश्न पूछने, चिंतन करने और अपने ज्ञान का विस्तार करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने छात्रों से पाठ्यक्रम तक सीमित न रहकर अधिक से अधिक साहित्य पढ़ने और निरंतर सीखते रहने का आह्वान किया। मुख्य सचिव ने कहा कि हिमालय, लोक परंपराएं और सांस्कृतिक विरासत उत्तराखंड की पहचान हैं। उन्होंने विद्यालय के विकास में योगदान देने वाले शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि डीपीएस के छात्र विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने छात्रों से समय-समय पर स्वयं से तीन सवाल पूछने को कहा कि मैंने क्या सीखा, मैंने क्या योगदान दिया और मैंने किसकी मदद की। उन्होंने कहा कि आधुनिकता अपनाने के साथ अपनी संस्कृति, परंपराओं और जड़ों से जुड़े रहना आवश्यक है। कार्यक्रम में डीपीएस रानीपुर की 50 वर्षों की यात्रा पर आधारित लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। छात्र-छात्राओं ने विभिन्न शास्त्रीय एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, शिवालिक नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, बीएचईएल के मुख्य वित्त अधिकारी राजेश कुमार द्विवेदी, कार्यकारी निदेशक रंजन कुमार, प्रधानाचार्य अनुपम जग्गा, उपप्रधानाचार्य डॉ. पविंदर सिंह, शैक्षणिक उपप्रधानाचार्य अनुपमा श्रीवास्तव और डीपीएस रानीपुर के प्रो-वाइस चेयरमैन एनएस राणा सहित शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक मौजूद रहे।

पंत के आदर्शों को आत्मसात कर ईमानदारी से करें जनसेवा : डीएम

देहरादून (शिखर समाचार)। भारत रत्न एवं महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं. गोविंद बल्लभ पंत की 139वीं जयंती पर गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान सहित जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पं. पंत के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस दौरान स्वतंत्रता संग्राम, साहित्य, समाज सुधार एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया गया। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने कहा कि बहुआयामी प्रतिभा के धनी पं. गोविंद बल्लभ पंत प्रखर चिंतक, दूरदर्शी एवं कुशल राजनेता थे। उन्होंने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष करते हुए देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वतंत्रता के बाद भी उन्होंने आदर्श जनप्रतिनिधि एवं राजनेता के रूप में समाज और राष्ट्र के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया। उनके विचार, आदर्श और जनसेवा के प्रति समर्पण आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को पं. पंत के आदर्शों से प्रेरणा लेकर अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए। राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शासन की नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचाना जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। युवा पीढ़ी को स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और त्याग से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देना चाहिए।

कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी केके मिश्रा, अपर जिलाधिकारी स्मृता परमार, सिटी मजिस्ट्रेट राकेश तिवारी, उपजिलाधिकारी रविन्द्र ज्वांठा सहित कलेक्ट्रेट के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 139वीं जयंती पर जिलाधिकारी ने किया नमन

हरिद्वार (शिखर समाचार)। भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 139वीं जयंती जनपद हरिद्वार में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने देवपुरा चौक स्थित पंत पार्क पहुंचकर पंडित गोविंद बल्लभ पंत की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रखर वक्ता, कुशल प्रशासक और समाज सुधारक थे। आधुनिक भारत के निर्माण में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के साथ सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना के विकास में भी अहम भूमिका निभाई। जिलाधिकारी ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत का जन्म 10 सितंबर 1887 को अल्मोड़ा जिले के खूंट गांव में हुआ था। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक और विधि की शिक्षा प्राप्त की। छात्र जीवन से ही वह राजनीति एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय हो गए थे और स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत ने जिस आधुनिक एवं सशक्त भारत का सपना देखा था, उसे साकार करने के लिए सभी को अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाकर उसे आत्मनिर्भर बनाना सभी की जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन जितेंद्र कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में पंडित पंत के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की। जनपद के सभी सरकारी कार्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में भी कार्यक्रम आयोजित कर अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने पंडित पंत को श्रद्धांजलि दी तथा उनके जीवन और राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद किया।

बीजेपी देश की सबसे अमीर पार्टी, विधानसभा चुनावों में मिला 1400 करोड़ का चंदा

नई दिल्ली, एजेंसी।
बीजेपी आज देश के सभी राजनीतिक दलों में सबसे अमीर पार्टी है, इसका खुलासा खुद बीजेपी ने चुनाव आयोग को दिए चुनावी खर्च के ब्योरे में दिया है। चुनावी खर्च के ब्योरे के मुताबिक बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों में बीजेपी को कुल 1,472.8 करोड़ रुपए का चंदा मिला।

बीजेपी द्वारा चुनाव आयोग को दी गई जानकारी के मुताबिक 6 मई, 2026 को चुनाव खत्म होने पर पार्टी का क्लोजिंग बैलेंस बढ़कर 7,627.2 करोड़ रुपए हो गया, जबकि 15 मार्च, 2026 को यह 6,722.6 करोड़ रुपए था। इसमें बीजेपी के सेंट्रल हेडक्वार्टर और संबंधित राज्य की जिला इकाइयां भी शामिल हैं, जिन्हें मिलाकर ये फंड मिला। बीजेपी ने असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों पर कुल 160 करोड़ रुपए खर्च किए थे। बीजेपी ने सबसे ज्यादा खर्च असम में किया, जो 96.3 करोड़ रुपए था। इसके बाद तमिलनाडु में 51.6 करोड़ और पुडुचेरी 11.9 करोड़ रुपए खर्च किए। पार्टी के आम प्रचार पर करीब 130.4 करोड़ खर्च किए गए, जबकि 29.6 करोड़ रुपए उम्मीदवारों के एकमुश्त भुगतान पर खर्च हुए। पश्चिम बंगाल और केरल इन दो राज्यों के चुनावी खर्च के आंकड़े चुनाव आयोग ने अभी तक सार्वजनिक नहीं किए हैं। असम के लिए बीजेपी के चुनावी खर्च के ब्योरे के मुताबिक पार्टी ने आम प्रचार पर 76.7 करोड़ रुपए खर्च किए, जिसमें उसकी केंद्रीय इकाई द्वारा खर्च किए गए 23.1 करोड़ रुपए और उम्मीदवारों पर खर्च किए गए 19.5 करोड़ रुपए शामिल हैं। असम में स्टार प्रचारकों की यात्रा खर्च पर 27.3 करोड़, विज्ञापनों पर 37 करोड़, प्रचार सामग्री पर 8.9 करोड़ और राज्य इकाई द्वारा अन्य खर्चों पर 2.3 करोड़ रुपए खर्च किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक उम्मीदवारों को कुल 19.4 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया और उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को प्रकाशित करने पर 16.7 लाख खर्च किए गए। तमिलनाडु में बीजेपी ने पार्टी के आम प्रचार के लिए कुल 44.5 करोड़ खर्च करने की मंजूरी दी थी। उम्मीदवारों पर 7 करोड़ रुपए खर्च किए। इन्हीं चुनावों के लिए पहले जारी किए गए अपने खर्च के ब्योरे में कांग्रेस ने कुल 248.6 करोड़ रुपए खर्च होने की जानकारी दी थी।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दुर्गावती देवी सभागार विकास भवन में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ की अध्यक्षता में 'सेवा संकल्प अभियान' के क्रियान्वयन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा काल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना और नागरिकों को विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प से जोड़ना है। अभियान के तहत प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर 'सेवा दिवस-आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में रक्तदान और दिव्यांगजन सहायता शिविर लगाए जाएंगे। शाम सात बजे घरों, मंदिरों, घाटों, अस्पतालों, सेवा संस्थानों, सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में दीप जलाए जाएंगे। 'मेरे सपनों का भारत-चित्र सेवा' के अंतर्गत विद्यालयों में चित्रकला, भाषण और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं होंगी। 'नमो सेवा-अनकही कहानियां' के तहत नुक्कड़ नाटक सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

'आंगन मिलन सेवा' के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों पर तीन दिवसीय उत्सव और संवाद होंगे। 'सेवा सेतु अभियान' में प्रत्येक विकासखंड स्तर पर सात दिवसीय बहुउद्देशीय सेवा शिविर लगाए जाएंगे। 'सेवा मेरा योगदान' के तहत स्वच्छता

सहित विभिन्न जनसेवा कार्य कराए जाएंगे। वहीं 'सुशासन सेवा संवाद' के माध्यम से जनप्रतिनिधियों को राष्ट्रीय समागम से जोड़ा जाएगा और पात्र लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। 'वडनगर से वाराणसी यात्रा' के तहत वाराणसी से 250 मोटरसाइकिल और 500 यात्री गंगाजल लेकर वडनगर जाएंगे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, परियोजना निदेशक प्रदीप पाण्डेय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन चन्द्र वैश्य, जिला विकास अधिकारी प्रज्ञा श्रीवास्तव, चीफ वार्डन सिविल डिफेंस ललित जायसवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

एनजीटी के निर्देश पर 120 पुराने वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग की कार्रवाई

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देशों के अनुपालन में परिवहन विभाग ने जनपद में आयु सीमा पूरी कर चुके वाहनों के खिलाफ विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। अभियान के दौरान 10 वर्ष की आयु पूरी कर चुके डीजल वाहनों और 15 वर्ष की आयु पूरी कर चुके पेट्रोल वाहनों को चिन्हित कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। एक दिन के अभियान में ऐसे 120 वाहनों को चिन्हित किया गया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) अंकिता शुक्ला ने बताया कि आयु सीमा पूरी कर चुके वाहनों के अनधिकृत संचालन पर रोक लगाने के लिए आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई है। साथ ही चिन्हित वाहनों को पंजीकृत वाहन कबाड़ केंद्र के माध्यम से कबाड़ कराए जाने की प्रक्रिया के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुराने वाहनों के संचालन से होने वाले वायु प्रदूषण को नियंत्रित करना और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करना

अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने वाहन स्वामियों से अपील की कि आयु सीमा पूरी कर चुके वाहनों का संचालन न करें और शासन तथा राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देशों के अनुसार आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे वाहनों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। परिवहन विभाग के अनुसार बढ़ते वायु प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुराने और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के संचालन पर निगरानी बढ़ाई जा रही है। विभाग ने आमजन और वाहन स्वामियों से पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने तथा निर्धारित आयु सीमा पूरी कर चुके वाहनों का उपयोग बंद करने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि निर्देशों का उल्लंघन करने वाले वाहन स्वामियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

लायंस इंटरनेशनल के निदेशक बनने पर विनय मित्तल का सम्मान

शामली (शिखर समाचार)। शामली निवासी विनय मित्तल के लायंस इंटरनेशनल के निदेशक बनने पर शहर के सातों लायंस क्लबों की ओर से संयुक्त रूप से भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। लायंस ऑफ शामली के बैनर तले आयोजित समारोह में क्लब सदस्यों ने विनय मित्तल को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

समारोह में विनय मित्तल अपनी धर्मपत्नी दीपाली मित्तल के साथ पहुंचे। क्लब सदस्यों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में लायंस क्लब शामली, शामली सिनर्जी, शामली दोआब, शामली उज्ज्वल, शामली क्राउन, शामली सम्राट और शामली नारायण के सदस्यों ने संयुक्त रूप से सहभागिता की।

वक्ताओं ने कहा कि विनय मित्तल

का लायंस इंटरनेशनल के निदेशक पद पर पहुंचना केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे शामली जनपद के लिए गौरव का विषय है। शामली में जन्मे व्यक्ति का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लायनिज्म का प्रतिनिधित्व करना क्षेत्र के लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि विनय मित्तल के नेतृत्व, अनुभव और सेवाभाव से लायंस संगठन को नई दिशा मिलने की उम्मीद है तथा उनके कार्यकाल में सेवा गतिविधियों को और विस्तार मिलेगा।

समारोह में आदित्य गुप्ता, नवनीत अग्रवाल, गिरराज माहेश्वरी, अध्यक्ष अरविंद सांगल, अशोक मित्तल सहित बड़ी संख्या में लायंस क्लबों के सदस्य मौजूद रहे। सभी ने विनय मित्तल को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए संगठन और समाजसेवा के क्षेत्र में उनके सफल योगदान की कामना की।

गाजियाबाद में 13 नए भूमाफिया चिन्हित, लोनी में सबसे अधिक 10 मामले

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जनपद में गरीब, कमजोर और आम नागरिकों की भूमि पर अवैध कब्जा करने, भूमि संबंधी धोखाधड़ी तथा संपत्ति विवादों में संलिप्त लोगों के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ के निर्देश पर तहसील स्तर पर गठित भूमाफिया कार्यबल द्वारा भूमि संबंधी मामलों की समीक्षा और जांच की जा रही है। इसी क्रम में जिले में 13 नए व्यक्तियों को भूमाफिया के रूप में कार्रवाई के लिए चिन्हित किया गया है।

प्रशासन के अनुसार तहसील स्तर पर गठित कार्यबल ने ऐसे मामलों की जांच की, जिनमें एक ही भूमि अथवा भूखंड को एक से अधिक लोगों को बेचने, जमीन या भूखंड पर अवैध कब्जा करने, भूमि संबंधी धोखाधड़ी करने और गंभीर भूमि विवादों की शिकायतें सामने आई हैं। जिन मामलों में प्राथमिकी दर्ज है

अथवा न्यायिक या प्रशासनिक स्तर पर प्रकरण चल रहे हैं, उनमें उपलब्ध अभिलेखों और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। चिन्हित किए गए 13 व्यक्तियों में तहसील लोनी के 10, सदर तहसील के दो और मोदीनगर तहसील का एक व्यक्ति शामिल है। इनके खिलाफ भूमाफिया के रूप में कार्रवाई के लिए संबंधित स्तर पर संस्तुति और प्रस्ताव प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि सभी मामलों में उपलब्ध साक्ष्यों और अभिलेखों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि गरीब, कमजोर और आम नागरिकों की भूमि पर अवैध कब्जे, फर्जीवाड़े अथवा भूमि संबंधी धोखाधड़ी की शिकायतों का प्राथमिकता से परीक्षण किया जाए। उन्होंने पीड़ितों की शिकायतों का त्वरित और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जांच में दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और विधिक प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

गुलदार का आतंक: घर के बाहर खड़ी युवती को बनाया निवाला, ग्रामीणों का हंगामा

बिजनौर/नजीबाबाद (शिखर समाचार)। नजीबाबाद क्षेत्र के गांव आलोपुर में गुलदार के हमले में एक युवती की मौत हो गई। घर के बाहर खड़ी युवती पर अचानक घात लगाकर बैठे गुलदार ने हमला कर दिया और उसे खींचकर पास के गन्ने के खेत में ले गया। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया और उन्होंने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल अभियान चलाकर गुलदार को पकड़ने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव आलोपुर निवासी ओमप्रकाश की पुत्री बबीता घर के बाहर खड़ी थी। इसी दौरान अचानक गुलदार ने उस पर हमला कर दिया। परिजन और आसपास के लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले ही गुलदार बबीता को दबोचकर गन्ने के खेत की ओर खींच ले गया। युवती की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर मौके की ओर दौड़े और शोर मचाकर गुलदार को भगाने का प्रयास किया। ग्रामीणों के पहुंचने तक गुलदार युवती को गंभीर रूप से घायल कर चुका था और उसकी मौत हो गई। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने युवती के शव को खेत से बाहर निकाला। घटना के बाद ग्रामीणों का गुस्सा वन विभाग के खिलाफ फूट पड़ा। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में कई दिनों से गुलदार की मौजूदगी की सूचना विभाग को दी जा रही थी, लेकिन समय रहते न तो पिंजरा लगाया गया और न ही गुलदार को पकड़ने के लिए प्रभावी अभियान चलाया गया। सूचना पर वन क्षेत्राधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द गुलदार को नहीं पकड़ा गया तो आंदोलन किया जाएगा। घटना से गांव और आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल है।

किसानों की मांगों को लेकर धरना 52वें दिन भी जारी, महंगाई और कर्जमाफी की उठी मांग

गंगोह/सहारनपुर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन नई क्रांति का शामली-अंबाला राष्ट्रीय राजमार्ग पर चल रहा धरना-प्रदर्शन 52वें दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता चौधरी मांगे राम सालारपुरा ने की, जबकि संचालन चौधरी ओम सिंह ने किया। धरने पर किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर सरकार के प्रति नाराजगी जताई और मांगों के समाधान की आवाज उठाई। धरने को संबोधित करते हुए चौधरी महीपाल सिंह खटाना ने कहा कि किसानों की समस्याओं के प्रति सरकार गंभीर नजर नहीं आ रही है। कम बारिश के कारण इस वर्ष गन्ने की पैदावार प्रभावित होने की आशंका है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई ने किसानों की आर्थिक स्थिति पर भी असर डाला है। बिजली के बढ़ते बिल और परिवार के रोजमर्रा के खर्चों के बीच किसानों के लिए सरकारी कर्ज की किस्त चुकाना कठिन होता जा रहा है।

किसानों ने महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण करने के साथ ही कर्जमाफी की मांग उठाई। वक्ताओं ने कहा कि आर्थिक दबाव के कारण किसानों को आत्महत्या जैसे गंभीर कदम उठाने के लिए मजबूर न होना पड़े, इसके लिए सरकार को किसानों की समस्याओं का तत्काल समाधान करना चाहिए। उन्होंने फसल और किसान की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए राहत देने की मांग की। धरने में चौधरी प्रेम सिंह राणा, सुंदर सिंह, राणा सुशील, प्रमोद, ओम सिंह, महीपाल सिंह, कुलबीर सिंह, मांगे राम सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

11 हजार वर्ग मीटर में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी पर जीडीए की कार्रवाई

मुरादनगर के मोहद्दीनपुर हिसाली में अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त, नाले की भूमि कब्जाने का भी आरोप

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मुरादनगर क्षेत्र में अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनी के खिलाफ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने गुरुवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। प्रवर्तन जोन-2 के प्रभारी के नेतृत्व में खसरा संख्या-322, ग्राम मोहद्दीनपुर हिसाली, कनौजा रोड, मुरादनगर स्थित करीब 11 हजार वर्ग मीटर भूमि पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त किया गया। प्राधिकरण के अनुसार मौके पर न तो किसी प्रकार की स्वीकृति प्रस्तुत की गई और न ही भूमि संबंधी अभिलेख दिखाए गए।

अवैध प्लॉटिंग में नाले की भूमि शामिल करने का आरोप

जीडीए के अधिकारियों के अनुसार संबंधित स्थल पर अवैध रूप से प्लॉटिंग विकसित की जा रही थी। आरोप है कि नालों की भूमि को भी अवैध प्लॉटिंग में शामिल कर लिया गया था। कार्रवाई के दौरान मौके पर चल रहे निर्माण एवं विकास कार्य को रुकवाया गया और अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया।

निर्माणकताओं ने किया विरोध, पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई

ध्वस्तीकरण के दौरान स्थानीय निर्माणकताओं और कॉलोनाइजरों ने कार्रवाई का विरोध किया। हालांकि प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रखी। कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-2 का समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा। जीडीए अधिकारियों ने बताया कि अवैध निर्माण और प्लॉटिंग के खिलाफ आगामी महीनों में भी ध्वस्तीकरण एवं सीलिंग की कार्रवाई का अभियान जारी रखा जाएगा।

कुन्द कुन्द जैन महाविद्यालय में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। श्री कुन्द कुन्द जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खतौली में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या नीतू वशिष्ठ ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को पोषण की शपथ दिलाकर किया। उन्होंने संतुलित आहार, स्वस्थ जीवनशैली और पोषण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को कुपोषण से बचाव के प्रति जागरूक किया। इस दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली अपनाने तथा समाज में पोषण के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। आशीष जैन ने कहा कि संतुलित आहार शरीर के समग्र विकास, बेहतर स्वास्थ्य और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक है। इससे शरीर को पर्याप्त ऊर्जा मिलने के साथ विटामिन, खनिज और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों की कमी से भी बचाव होता है। पारूल शर्मा ने कहा कि संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य की नींव हैं। उचित पोषण बीमारियों से बचाव के साथ कार्यक्षमता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जबकि कुपोषण आज भी स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती है। राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी विकास जैन ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के माध्यम से समाज में स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति चेतना जगाना है। उन्होंने युवाओं से पोषण संबंधी जागरूकता को अपने परिवार और समाज तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आशीष जैन, विशु, पारूल शर्मा और एकता राजपूत का सराहनीय योगदान रहा।

श्रीकृष्ण की छठी पर श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया कढ़ी चावल का प्रसाद

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर के आजाद कॉलोनी स्थित शिव धाम मंदिर तथा मोहल्ला सैयदवाड़ा स्थित श्री पंजाबी महावीर मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण की छठी का उत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। दोनों मंदिरों में भजन-कीर्तन के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों महिला, पुरुष और बच्चों ने कढ़ी-चावल, हलवा आदि का प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ उठाया। परंपरा के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाता है।

जन्माष्टमी पर मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया जाता है और मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाता है। जन्मोत्सव के छह दिन बाद दोनों मंदिरों में श्रीकृष्ण की छठी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुबह से ही मंदिर परिसरों में महिलाओं ने भजन-कीर्तन किया। इस दौरान श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का पाठ भी सुनाया गया। इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमाओं के समक्ष विधिवत आरती की गई। आरती के बाद विशाल भंडारा शुरू हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कढ़ी-चावल और हलवा का प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीपी सचदेवा संरक्षक, राजकुमार सेठी उपप्रबंधक, एसके बब्बर सचिव, पीके सचदेवा, आरके सचदेवा, देवेंद्र खरबंदा, ओमप्रकाश बांगा, चरणजीत सचदेवा, धीरज कालरा, राजकुमार मुठरेजा, संजीव मुठरेजा, सुभाष कुमार अरोड़ा, अमित कुमार टिक्कू, घनश्याम मुठरेजा, सोहन सचदेवा, रोहित मुठरेजा, हरमीत सिंह, प्रेम सचदेवा, अमन सचदेवा आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शूटिंग प्रतियोगिता में ऋषभ चौधरी ने जीते दो स्वर्ण पदक

शामली (शिखर समाचार)। आरके पीजी कॉलेज के छात्र ऋषभ चौधरी ने पांचवीं अंतर-महाविद्यालयीय शूटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीतकर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। सात और आठ सितंबर को आयोजित प्रतियोगिता में ऋषभ ने विभिन्न स्पधाओं में बेहतरीन प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। 10 मीटर एयर पिस्टल की व्यक्तिगत स्पर्धा में ऋषभ चौधरी ने कुल 400 में से 385 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके अलावा 50 मीटर फ्री पिस्टल स्पर्धा में उन्होंने 510 अंक प्राप्त कर दूसरा स्वर्ण पदक जीता। उनकी इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। 10 मीटर एयर पिस्टल की टीम स्पर्धा में ऋषभ चौधरी ने बॉबी और मिंटू के साथ प्रतिभाग किया। तीनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 1070 अंक हासिल किए और टीम को प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। व्यक्तिगत स्पधाओं में दो स्वर्ण पदक जीतने के साथ टीम स्पर्धा में भी स्थान हासिल करना ऋषभ के उत्कृष्ट प्रदर्शन को दशार्ता है। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के बाद महाविद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य डॉ. एमके जेली, विभागाध्यक्ष डॉ. परवीन अहमद तथा खेल समिति के सदस्यों ने ऋषभ चौधरी का स्वागत किया। कॉलेज परिवार ने उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है। महाविद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने ऋषभ के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

लड्डू गोपाल का छठी महोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव से मनाया

शामली (शिखर समाचार)। प्राचीन सिद्ध पीठ श्री मुक्तेश्वर महादेव शिव मंदिर सतीवाला में लड्डू गोपाल का छठी महोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर परिवार में सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में नवनिर्मित श्री खाटू श्याम मंदिर में विराजमान श्री बांके बिहारी मंदिर में लड्डू गोपाल को रंग-बिरंगे गुब्बारों और फूलों से

सजे पालने में विराजमान किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान को छप्पन भोग अर्पित किया। इसके बाद भव्य भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। शामली के प्रसिद्ध भजन गायकों ने मधुर भजनों के माध्यम से श्री बांके बिहारी और खाटू श्याम की महिमा का गुणगान किया। भजनों के दौरान श्रद्धालु भक्तिभाव में झूमते नजर आए। मंदिर सदस्य रुचि जिंदल ने बताया कि मंदिर निर्माण के बाद यह पहला छठी महोत्सव है, जिसे श्रद्धालुओं ने उत्साह और आस्था के साथ मनाया। उन्होंने बताया कि आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। संकीर्तन के समापन के बाद श्रद्धालुओं को कढ़ी-चावल का प्रसाद वितरित किया गया।

छठी महोत्सव को सफल बनाने में रुचि जिंदल, शालू जिंदल, प्रियंका गुप्ता, उषा जिंदल, शिखा गोयल, जूली, रितिका संगल आदि का विशेष सहयोग रहा। मंदिर परिसर में पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के भजनों का आनंद लेते हुए प्रसाद ग्रहण किया।

संक्षिप्त समाचार

सीपी के साथ यूट्यूबर एआई की मदद से बनाई फोटो, शिकायत

कानपुर , एजेंसी। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल के साथ एक यूट्यूबर ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) की मदद से अपने साथ फोटो बना ली। व्हाट्सएप पर डीपी लगा अब वह रौब गांठ रहा है। मामला सीपी तक पहुंचा तो उन्होंने जांच के आदेश दिए। पता चला कि यूट्यूबर कोहना क्षेत्र का है। उसकी फेसबुक प्रोफाइल चेक की गई तो अखिलेश यादव के साथ भी इसी तरह की एडिटेड फोटो सामने आई। मामले में डीसीपी सेंट्रल से जांच कर कार्रवाई को कहा गया है।

हर साल 15 लाख युवा बन रहे इंजीनियर

कानपुर , एजेंसी। देश इंजीनियरिंग के क्षेत्र में लगातार तरक्की कर रहा है। आजादी के समय सिर्फ 38 इंजीनियरिंग कॉलेज थे, जहां से 300 इंजीनियर निकलते थे। अब हर साल 15 लाख इंजीनियर बन रहे हैं। यह बात उप्र वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान (यूपीटीटीआई) में प्लेसमेंट सेल और द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स इंडिया कानपुर की ओर से आयोजित रायल चार्टर्ड डे में मुख्य वक्ता संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. मुकेश कुमार सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है, जिसके 99.3 फीसदी भाग का विद्युतीकरण हो चुकी है। आठ हजार रेल कोच निर्माण कर भारत चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। मुख्य अतिथि प्रो. गोपाल दीक्षित ने कहा कि विश्व की कुल वैक्सीन का 60 फीसदी निर्माण कर भारत निर्यात करता है। देश में 400 से अधिक स्टार्टअप हैं। प्रो. आलोक कुमार, विवेक अस्थाना, डॉ. प्रदीप कुमार, आरके श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

तकनीक के साथ कौशल बढ़ाते रहें इंजीनियर

लखनऊ , एजेंसी। इंजीनियरिंग केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित नहीं है। समाज की जरूरतों को समझकर व्यावहारिक समाधान देना भी इंजीनियरों की जिम्मेदारी है। बदलती तकनीक के साथ उन्हें अपना ज्ञान और कौशल लगातार बढ़ाते रहना चाहिए। ये बातें बुधवार को रिवर बैंक कॉलोनी स्थित इंजीनियर्स भवन में मुख्य वक्ता इं. जीएम पांडेय ने कहीं। द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) उत्तर प्रदेश राज्य केंद्र की ओर से आयोजित रॉयल चार्टर डे कार्यक्रम में इंजीनियरिंग के इतिहास और तकनीकी विकास में संस्था की भूमिका पर चर्चा हुई। अध्यक्षता कर रहे प्रो. बीआर सिंह ने तकनीकी ज्ञान, नवाचार और निरंतर सीखने पर जोर दिया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. जेबी सिंह, मानद सचिव इं. एनके निषाद समेत कई लोग मौजूद रहे।

महिलाओं के स्वास्थ्य प्रबंधन पर होगा सेमिनार

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ विश्वविद्यालय में महिलाओं के स्वास्थ्य प्रबंधन में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की भूमिका पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 30 नवंबर को किया जाएगा। विवि के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन, इंडियन योग फेडरेशन, यूपी नेचुरोपैथी एंड योग टीचर्स एंड फिजिशियन एसोसिएशन और चेस्ट केयर एंड रिसर्च सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले सेमिनार के पोस्टर और ब्रोशर का विमोचन कुलपति प्रो. जयप्रकाश सैनी ने बुधवार को किया। फैकल्टी के समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि महिला स्वास्थ्य पर यह 22वां सेमिनार होगा। इसमें पांच वैज्ञानिक सत्र होंगे। विशेषज्ञ महिलाओं से जुड़ी विभिन्न बीमारियों के प्रबंधन में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की भूमिका पर चर्चा करेंगे। योगासनों का वैज्ञानिक प्रदर्शन भी किया जाएगा। क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशेषज्ञों को सम्मानित किया जाएगा। महिलाओं के लिए निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

साइबर ठगी की ऐसी वारदात, जो सोचने पर कर देगी मजबूर; खाता लॉक था फिर भी उड़ गए रुपये!

आगरा, एजेंसी। पति-पत्नी के संयुक्त बैंक खाते से 99 80 हजार रुपये साइबर ठगों ने दूसरे खाते में स्थानांतरित कर लिए। पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत की। बैंक को सूचना देकर खाते को लॉक करवाया। इसके बाद भी उनके खाते से 14 हजार रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित ने पुलिस आयुक्त को प्रार्थनापत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। सूर्य लोक कॉलोनी, मऊ रोड निवासी लक्ष्मी प्रसाद ने बताया कि इंडियन बैंक की खंदारी शाखा में उनका और पत्नी कांति देवी का संयुक्त खाता है। 1 सितंबर को साइबर अपराधियों ने उनके खाते से 99,800 रुपये निकाल लिए। रकम मुंबई के शिवम छेदीलाल सरोज नाम के बैंक खाते में गई। उन्होंने साइबर हेल्पलाइन, थाना पुलिस दोनों जगह शिकायत की। बैंक शाखा में लिखित शिकायत कर खाते को लॉक कराया। इसके बाद भी 3 सितंबर को उनके खाते से 14 हजार रुपये निकल गए। उनके साथ कुल 1,13,800 रुपये की साइबर ठगी हुई है। बैंक में बताया जा रहा है कि एक संचार कंपनी की एप डाउनलोड कर उनके खाते से यह रकम स्थानांतरित की गई है। मामले में डीसीपी साइबर क्राइम आदित्य सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

यूं ही नहीं लाल-नीला संगम

बसपा के खिसकते जनाधार पर सपा की नजर

लखनऊ , एजेंसी। समाजवादी पार्टी ने अपनी छात्र विंग की ड्रेस का रंग नीला यूं ही नहीं किया है। राजनीतिक गलियारों में इसे महज संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सपा की रणनीतिक चाल माना जा रहा है।

आंबेडकरवादी मतदाताओं के बीच नीले रंग के भावनात्मक जुड़ाव को देखते हुए सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों की नजर इस वर्ग पर है। अखिलेश यादव की रणनीति भी इसी दिशा में आगे बढ़ती दिख रही है।

इसका मुख्य उद्देश्य सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले में डी यानी दलित वर्ग की भागीदारी को केवल चुनावी नारा न रखकर जमीन पर उतारना है। विरोधी दल सपा पर दलितों को सांकेतिक महत्व देने का आरोप लगाते रहे हैं।

छात्र सभा की ड्रेस में नीले रंग को प्रमुखता देकर पार्टी दलित समाज की पहचान और विचारों से अपने जुड़ाव का संदेश दे रही है। उत्तर प्रदेश में बसपा के कमजोर होने के बाद दलित समुदाय विकल्प की तलाश में है और सपा की सीधी नजर इसी जनाधार पर है। नीले रंग के प्रतीकात्मक इस्तेमाल से सपा दलित मतदाताओं को यह भरोसा दिलाने की कोशिश कर रही है कि समाजवादी मंच पर उन्हें वही सम्मान मिलेगा, जो बसपा के मंच से जुड़ा रहा है।

विश्वविद्यालय और कॉलेज राजनीति के जरिए युवा दलितों में पैठ बनाना सपा की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। इससे नए युवा कार्यकर्ता तैयार करने के साथ लाल-नीले राजनीतिक और वैचारिक तालमेल की जमीन भी बन सकती है। अखिलेश बार-बार पीडीए को प्रेम, दया और अपनापन बताते रहे हैं। अब देखना होगा कि यह रणनीति चुनावी सफलता में कितनी बदलती है।

अखिलेश यादव ने भाजपा को लोकतंत्र का दुश्मन बताया

बोले... भाजपा फैला रही है नफरत

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने

भाजपा को लोकतंत्र का दुश्मन और बेईमानों का गिरोह बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक व्यवस्था को तहस-नहस कर नफरत फैला रही है। अखिलेश यादव ने जयप्रकाश नारायण को धोखा देने का आरोप लगाया।

समाजवादी सरकार के सिग्नेचर बिल्डिंग और जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर बेच दिए गए। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी चरम पर है। प्लासियो मॉल, किसान बाजार और कन्नौज का काऊ मिल्क प्लांट सहित कई सरकारी चीजें बेची गईं।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने दस साल में उत्तर प्रदेश के विकास को बर्बाद किया है। हाईवे, एक्सप्रेसवे और जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार हुआ। उन्होंने भाजपा को किसान, नौजवान, मजदूर विरोधी बताया और महंगाई बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच रहने को कहा, 2027 में जीत का विश्वास जताया।

अखिलेश से मिले लोकदल अध्यक्ष सुनील सिंह

लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह ने बुधवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से लोहिया ट्रस्ट में मुलाकात की। दोनों नेताओं ने विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की। सुनील सिंह ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर बातचीत सकारात्मक रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसानों, युवाओं, मजदूरों और आम जनता के मुद्दे महत्त्वपूर्ण हैं। 2027 में प्रदेश की राजनीति को नई दिशा देने के लिए समान विचारधारा वाले लोगों और दलों के बीच संवाद जरूरी है।

पुस्तक का किया विमोचन

अखिलेश यादव ने पार्टी मुख्यालय में डॉ. लोहिया सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्हें विभिन्न पुस्तकें भेंट की गईं और एक पुस्तक का विमोचन भी हुआ। अयोध्या धाम के महंत रामदासजी महाराज (बालयोगी) ने अखिलेश यादव को सीइंग इक्वली पुस्तक भेंट की। इस पुस्तक को अनंतानंद, राम बचन और सुनीता विश्वनाथ ने संपादित किया है। इतिहासविद राजमोहन गांधी ने इस पुस्तक की प्रशंसा की है। इसके अलावा पीडीए क्रांति का विमोचन किया।

यूजीसी कानून वापसी की मांग, एक बड़ी लड़ाई की हो गई तैयारी; सवर्ण ट्रैक्टर मार्च की हुई घोषणा

आगरा, एजेंसी। यूजीसी कानून को वापस लेने की मांग को लेकर कुबेरपुर स्थित एक्सप्रेसवे फ्लाईओवर के नीचे सवर्ण समाज एवं सर्व समाज की ओर से चल रहा आंदोलन मंगलवार को प्रशासन के आश्वासन के बाद स्थगित कर दिया गया।

बुधवार को आंदोलनकारियों के छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी मनीष बंसल से मुलाकात कर सरकार से वार्ता कराने की मांग रखी। छह सितंबर को यूजीसी कानून के विरोध में सवर्ण महापंचायत आयोजित की गई थी। बाद में महापंचायत अनिश्चितकालीन धरने में तब्दील हो गई। तीन दिन तक धरना जारी रहा। इस दौरान तहसील और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने आंदोलनकारियों से वार्ता का प्रयास किया, लेकिन सहमति नहीं बन सकी।

मंगलवार को एसडीएम एत्मादपुर सुमित कुमार सिंह सहायक पुलिस आयुक्त देवेश कुमार समेत अन्य अधिकारियों ने धरनास्थल पर पहुंचकर आंदोलनकारियों से वार्ता की। प्रशासन की ओर से पहले जिलाधिकारी और उसके बाद सरकार से वार्ता कराने का आश्वासन दिया गया। इस पर प्रदर्शनकारियों ने सहमति जताते हुए राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर धरना स्थगित कर दिया।बुधवार सुबह 11 बजे छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी मनीष बंसल से वार्ता की। प्रतिनिधिमंडल ने यूजीसी कानून वापस लेने के मुद्दे पर सरकार से वार्ता कराने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने चेतावनी दी कि यदि सरकार से वार्ता नहीं कराई गई और कानून वापस नहीं हुआ तो 18 सितंबर को 5 हजार ट्रैक्टर और 50 हजार लोगों के साथ जिला कलेक्ट्रेट का घेराव किया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन और राज्य सरकार की होगी। वार्ता में सिस्टम सुधार संगठन (किसान) यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंशुमन ठाकुर, सिंगर एमएस ठाकुर, रामवीर सिंह जादौन, पवन सिसोदिया, पंडित नागेंद्र उपाध्याय, प्रवीन सिकरवार, टिंकू पुंडीर, दिनेश उपाध्याय और योगेंद्र सिकरवार मौजूद रहे।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षा ने की जनसुनवाई, 120 शिकायतों के निस्तारण के निर्देश

बिजनौर (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षा विजय रहाटकर ने गुरुवार को विकास भवन सभागार में महिला जनसुनवाई की। उन्होंने महिलाओं को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाएगा और राष्ट्रीय महिला आयोग हर कदम पर उनके साथ है। जनसुनवाई में पूर्व में चिन्हित 30 तथा नई 90 शिकायतों समेत कुल 120 शिकायतें प्राप्त हुईं। आयोग की अध्यक्षा ने संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को सभी शिकायतों की जांच कर गुणवत्तापरक और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाए और प्रत्येक मामले में नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने महिलाओं से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनने का आह्वान किया। जनसुनवाई में लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, दहेज उत्पीड़न, पेंशन, आवास और ससुराल पक्ष द्वारा उत्पीड़न सहित विभिन्न मामलों से संबंधित शिकायतें सामने आईं। इन सभी मामलों की 15 दिन के भीतर जांच कर निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान आपसी मनमुटाव के कारण अलग रह रहे तीन दंपतियों ने आपसी सहमति से विवाद समाप्त कर साथ रहने का निर्णय लिया। इस पर आयोग की अध्यक्षा ने खुशी जताई। उन्होंने जिलाधिकारी जसजीत कौर के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा जनसुनवाई के लिए की गई व्यवस्थाओं की भी प्रशंसा की।

विजय रहाटकर ने महिलाओं से कहा कि वे अपने साथ होने वाले किसी भी प्रकार के उत्पीड़न को सहन न करें और इसकी शिकायत संबंधित अधिकारियों अथवा आयोग में करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आयोग शिकायतों का त्वरित और गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करेगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी जसजीत कौर सहित पुलिस एवं प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

तकरोही में 157 बच्चों पर शिक्षक नहीं

वहीं बेसिक स्कूल पुलगामा में 48 पर चार शिक्षक

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी के परिषदीय विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात में भारी असंतुलन है। कहीं बड़ी संख्या में बच्चों के मुकाबले शिक्षक कम हैं तो कई स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं है। प्राथमिक स्कूल तकरोही प्रथम में 157 बच्चों पर एक भी शिक्षक नहीं है। वहीं बेसिक स्कूल पुलगामा में 48 बच्चों पर चार शिक्षक तैनात हैं। ऐसे में कई विद्यालयों में पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

शिक्षकों के समायोजन से इस असंतुलन में सुधार की उम्मीद थी। आधा सत्र बीतने के बाद भी प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है। लखनऊ के नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के 1600 से अधिक परिषदीय विद्यालयों में करीब 1.36 लाख बच्चे पढ़ते हैं। इनमें करीब 400 विद्यालय शिक्षकों की कमी से जूझ रहे हैं। कई प्राथमिक विद्यालय एक शिक्षक के भरोसे हैं, जबकि दर्जनों स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं है।शिक्षकों का कहना है कि सत्र का महत्वपूर्ण समय बीत रहा है। यदि शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए अंतरिम व्यवस्था नहीं की गई तो शैक्षिक गुणवत्ता प्रभावित होगी। इसका असर निपुण आकलन पर भी पड़ सकता है।

समायोजन से 90 फीसदी स्कूलों में सुधार का दावा

विभाग के अनुसार, शिक्षकों के समायोजन से करीब 80 से 90 फीसदी विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात में सुधार हो सकता है। इसी उद्देश्य से समायोजन नीति तैयार की गई थी। हालांकि, कानूनी पेचीदगियों और आपत्तियों के चलते मामला अदालत पहुंच गया।

ये पड़ रहा प्रभाव

सरप्लस शिक्षकों वाले विद्यालयों से जरूरतमंद और शिक्षकविहीन स्कूलों में तैनाती नहीं हो पा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों के मलिहाबाद, सरोजनीनगर और मोहनलालगंज के दूर-दराज के विद्यालयों में स्थिति अधिक गंभीर है।

नगर क्षेत्र के 30 जूनियर विद्यालयों में विषय शिक्षक नहीं

नगर क्षेत्र के चारों जोन में 204 सरकारी विद्यालय हैं। इनमें करीब 30 जूनियर विद्यालयों में विषयवार शिक्षकों की कमी है। कक्षा छह से आठ तक के कई स्कूलों में गणित, विज्ञान और अंग्रेजी के शिक्षक नहीं हैं। करीब 65 प्राथमिक विद्यालयों में एक शिक्षक और एक शिक्षामित्र के सहारे पढ़ाई चल रही है। करीब एक दर्जन विद्यालयों में शिक्षामित्र या कार्यवाहक शिक्षक व्यवस्था संभाल रहे हैं।

» शिक्षकों के समायोजन का मामला कोर्ट में चल रहा है। निर्णय आने के बाद प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सरप्लस शिक्षकों का समायोजन होने पर करीब 90 फीसदी स्कूलों में शिक्षक-छात्र अनुपात सुधर जाएगा।

– **विपिन कुमार,** बीएसए

» विभाग की सुस्ती और कानूनी उलझनों का खामियाजा गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। ये बच्चे सरकारी शिक्षा व्यवस्था पर निर्भर हैं।

-सुधांशु मोहन, जिलाध्यक्ष, प्राथमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट

एएमयू ने पेश किए 100 साल पुराने दस्तावेज

अलीगढ़ , एजेंसी। नगला पटवारी इलाके में स्थित करीब 500 करोड़ रुपये की 3.863 हेक्टेयर जमीन के मालिकाना हक के संबंध में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी और नगर निगम के बीच विवाद में बुधवार को एसडीएम कोल न्यायालय में सुनवाई हुई। इसमें एएमयू ने पुराने और पुख्ता दस्तावेज पेश कर दिए हैं।

बुधवार को एएमयू के प्रतिनिधियों ने अदालत के समक्ष अपने मालिकाना हक को साबित करने के लिए ऐतिहासिक और राजस्व अभिलेख रखे। यूनिवर्सिटी का दावा है कि उनके पास इस जमीन के पुख्ता सबूत हैं। एएमयू की तरफ से कोर्ट में जो दस्तावेज पेश किए गए हैं, उनमें सन 1925 के पुराने दस्तावेज, सन 1941 के राजस्व अभिलेख, सन 1992 की खतौनी पेश की गई। इन सभी पुराने कागजातों के आधार पर एएमयू इस पूरी जमीन पर अपना कानूनी हक जता रही है।

नगर निगम ने मांगा समय, 22 को अगली सुनवाई: एएमयू द्वारा अदालत में दस्तावेज पेश किए जाने के बाद अब नगर निगम को इन पर अपना पक्ष और जवाब रखना है। इसके लिए नगर निगम की ओर से न्यायालय से कुछ समय की मांग की गई, जिसे स्वीकार करते हुए एसडीएम कोल डॉ. गजेंद्रपाल सिंह ने अगली सुनवाई के लिए 22 सितंबर की तारीख मुकर्रर की है। एसडीएम न्यायालय ने लिखित स्थगन आदेश भी जारी कर दिया है। इससे पहले डीएम अविनाश कुमार ने मौखिक रूप से जमीन पर यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए थे।

कैंपस और अस्पताल में जलभराव, छात्रों-मरीजों की फजीहत; अलर्ट

वाराणसी, एजेंसी। काशी में बिजली गिरने और बादल गरजने के साथ 40 मिलीमीटर जोरदार बारिश के बावजूद पारा ढाई डिग्री उछल गया। काशी का अधिकतम तापमान 33.5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया जबकि मंगलवार को 31 डिग्री था। बृहस्पतिवार को भी बिजली गिरने के साथ ही भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

बुधवार को लंका, बीएचयू, सिगरा, कैंट, चिरईगांव, मंडुआडीह, महमूरगंज, दुर्गाकुंड, चौकाघाट इलाकों में जोरदार बारिश हुई। फातमान रोड बादशाह बाग कॉलोनी में बड़ा पेड़ गिर गया, जिसके नीचे एक्सयूवी दब गई। ढाई घंटे तक रास्ता जाम हो गया। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में भारी बारिश के बाद छात्र और छात्राएं जलभराव से होकर आते-जाते रहे। सैंडल और चप्पल हाथ में लिए छात्राएं क्लास में पहुंची। बीएचयू के सर सुंदरलाल अस्पताल में नेत्र रोग विभाग, जांच केंद्र और ओपीडी के पास भारी जलभराव होने से मरीजों की सांसत हो गई। रुद्राक्ष कंवेशन सेंटर के बाहर पानी लगने से सीएम के कार्यक्रम में आए लोग पानी से होकर गुजरते रहे। वहीं कई ऐसे भी इलाके रहे जहां बारिश हुई ही नहीं।

बुधवार को 20 किलोमीटर प्रति घंटे से भी तेज गति से हवा बही। यूपी आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ विज्ञानी डॉ. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार को काशी में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। दो दिनों तक बारिश का पूर्वानुमान भी जारी किया गया है।

काशी में इस मानसून 50 साल के औसत से 15 फीसदी ज्यादा बारिश हो गई है। काशी में अब तक 794.2 मिली पानी बरस चुका है जबकि औसत बारिश का आंकड़ा 691.8 मिमी तक ही रहा है।

करघे से तकनीक तक, यूपी के हुनर की रंगीन झलक

लखनऊ , एजेंसी। प्रदर्शनी पंडाल में कदम रखते ही उत्तर प्रदेश के हुनर और तकनीक की अलग-अलग तस्वीरें नजर आती हैं। कहीं सेना के इस्तेमाल वाले टेंट का मॉडल है तो कहीं बनारसी साड़ियों की चमकती जरी। एक स्टॉल पर भदोही के कालीनों की बारीक बुनाई लोगों को करीब से डिजाइन देखने के लिए रोक रही है। यूपी टेक्स-2026 के तहत इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में लगी दो दिवसीय प्रदर्शनी के अंतिम दिन बुधवार को भी लोगों की भीड़ रही। लोग उत्पाद देखने के साथ कारीगरों और उद्यमियों से उनकी खासियत और तैयार होने की प्रक्रिया भी पूछते नजर आए।

भदोही से आए गफ्फार अहमद अपने कालीनों की बुनाई लोगों को समझाते रहे। कोई डिजाइन को करीब से देख रहा था तो कोई इसे तैयार करने में लगने वाले समय के बारे में पूछ रहा था। उन्होंने बताया कि हाथ से बनने वाले कालीन की हर गांठ में कारीगर की मेहनत जुड़ी होती है। इसे तैयार करने में कई दिन लगते हैं।

बनारस से आई सारा के स्टॉल पर महिलाओं की भीड़ रही। कोई साड़ी का पल्लू उठाकर जरी देख रहा था तो कोई रंग और डिजाइन पसंद कर रहा था। सारा लोगों को बनारसी साड़ी की बुनाई और डिजाइन की बारीकियां बताती रहीं। शादी-ब्याह के लिए साड़ी पसंद करने वालों ने खास दिलचस्पी दिखाई।

उन्नाव से आए अरुण के स्टॉल पर सेना के टेंट और ग्राउंडशीट के मॉडल आकर्षण का केंद्र रहे। लोग कपड़े की मजबूती परखने के साथ उसके तैयार होने की प्रक्रिया पूछते रहे। यहां आग और पानी से बचाव वाले फैब्रिक के नमूने भी रखे गए थे। प्रदर्शनी में कहीं पारंपरिक करघे का हुनर दिखा तो कहीं आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल।

कान के बुंदे लिए, लखनवी चिकन सूट को भी सराहा : बेल्जियम निवासी सेवानिवृत्त शिक्षिका बेनटिक भी प्रदर्शनी देखने पहुंचीं। उन्होंने एक स्टॉल से कान के बुंदे खरीदे और लखनऊ की चिकनकारी का सूट भी देखा। उन्होंने इसकी सराहना

बिना प्याज-लहसुन की चाट, लंदन तक स्वाद : लखनऊ के चाट विक्रेता सूर्य प्रकाश तिवारी के स्टॉल पर भी भीड़ रही। उन्होंने बताया कि देशी घी से तैयार चाट में प्याज-लहसुन का इस्तेमाल नहीं करते। गोलगप्पे का पानी हींग और पुदीने से तैयार होता है। शहर में उनकी दो शाखाएं हैं, जबकि लंदन में भी एक दुकान है। उनके परिवार की तीसरी पीढ़ी इस कारोबार से जुड़ी है। मलाई मक्खन के स्टॉल पर भी ग्राहकों की भीड़ रही। चाट और मलाई मक्खन को एक जिला, एक व्यंजन योजना के तहत प्रदर्शित किया गया।

पिंक रोजगार मेले में 263 युवतियों को मिला नियुक्ति-पत्र

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। महिला सशक्तिकरण और युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिला सेवायोजन विभाग की ओर से राजकीय महिला पॉलिटेक्निक, बादलपुर में पिंक रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ दादरी विधायक तेजपाल नागर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। जिलाधिकारी मेधा रूपम की उपस्थिति में आयोजित मेले में विभिन्न क्षेत्रों की 17 कंपनियों ने भाग लिया। कुल 486 छात्राओं एवं युवतियों ने हिस्सा लिया, जिनमें साक्षात्कार के बाद 263 अभ्यर्थियों का चयन कर उन्हें नियुक्ति-पत्र दिए गए।

रोजगार मेले का उद्देश्य शिक्षित एवं रोजगार की इच्छुक छात्राओं और युवतियों को उनकी शैक्षणिक योग्यता, कौशल एवं प्रतिभा के अनुरूप निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना रहा। मेले में 300 से अधिक अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन तथा 186 ने सीधे पंजीकरण कराया।

इस अवसर पर विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सरकार युवाओं को उनकी योग्यता और कौशल के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

जिलाधिकारी मेधा रूपम ने छात्राओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि उनके भीतर अपार क्षमता है। आवश्यकता अपनी प्रतिभा को पहचानकर सही दिशा में मेहनत करने की है। उन्होंने कहा कि पिंक रोजगार मेले की यह पहल आगे भी जारी रखी जाएगी, ताकि जनपद की बेटियों को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर मिल सकें।

कार्यक्रम में जिला सेवायोजन अधिकारी मनीषा अत्री, प्रधानाचार्या दीपिका दुबे, संस्थापिका खुशबू सिंह सहित विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान जिला सेवायोजन कार्यालय और युवा शक्ति फाउंडेशन के बीच रोजगार संवर्धन के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए गए।

नगर निकायों की व्यवस्थाओं को लेकर डीएम ने की समीक्षा, साफ-सफाई और जलभराव पर दिए निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगरीय क्षेत्रों की साफ-सफाई, कूड़ा उठान एवं निस्तारण, नाला-नाली सफाई, पेयजल आपूर्ति, सड़क प्रकाश व्यवस्था, जलभराव, वेंडिंग जोन, अतिक्रमण हटाओ अभियान सहित विभिन्न विकास कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर निकाय क्षेत्रों में नियमित रूप से साफ-सफाई कराते हुए कूड़े का समय से उठान और उचित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बरसात के मौसम को देखते हुए नालों और नालियों की सफाई प्राथमिकता के आधार पर कराने के निर्देश दिए, ताकि जलभराव की समस्या से लोगों को परेशानी न हो। उन्होंने सड़क प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त रखने और खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों को तत्काल ठीक कराने को कहा।

बैठक में वेंडिंग जोन की व्यवस्था, अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान, 15वें वित्त आयोग, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी), प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, कान्हा गौशाला तथा नगर निकायों में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अतिक्रमण के खिलाफ नियमित अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर अवैध कब्जे किसी भी स्थिति में न रहने दिए जाएं।

उन्होंने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति बढ़ाने तथा पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्यों को निर्धारित गुणवत्ता और समयसीमा के अनुरूप पूरा कराने पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर निकायों की मूलभूत सुविधाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं में सुधार सुनिश्चित करना होगा।

व्यापारी नेता से मारपीट पर भड़के भाजपा नेता और व्यापारी, कोतवाली में किया हंगामा

मोदीनगर (शिखर समाचार)। हरमुखपुरी कॉलोनी में व्यापारी नेता के साथ मारपीट के मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर भाजपा नेताओं और व्यापारियों ने गुरुवार को कोतवाली पहुंचकर हंगामा किया। प्रदर्शनकारी व्यापारियों ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। बाद में कोतवाल के साथ हुई वार्ता में निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन मिलने पर मामला शांत हुआ।

बताया गया कि नगर पालिका परिषद की ओर से हरमुखपुरी कॉलोनी में सड़क निर्माण कराया जा रहा है। निर्माण कार्य के दौरान सड़क के लिए बाधा बन रहे मकानों के बाहर बने रैंप हटाए जा रहे हैं। इसी दौरान रैंप तोड़े जाने को लेकर व्यापारी नेता प्रदीप बॉस का पड़ोसी से कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर पड़ोसियों ने प्रदीप बॉस के साथ मारपीट कर दी।

घटना के बाद व्यापारी नेता ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस को शिकायत दी थी। व्यापारियों का आरोप है कि शिकायत के बावजूद मामले में अभी तक प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इसी से नाराज भाजपा नेता और बड़ी संख्या में व्यापारी दोपहर में कोतवाली पहुंचे और पुलिस के खिलाफ नाराजगी जताते हुए आरोपियों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग करने लगे।

मामले को लेकर व्यापारियों की कोतवाल के साथ वार्ता हुई। कोतवाल ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आश्वासन के बाद व्यापारी शांत हुए और वापस लौट गए।

कक्षा शिक्षण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग का शिक्षकों को प्रशिक्षण

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। एम.जी. पब्लिक स्कूल में शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के क्षमता संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यशाला आयोजित की गई। ह्यकक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोगह्न विषय पर आयोजित कार्यशाला में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के विशेषज्ञ प्रशिक्षक डॉ. अभिनव चौधरी और राकेश कुमार ने शिक्षकों को नई तकनीक के व्यावहारिक प्रयोग की जानकारी दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या मोनिका गर्ग ने दोनों प्रशिक्षकों का स्वागत किया। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को बताया गया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरणों का उपयोग कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी, रोचक और नवाचारपूर्ण बनाने में किस प्रकार किया जा सकता है। इसके साथ ही शैक्षिक कार्यों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यावहारिक प्रयोग, शिक्षण सामग्री को अधिक प्रभावशाली बनाने तथा विद्यार्थियों के सीखने के अनुभव को बेहतर करने के विभिन्न तरीकों पर चर्चा की गई। प्रधानाचार्या मोनिका गर्ग ने कहा कि बदलते शैक्षिक परिवेश में शिक्षकों का नई तकनीकों से परिचित होना आवश्यक है। ऐसे क्षमता संवर्धन कार्यक्रम शिक्षकों को आधुनिक तकनीकी साधनों की जानकारी देने के साथ भविष्य की कक्षा शिक्षण आवश्यकताओं के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि तकनीक का उचित और जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। कार्यशाला के समापन पर प्रधानाचार्या ने दोनों प्रशिक्षकों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया और उनके प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों का सहयोग रहा।

परिषदीय स्कूल के बच्चे दिखे कॉन्वेंट शैली में, बीएसए ने बांटे बेल्ट-टाई और पहचान पत्र

हापुड़ (शिखर समाचार)। विकास खंड सिंभावली के महमूदपुर आजमपुर कंपोजिट विद्यालय में गुरुवार को विद्यार्थियों में अनुशासन और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बेल्ट, टाई और पहचान पत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी और प्रधानाध्यापक राजेंद्र यादव ने विद्यार्थियों को बेल्ट, टाई और पहचान पत्र वितरित किए। नई पोशाक सामग्री पाकर नन्हे-मुन्ने बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में अब केवल पढ़ाई पर ही नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व विकास, अनुशासन और स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विद्यालय की निर्धारित वेशभूषा के साथ बेल्ट, टाई और पहचान पत्र से विद्यार्थियों में एकरूपता की भावना विकसित होगी तथा विद्यालय के प्रति अपनत्व भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि आज परिषदीय विद्यालयों का वातावरण और शिक्षा का स्तर निजी विद्यालयों को टक्कर दे रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया। साथ ही अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को समय से विद्यालय भेजें और घर पर उनकी पढ़ाई में सहयोग करें। प्रधानाध्यापक राजेंद्र यादव ने कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों और अभिभावकों का आभार जताया। इस दौरान समेकित शिक्षा के जिला समन्वयक संजय यादव, शिक्षिका रेखा शर्मा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ, अभिभावक और ग्रामीण मौजूद रहे।

जेवर टोल प्लाजा पर 150 लोगों की निशुल्क स्वास्थ्य जांच

जेवर (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे के जेवर टोल प्लाजा पर गुरुवार को जेपी इंफ्राटेक ने न्यू जेवर अस्पताल के सहयोग से निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर आयोजित किया। शिविर का उद्देश्य एक्सप्रेसवे से गुजरने वाले चालकों, यात्रियों और अन्य लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य जांच के साथ आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना था। शिविर का उद्घाटन आनंद बृजराज सिंह, महाप्रबंधक (संचालन एवं अनुरक्षण), डॉ. रवि मित्तल, अस्थि रोग विशेषज्ञ और थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने किया। शिविर में करीब 150 लोगों की निशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई। इस दौरान रक्तचाप, रक्त शर्करा, पूर्ण रक्त गणना, यकृत कार्य, गुर्दा कार्य, हृदय की विद्युत जांच, रक्त में वसा की जांच और फाइब्रोस्कैन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण जांच की गईं। चिकित्सकों ने जांच के बाद लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया। यात्रियों को यमुना एक्सप्रेसवे के 36 किलोमीटर के निकट स्थित न्यू जेवर अस्पताल में आघात उपचार केंद्र की सुविधा उपलब्ध होने की जानकारी भी दी गई। यमुना एक्सप्रेसवे के सहायक महाप्रबंधक जेके शर्मा ने बताया कि शिविर में लगभग 150 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में डॉ. रवि मित्तल, डॉ. सीएस तिवारी, डॉ. प्रेमवीर तालान और अक्षत द्विवेदी सहित चिकित्सा, सहायक चिकित्सा एवं नर्सिंग कर्मचारियों ने सेवाएं दीं। इस अवसर पर यमुना एक्सप्रेसवे का वरिष्ठ प्रबंधन और संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार के लिए यातायात पुलिस ने निकाली बाइक रैली

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए यातायात पुलिस विभाग की ओर से बाइक रैली निकाली गई। जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अतुल श्रीवास्तव ने दीवानी न्यायालय परिसर से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में यातायात पुलिस की 30 बाइक और अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे।

बाइक रैली दीवानी न्यायालय से एलजी चौक, जगतफार्म होते हुए परीचौक तक पहुंची। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने पर्चे वितरित कर लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में जानकारी दी और लंबित मामलों के शीघ्र एवं सरल निस्तारण के लिए इसका अधिकाधिक लाभ उठाने के प्रति जागरूक किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 सितंबर 2026, द्वितीय शनिवार को सुबह 10 बजे से जनपद मुख्यालय तथा सभी तहसील न्यायालयों में किया जाएगा। जिला न्यायाधीश ने बताया कि लोक अदालत में विभिन्न मामलों का निस्तारण आपसी सहमति और समझौते के आधार पर किया जाएगा। इसमें मोटर वाहन चालान, मोटर दुर्घटना प्रतिकर, वैवाहिक, उत्तराधिकार, दीवानी, विद्युत, भू-राजस्व, ई-चालान तथा परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 से संबंधित मामलों सहित अन्य प्रकरण शामिल हैं।

इसके अलावा सेवा, पेंशन और श्रम संबंधी मामलों तथा मुकदमा दायर होने से पहले बैंक ऋण, विद्युत और बीएसएनएल के दूरभाष बिल से जुड़े प्रकरणों का भी समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाएगा।

जिला न्यायाधीश ने जनपदवासियों से अपील की कि वे अपने लंबित मामलों के त्वरित और सुलभ निस्तारण के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिकाधिक लाभ उठाएं। जानकारी या सहायता के लिए 7678643985 पर संपर्क किया जा सकता है।

इस अवसर पर सुनील कुमार, सोमप्रभा मिश्रा, विरेक अग्रवाल, एसीपी पवन कुमार, यातायात निरीक्षक प्रफुल्ल श्रीवास्तव, निरीक्षक सूरजपुर संजीव उज्जवल सहित न्यायिक अधिकारी और पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव पेड़ के नीचे बरामद, पार्टी के बाद घर नहीं लौटा दोस्त

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना धौलाना क्षेत्र में दौलतपुरा-ढीकरी रजवाहे के पास गुरुवार सुबह अमरूद के पेड़ के नीचे संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। खेतों की ओर जा रहे ग्रामीणों ने शव पड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। थाना प्रभारी निरीक्षक अवनीश शर्मा ने बताया कि मृतक की पहचान चौहान गढ़ी शौलाना निवासी मोहित (29) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी में बुधवार रात उसके शराब पीने की बात सामने आई है। हालांकि युवक की मौत किस कारण से हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा। परिजनों के अनुसार मोहित बुधवार रात अपने एक दोस्त के साथ शराब पी रहा था। देर रात उसका दोस्त अपने घर चला गया, जबकि मोहित घर नहीं पहुंचा। इसके बाद परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे। गुरुवार सुबह उसका शव रजवाहे के पास पेड़ के नीचे मिलने की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया। बताया गया कि मृतक के भाई मोनू ने शुरूआत में शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया था। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझाया और आवश्यक कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। इसके बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए सहमत हुए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

व्यापारियों के हित में विधान परिषद और राज्यसभा में 10 सीटें आरक्षित हों: कंछल

मुरादनगर (शिखर समाचार)। मेन रोड स्थित कार्यालय पर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के तत्वावधान में व्यापारी संवाद एवं प्रांतीय सदस्यता अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद बनवारी लाल कंछल ने कहा कि जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों के हितों का प्रभावी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए विधान परिषद और राज्यसभा में 10 सीटें आरक्षित की जानी चाहिए। इससे संसद और विधानमंडलों में व्यापारियों की समस्याओं को मजबूती से उठाया जा सकेगा। कंछल ने कहा कि संगठन को प्रदेशभर में मजबूत करने और अधिक से अधिक व्यापारियों को जोड़ने के लिए सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। संगठन का प्रांतीय निर्वाचन 17-18 अप्रैल 2027 को लखनऊ में होगा। उन्होंने जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों का सरकारी कर्मचारियों की तर्ज पर बीमा कराने, दुकान जलने पर एक करोड़ रुपये का बीमा कवर देने तथा ब्याज दर 18 से घटाकर नौ प्रतिशत करने की मांग की। बिजली बिल से फिक्स और न्यूनतम शुल्क समाप्त करने, पूरे देश में मंडी शुल्क एक प्रतिशत करने तथा सभी विभागों के लाइसेंस आजीवन करने की मांग भी रखी।

उन्होंने व्यापारियों के सर्वे और छापे बंद करने, दुर्घटना बीमा 10 से बढ़ाकर 25 लाख रुपये और पेंशन तीन हजार से बढ़ाकर 10 हजार रुपये करने की मांग की। पंजीकृत व्यापारियों के शस्त्र लाइसेंस प्राथमिकता से बनाने तथा ऑनलाइन व्यापार पर प्रभावी नियंत्रण की मांग भी उठाई गई।

जिलाध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री रामकिशोर अग्रवाल ने मुरादनगर इकाई के चुनाव के लिए प्रदेश मंत्री नीरज गुप्ता को मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किया। विनोद जिंदल, विनोद धनगर और पंकज गर्ग को सहायक चुनाव अधिकारी बनाया गया। कंछल ने नीरज गुप्ता सहित 14 पदाधिकारियों को प्रांतीय सदस्य बनाया। कार्यक्रम में राकेश गोयल, अजय वर्मा, लोकेश वर्मा सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

गणेश चतुर्थी पर मेरठ परिक्षेत्र में 2500 पुलिसकर्मी संभालेंगे सुरक्षा

मेरठ (शिखर समाचार)। गणेश चतुर्थी और अनंत चतुर्दशी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए मेरठ परिक्षेत्र में व्यापक पुलिस प्रबंध किए गए हैं। मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़ में करीब 2500 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। इनमें सात अपर पुलिस अधीक्षक, 25 क्षेत्राधिकारी, 71 निरीक्षक, 460 उपनिरीक्षक, 645 मुख्य आरक्षी, 880 आरक्षी, 375 होमगार्ड व पीआरडी जवान तथा एक कंपनी पीएसी शामिल है। परिक्षेत्र में 168 स्थानों पर 164 गणेश प्रतिमाएं स्थापित की जानी हैं। मेरठ में 49, बुलंदशहर में 44, बागपत में 58 और हापुड़ में 13 प्रतिमाएं स्थापित होंगी। इस दौरान कुल 197 शोभायात्राएं प्रस्तावित हैं। शोभायात्राओं के मार्ग में 85 संवेदनशील स्थान चिन्हित किए गए हैं। प्रतिमा विसर्जन के लिए 34 घाट निर्धारित किए गए हैं।

सुरक्षा के लिए 117 संवेदनशील स्थान चिन्हित कर 24 जोन, 81 सेक्टर और 52 त्वरित प्रतिक्रिया दल बनाए गए हैं। पुलिस ने शांति समितियों, धर्मगुरुओं, संभ्रांत लोगों, विभिन्न विभागों और आयोजकों के साथ बैठकें कर समन्वय स्थापित किया है। डीआईजी मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने अधिकारियों को शोभायात्राओं के मार्गों का पूर्व निरीक्षण कराने, यातायात व्यवस्था सुचारू रखने, विसर्जन घाटों पर बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, गोताखोर और जीवन रक्षक उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। आयोजन स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी तथा आवश्यकता पड़ने पर ड्रोन कैमरों का प्रयोग किया जाएगा। सोशल मीडिया पर भी 24 घंटे निगरानी रखकर अफवाह और भ्रामक सूचनाओं पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

बोलेरो पिकअप में चार लाख रुपये के अवैध पटाखे बरामद, दो गिरफ्तार

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी पुलिस ने जीटी रोड स्थित एनटीपीसी कट के समीप बोलेरो पिकअप वाहन से भारी मात्रा में अवैध पटाखे बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार वाहन में अलग-अलग प्रकार के पटाखों के 20 कार्टून रखे थे, जिनकी अनुमानित कीमत करीब चार लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने बोलेरो पिकअप को भी कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि हाथरस जनपद के चमनपुरा गांव निवासी शिवकुमार और बदायूं जनपद निवासी रामकुमार वर्तमान में बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के अच्छेजा गांव में रह रहे हैं। दोनों आरोपी नौ सितंबर की शाम बोलेरो पिकअप में पटाखे भरकर दादरी की ओर आ रहे थे। एनटीपीसी कट के समीप पुलिस ने संदिग्ध वाहन को रोककर तलाशी ली तो उसमें भारी मात्रा में विभिन्न प्रकार के पटाखे बरामद हुए। पुलिस वाहन और पटाखों को कोतवाली ले आई। पूछताछ के दौरान आरोपी पटाखों के संबंध में संतोषजनक जानकारी नहीं दे सके। सख्ती से पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि पटाखे बेचकर अवैध रूप से धन कमाने की योजना थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की है। कार्रवाई के बाद अवैध रूप से पटाखों का कारोबार करने वालों में हलचल मची हुई है।

संपादकीय

गलवान की तल्खी से संवाद की वापसी तक, क्या भारत चीन रिश्ते नई दिशा लेंगे?

नई दिल्ली में होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल दुनिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं का एक और सम्मेलन नहीं है। इस बार इसकी राजनीतिक अहमियत कहीं अधिक है, क्योंकि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 12 और 13 सितंबर को भारत पहुंच रहे हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर उनकी यात्रा की पुष्टि कर दी है। सात वर्ष बाद चीन के राष्ट्रपति का भारत आना और 2020 में गलवान घाटी की खूनी झड़प के बाद नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग का पहली बार आमने सामने बैठना अपने आप में एक बड़ा कूटनीतिक घटनाक्रम है।

गलवान ने भारत चीन संबंधों की पूरी तस्वीर बदल दी थी। सीमा पर सैनिकों की हिंसक झड़प ने दोनों देशों के बीच भरोसे को गहरी चोट पहुंचाई। इसके बाद सैन्य तैनाती बढ़ी, व्यापारिक और निवेश संबंधों पर सुरक्षा की दृष्टि से पुनर्विचार हुआ और राजनीतिक संवाद की गति भी प्रभावित हुई। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति कभी स्थिर नहीं रहती। पिछले कुछ समय में दोनों देशों ने तनाव कम करने और संपर्क बहाल करने की दिशा में सावधानीपूर्वक कदम बढ़ाए हैं। सीमा पर गश्त व्यवस्था को लेकर प्रगति, प्रत्यक्ष संपर्कों में सुधार और आर्थिक संबंधों को धीरे-धीरे सामान्य बनाने की कोशिशें इसी बदलाव का संकेत हैं। लेकिन यह समझना भूल होगी कि शी जिनपिंग की भारत यात्रा का अर्थ भारत और चीन के बीच सभी मतभेद समाप्त हो जाना है। वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद आज भी पूरी तरह हल नहीं हुआ है। सामरिक प्रतिस्पर्धा मौजूद है, हिंद महासागर से लेकर एशिया प्रशांत तक दोनों की नीतियां कई जगह एक दूसरे को चुनौती देती हैं और चीन पाकिस्तान संबंध भी भारत की सुरक्षा चिंताओं का महत्वपूर्ण कारण हैं। इसलिए इस यात्रा को दोस्ती की वापसी के बजाय संवाद की वापसी के रूप में देखना अधिक उचित होगा।

भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि वह किसी एक खेमे में पूरी तरह बंधने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार अलग अलग शक्तियों से संबंध बनाए रखता है। चीन के साथ संवाद इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है। भारत अमेरिका, यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ अपने सामरिक संबंध मजबूत कर रहा है, तो दूसरी ओर रूस के साथ पुराने संबंधों को भी बनाए हुए है और चीन के साथ तनाव को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहा है। यह संतुलन आसान नहीं है, लेकिन बदलती विश्व व्यवस्था में भारत के लिए यही व्यावहारिक रास्ता दिखाई देता है।

शी जिनपिंग की यात्रा का दूसरा बड़ा पहलू आर्थिक संबंध हैं। भारत और चीन के बीच व्यापार का आकार बहुत बड़ा है, लेकिन व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में नहीं है। दोनों देशों के बीच आर्थिक जरूरतें भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं और सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी मौजूद हैं। हाल के महीनों में कुछ क्षेत्रों में चीनी निवेश और कारोबारी भागीदारी के प्रति भारत का रुख पहले की तुलना में व्यावहारिक हुआ है, लेकिन संवेदनशील तकनीक, दूरसंचार, डिजिटल ढांचे और रणनीतिक क्षेत्रों में सुरक्षा की कसौटी बनी रहेगी।

यही वह क्षेत्र है जहां दोनों देशों को सबसे अधिक सावधानी और स्पष्टता की जरूरत है। भारत को चीन से आर्थिक सहयोग चाहिए, लेकिन ऐसा सहयोग जो देश की औद्योगिक क्षमता और रोजगार को मजबूत करे, केवल आयात बढ़ाने वाला न हो। चीन को भी भारत जैसे विशाल बाजार और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ दीर्घकालिक कारोबारी संबंधों की जरूरत है। यदि दोनों देश राजनीतिक मतभेदों को आर्थिक संबंधों पर पूरी तरह हावी होने देंगे तो नुकसान दोनों का होगा। ब्रिक्स सम्मेलन इस पूरी तस्वीर को और बड़ा बना देता है। भारत इस वर्ष ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और उसका जोर लचीली आपूर्ति श्रृंखला, नवाचार, हरित ऊर्जा, स्वास्थ्य, खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा तथा वैश्विक संस्थाओं में सुधार जैसे विषयों पर है। भारत राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार और सीमा पार डिजिटल भुगतान जैसे विचारों को भी आगे बढ़ा रहा है।

~ मौलिक चिंतन ~

हर किसी को भीतर आने की इजाजत न दें, पर दिल का दरवाजा भीतर से बंद भी न करें।

©

विनय संकोची

दुबई में बजा 'मोहन' का डंका, एमपी में संभावनाएँ अपार, निवेश की बहार

हर्षवर्धन पान्डे

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा ने राज्य के आर्थिक और औद्योगिक परिदृश्य में एक नए युग का आगाज किया है। वार्षिक निवेश बैठक एआईएम कॉंग्रेस 2026 में भाग लेने पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने राज्य को वैश्विक मंच पर एक सशक्त, भरोसेमंद और संभावनाओं से भरे औद्योगिक केंद्र के रूप में प्रस्तुत करने का काम किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हालिया दुबई दौरा राज्य के आर्थिक विकास और वैश्विक कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है। दुनिया के प्रमुख व्यापारिक केंद्र दुबई में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की निवेश क्षमताओं को बेहतरीन ढंग से प्रस्तुत करते हुए निवेशकों को आकर्षित करने का पूरा प्रयास किया। यह दौरा न केवल एमपी की छवि को नया रूप देने वाला रहा, बल्कि भविष्य में निवेश के लिहाज से और युवाओं को रोजगार के लिहाज से मध्यप्रदेश के लिए कई संभावनाओं के नए द्वार भी खोलेगा।

मध्यप्रदेश अपनी कई विशिष्ट पहचानों के कारण पूरे देश में अपनी विशेष पहचान बनाने में कामयाब हुआ है। प्रदेश में 18 नई उद्योग-अनुकूल नीतियां, विस्तृत लैंड बैंक, भरपूर जल उपलब्धता, स्किल्ड मानव संसाधन, उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी और पारदर्शी प्रशासन निवेशकों को बेहतर वातावरण प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने निवेश नीतियों को सरल, पारदर्शी और उद्योग-अनुकूल बनाया है। एक दौर था जब एमपी की गिनती बीमारू राज्य के रूप में होती थी, अब उद्योगों के अनुकूल नीति और निवेश की भरपूर क्षमताओं से एमपी देश के साथ ही दुनिया के निवेशकों के दिल जीत रहा है। औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए राज्य में अब केवल 29 दिन में जमीन उपलब्ध करवाई जा रही है। मोहन सरकार में लगभग 15 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। प्रदेश में ऑन द स्पॉट लैंड अलॉटमेंट हो रहा है। मध्यप्रदेश में 1 लाख से अधिक इंडस्ट्रियल लैंड बैंक और 5 लाख किलोमीटर से अधिक रोड नेटवर्क है।राज्य सरकार की निवेशकों के अनुकूल नीतियां और अनेक प्रोत्साहन राज्य में व्यापार और उद्योग की नई संभावनाएं के द्वार खोल रही हैं जिससे निवेशक मध्यप्रदेश की तरफ तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने दुबई में कई प्रमुख कंपनियों और उद्योगपतियों से मुलाकात की। दुबई के व्यापारिक समुदाय के साथ हुई बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल माहौल है, जहां टैक्स छूट, तेज मंजूरी प्रक्रिया और कुशल कार्यबल उपलब्ध है। दुबई प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वैश्विक निवेशकों और प्रमुख उद्योग समूहों के साथ वन टू वन बैठकों में लॉजिस्टिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी, इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी, हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में 53,000 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर मुहर लगी। शराफ ग्रुप द्वारा रेल-साइडिंग लॉजिस्टिक्स पार्क के लिए 450 करोड़ रुऔर रिन्यूएबल एनर्जी व अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में बड़े पैमाने पर पूँजी निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई।वैश्विक लॉजिस्टिक्स दिग्गज डीपी वर्ड नेतृत्व के साथ उच्चस्तरीय चर्चा में पोवारखेड़ा लॉजिस्टिक्स कंपोजिट हब को मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स, कोल्ड-चेन और वेयरहाउसिंग सुविधाओं के साथ एक प्रमुख इनलैंड लॉजिस्टिक्स प्रवेश द्वार बनाने पर सहमति बनी। इससे प्रदेश के कृषि उत्पादों और एमएसएमई सेक्टर को खाड़ी देशों सहित वैश्विक बाजारों से सीधा जुड़ाव मिलेगा। , बीआह समूह के साथ कचरा प्रबंधन, रीसाइक्लिंग और स्मार्ट सिटी समाधानों पर विचार-विमर्श किया गया।मोहन सरकार के मजबूत प्रयासों से राज्य में ओडीओपी उत्पादों की जबरदस्त ब्रांडिंग हो रही है। इन उत्पादों को ई-कॉमर्स और एक्सपोर्ट हब्स से भी जोड़ा जा रहा है। ताज दुबई में आयोजित विशेष प्रदर्शनी के माध्यम से मध्यप्रदेश के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट और जीआई टैग प्राप्त पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय खरीददारों के सामने प्रस्तुत किया गया। इससे स्थानीय कारीगरों, बुनकरों और निर्यातकों के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नए द्वार खुलेंगे। दुबई दौरे के दौरान मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने दुबई में आयोजित विभिन्न सम्मेलनों और बैठकों में भाग लिया। उन्होंने मध्य प्रदेश की औद्योगिक नीतियों, पर्यटन स्थलों और बुनियादी ढांचे के विकास की विस्तृत जानकारी दी। मध्य प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक स्थलों जैसे खजुराहो, सांची और मांडू को दुबई के पर्यटकों के लिए प्रचारित किया गया।इस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर और ग्रीन एनर्जी जैसे आधुनिक क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करने के लिए नई नीतिगत सहूलियतों को रेखांकित किया गया। इसके अतिरिक्त, बिआह समूह के साथ कचरा प्रबंधन, रीसाइक्लिंग और स्मार्ट सिटी समाधानों पर विचार-विमर्श किया गया। शारजाह की अग्रणी कंपनियों को प्रदेश के फूड पार्क, कोल्ड चेन, लॉजिस्टिक्स, टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, नवकरणीय ऊर्जा और पर्यटन परियोजनाओं में पूंजी निवेश के लिए आमंत्रित किया गया। दुबई दौरे में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने दुबई के प्रमुख निवेशकों से मुलाकात की, जिसमें रियल एस्टेट, आईटी, फार्मा और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की अनेक संभावनाएं तलाशी गईं। राज्य सरकार की ओर से प्रस्तुत किए गए कई प्रोजेक्ट्स ने दुबई के कारोबारियों को अपनी तरफ आकर्षित किया और निवेश का भरोसा दिलाया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी निवेशकों को जनवरी 2027 में भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट) में भाग लेने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया। कुल मिलाकर, डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा मध्यप्रदेश को ग्लोबल इन्वेस्टमेंट हब बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल है।यह न केवल आर्थिक विकास को गति देगा, बल्कि राज्य की युवा पीढ़ी के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। आने वाले समय में इस दौरे के सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे, जब मध्य प्रदेश वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत करेगा।दुबई का वैश्विक मंच मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर स्थायी रूप से स्थापित करने की दिशा में उनका एक निर्णायक कदम साबित हुआ है। डॉ.मोहन यादव के विजनरी नेतृत्व में एमपी अब केवल भारत का दिल नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक उभरता हुआ निवेश केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे ने मध्यप्रदेश के निवेश अभियान को वैश्विक स्तर पर गति देने का काम किया है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का दुबई दौरा एमपी को देश के प्रमुख औद्योगिक और व्यापारिक केंद्र के रूप में स्थापित करने में निश्चित रूप से मदद करेगा।

आतंकवाद बोया पाकिस्तान ने, अब सिंधु का पानी भी भूलना होगा

कांतिलाल मांडोत

भारत का सिंधु जल पर बढ़ता अधिकार पाकिस्तान के लिए उसके अपने किए की सजा...

पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद को भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करता आया है। सीमा पार से आतंकियों को प्रशिक्षण देना, उन्हें भारत में हिंसा फैलाने के लिए भेजना और आतंकी घटनाओं के बाद भी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करना उसकी नीति का हिस्सा बन चुका है। लेकिन हर कार्रवाई की एक कीमत होती है और अब पाकिस्तान को अपने इसी रवैये की कीमत पानी के मोर्चे पर चुकानी पड़ रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने का जो कठोर निर्णय लिया, उसके प्रभाव अब जमीन पर दिखाई देने लगे हैं। लद्दाख में सिंधु नदी पर चेक डैम का निर्माण इसी बदलती तस्वीर का संकेत है।

लद्दाख के उपशी में सिंधु नदी पर तैयार किया गया पहला रॉक चेक डैम केवल पानी रोकने वाली एक छोटी परियोजना नहीं है। यह बदलते भारत की सोच और उसकी जल नीति का प्रतीक है। जिस सिंधु नदी के पानी को लेकर भारत ने दशकों तक संधि की मर्यादाओं का पालन किया, उसी नदी के पानी का अपने लोगों के हित में बेहतर इस्तेमाल करने की दिशा में अब कदम बढ़ रहे हैं। उपशी में तैयार चेक डैम में पानी जमा होना और उसके माध्यम से आसपास के खेतों तक सिंचाई पहुंचने की संभावना लद्दाख जैसे दुर्गम और पानी की कमी वाले क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह शुरूआत भर है। लद्दाख में सिंधु नदी पर 36 और चेक डैम बनाने की तैयारी की जा रही है। इनमें लेह में सात हिमालयन रॉक चेक डैम और करगिल में 29 चेक डैम प्रस्तावित बताए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं पर करीब 56 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने का अनुमान है। यानी भारत अब सिंधु नदी को केवल सीमा पार बह जाने वाली नदी के रूप में देखने के बजाय अपने किसानों, अपने गांवों और अपने सीमावर्ती क्षेत्रों की जल जरूरतों से जोड़कर देख रहा है।

लद्दाख की परिस्थितियां किसी से छिपी नहीं हैं। ऊंचाई वाले इस क्षेत्र में पानी का संकट हमेशा बड़ी चुनौती रहा है। खेती का मौसम सीमित है और बुवाई के समय पानी की उपलब्धता किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में चेक डैम जैसी छोटी लेकिन प्रभावी जल संरचनाएं स्थानीय स्तर पर बड़ा बदलाव ला सकती हैं। प्राकृतिक चट्टानों से तैयार की गई ऐसी संरचनाएं पानी को रोकने, भूजल स्तर सुधारने और खेतों तक पानी पहुंचाने में उपयोगी हो सकती हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप बनाए जा रहे इन ढांचों से जल संरक्षण और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम करने की कोशिश भी दिखाई देती है।

पाकिस्तान के लिए परेशानी यहीं से शुरू होती है। दशकों से पाकिस्तान ने सिंधु नदी प्रणाली पर अपनी कृषि और जल व्यवस्था को खड़ा किया है। उसकी बड़ी आबादी की आजीविका खेती से जुड़ी है और सिंधु नदी तथा उसकी सहायक नदियां उसके लिए जीवनरेखा जैसी हैं। इसके बावजूद पाकिस्तान ने भारत की सुरक्षा चिंताओं को समझने और आतंकवाद पर निर्णायक कार्रवाई करने के बजाय बार-बार वही रास्ता चुना, जिसने दोनों देशों के बीच अविश्वास को गहरा किया।

पाकिस्तान को यह समझना होगा कि पानी कोई ऐसा विषय नहीं है जिसे आतंकवाद से अलग करके देखा जा सकता है। जब एक देश लगातार दूसरे देश के नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाने वाली गतिविधियों को रोकने में विफल रहता है, तो वह द्विपक्षीय संबंधों की बुनियादी जमीन को स्वयं कमजोर करता है। भारत ने वर्षों तक संधि का सम्मान किया। कठिन परिस्थितियों के बावजूद भारत ने अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को निभाया। लेकिन जब आतंकवाद लगातार राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौती बनता रहा और पहलगाम जैसी घटना ने देश को झकझोर दिया, तब भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद और सामान्य संबंध एक साथ नहीं चल सकते।

भारत का सिंधु जल संधि को स्थगित करना इसी व्यापक नीति का हिस्सा है। इसका संदेश साफ है कि आतंकवाद को बढ़ावा देने और भारत के साथ सामान्य संबंध बनाए रखने की उम्मीद एक साथ नहीं की जा सकती। पाकिस्तान यदि भारत के खिलाफ आतंक का रास्ता चुनता है तो उसे उसके राजनीतिक, कूटनीतिक और रणनीतिक परिणामों के लिए भी तैयार रहना होगा।

अब लद्दाख में सिंधु नदी पर बन रहे चेक डैम पाकिस्तान के लिए एक और संदेश लेकर आए हैं। भारत केवल बयान नहीं दे रहा, बल्कि अपनी जल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए जमीन पर योजनाएं तैयार कर रहा है। आने वाले समय में यदि सिंधु नदी के पानी के बेहतर उपयोग की और योजनाएं बनती हैं तो पाकिस्तान के लिए यह समझना मुश्किल नहीं होगा कि पुराने दौर की परिस्थितियां वापस नहीं आने वालीं। पाकिस्तान की सरकार आज यदि अपने लोगों के सामने पानी की समस्या के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश करती है तो यह आधा सच होगा। असली सवाल यह है कि पाकिस्तान को ऐसी स्थिति में पहुंचाया किसने। भारत ने तो अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाया है। पहलगाम का आतंकी हमला किसने किया, आतंकियों को किस तरह का समर्थन मिलता रहा, सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान ने कितनी ईमानदार कार्रवाई की और दोनों देशों के संबंधों को किसने लगातार खराब किया, इन सवालों से पाकिस्तान की सरकार और उसकी व्यवस्था बच नहीं सकती।

करोड़ों पाकिस्तानी नागरिकों के सामने पानी की चुनौती खड़ी होती है तो इसका दोष केवल भारत पर डाल देना आसान राजनीतिक रास्ता हो सकता है, लेकिन यह जनता को सच्चाई से दूर रखने जैसा होगा। पाकिस्तान की आवाम को यह सवाल अपनी सरकार से पूछना चाहिए कि भारत के साथ दुश्मनी और आतंकवाद की नीति ने देश को क्या दिया। आर्थिक संकट से जूझता पाकिस्तान पहले ही अनेक मोर्चों पर परेशान है। ऐसे में पानी जैसी मूलभूत जरूरत से जुड़ा संकट उसके लिए और गंभीर चुनौती बन सकता है।

भारत के लिए यह अवसर केवल पाकिस्तान पर दबाव बनाने का नहीं, बल्कि अपने सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास का भी है। लद्दाख में जल संरक्षण की योजनाएं वहां के किसानों और स्थानीय आबादी के लिए राहत लेकर आ सकती हैं। सिंधु का पानी यदि स्थानीय जरूरतों के लिए संरक्षित किया जाता है तो इससे खेती, पशुपालन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकती है। सीमा से लगे क्षेत्रों में विकास अपने आप में राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करता है। यह भी समझना जरूरी है कि पानी का इस्तेमाल केवल राजनीतिक हथियार के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संसाधन के रूप में होना चाहिए। भारत को अंतरराष्ट्रीय दायित्वों और पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए अपने जल संसाधनों का अधिकतम वैध और वैज्ञानिक उपयोग करना चाहिए। सिंधु नदी पर चेक डैम जैसी परियोजनाएं इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम बन सकती हैं।

पाकिस्तान को अब यह समझ लेना चाहिए कि आतंकवाद के सहारे भारत को दबाव में लाने का दौर समाप्त हो चुका है। भारत न तो आतंकवादी हमलों को सामान्य घटना मानने के लिए तैयार है और न ही अपनी सुरक्षा तथा संसाधनों के सवाल पर पुरानी मानसिकता में रहने वाला है। यदि पाकिस्तान को अपने लोगों के लिए पानी चाहिए तो सबसे पहले उसे भारत के खिलाफ आतंकवाद की नीति पर पुनर्विचार करना होगा।

सिंधु नदी सदियों से बह रही है और आगे भी बहती रहेगी। लेकिन उसके पानी को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच जो व्यवस्था बनी थी, वह आपसी विश्वास और शांतिपूर्ण संबंधों की भावना पर टिकी थी। जब विश्वास ही लगातार तोड़ा गया तो उस व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक था। पहलगाम के बाद भारत ने इसी संदेश को स्पष्ट किया है।

अब पाकिस्तान के लिए बेहतर यही होगा कि वह सिंधु जल को लेकर भारत को कोसने के बजाय अपने गिरेबान में झांके। जिस आतंकवाद को उसने वर्षों तक भारत के खिलाफ नीति का हिस्सा बनाए रखा, उसी ने आज उसके सामने अनेक संकट खड़े कर दिए हैं। भारत ने अपने पानी को बचाने और उसका अपने लोगों के हित में उपयोग करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। उपशी का चेक डैम इसी बदलते युग की पहली झलक है।

हालिया टकराव के बाद ईरान और खाड़ी देशों का ब्रिक्स में होगा आमना-सामना, अब मोदी की कूटनीति देखेगी दुनिया

नीरज कुमार दुबे

पुतिन के भारत आने से एक बार फिर पूरी दुनिया की नजर मोदी-पुतिन मुलाकात पर है। हाल ही में एससीओ सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से साफ कहा था कि अब युद्ध को आगे बढ़ाने की बजाय उसे खत्म करने का रास्ता तलाशना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से दुनिया को यह संदेश देते रहे हैं कि 'यह युद्ध का युग नहीं है।' अब यही संदेश उनकी विदेश नीति की सबसे बड़ी कसौटी बन गया है। एक तरफ रूस-यूक्रेन युद्ध अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है, दूसरी ओर पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच टकराव ने खाड़ी देशों को भी सीधे संकट में डाल दिया है। ऐसे समय में दिल्ली में होने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल आर्थिक सहयोग का मंच नहीं, बल्कि भारत की कूटनीतिक क्षमता का बड़ा प्रदर्शन भी बनने जा रहा है। ब्रिक्स में रूस, चीन, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे परस्पर विरोधी हितों वाले देश एक साथ मौजूद होंगे।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत आने से एक बार फिर पूरी दुनिया की नजर मोदी-पुतिन मुलाकात पर है। हाल ही में एससीओ सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से साफ कहा था कि अब युद्ध को आगे बढ़ाने की बजाय उसे खत्म करने का रास्ता तलाशना चाहिए। भारत और रूस के दशकों पुराने मजबूत रिश्तों के बीच मोदी का यह संदेश काफी महत्वपूर्ण है। अब ब्रिक्स सम्मेलन में मोदी के पास एक और मौका होगा कि वह रूस के साथ अपनी दोस्ती कायम रखते हुए पुतिन को बातचीत और शांति की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें।

हम आपको यह भी बता दें कि इस दिशा में भारत केवल रूस से बात नहीं कर रहा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर हाल में कीव गए और यूक्रेनी नेतृत्व के साथ बातचीत की थी। उन्होंने स्पष्ट किया था कि भारत रूस और यूक्रेन दोनों के संपर्क में है और युद्ध को समाप्त करने में उपयोगी विचारों पर काम करने के लिए तैयार है। यानी मोदी सरकार की रणनीति किसी एक पक्ष को चुनने की नहीं, बल्कि दोनों पक्षों से संवाद बनाए रखकर शांति की गुंजाइश बचाए रखने की है।

वहीं पश्चिम एशिया में यही नीति और भी कठिन है। हालिया संघर्ष के दौरान ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के क्रम में बहरीन, कुवैत, कतर, ओमान, जॉर्डन और दूसरे देशों को भी अपनी सैन्य कार्रवाई के दायरे में ला दिया। ईरान का तर्क था कि वह अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना रहा है, लेकिन मिसाइल और ड्रोन उन देशों की संप्रभु सीमाओं के भीतर पहुंचे जहां ये ठिकाने मौजूद हैं। जुलाई में भी ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कार्रवाई जारी रखी।

यहीं मोदी की कूटनीति की असली परीक्षा सामने आती है। युद्ध के बीच उन्होंने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से बातचीत की थी और साफ कहा था कि भारत सभी मुद्दों का समाधान संवाद और कूटनीति से चाहता है। साथ ही उन्होंने ऊर्जा और व्यापार के निर्बाध आवागमन तथा भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को भारत की प्राथमिकता बताया। दूसरी ओर उन्होंने यूएई, बहरीन, सऊदी अरब और कतर के नेताओं से अलग-अलग बातचीत कर उनके खिलाफ हुए हमलों की निंदा भी की थी। बहरीन के मामले में प्रधानमंत्री ने सीधे कहा था कि भारत हमलों की निंदा करता है और वहां के लोगों के साथ खड़ा है; सऊदी अरब और यूएई के संदर्भ में भी उन्होंने संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन को गंभीरता से लिया था।

यही संतुलन मोदी की विदेश नीति की ताकत है। ईरान से संबंध भी चाहिए और खाड़ी अरब देशों का भरोसा भी; रूस से रणनीतिक साझेदारी भी बचानी है और पश्चिम से आर्थिक-तकनीकी रिश्ते भी मजबूत करने हैं। भारत के लिए यह केवल प्रतिष्ठा का सवाल नहीं है। पश्चिम एशिया में करोड़ों भारतीयों के हित, ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री व्यापार और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा सीधे इससे जुड़ी है। मोदी ने ईरान से बातचीत में भी इसी व्यावहारिक प्राथमिकता को सामने रखा है।

साथ ही इस पूरे समीकरण में चीन को अलग करके देखना भी संभव नहीं है। शी जिनपिंग की भारत यात्रा सात वर्ष बाद हो रही है और दोनों देशों के बीच रिश्तों में सावधानी के साथ सुधार की कोशिश दिखाई दे रही है। सीमा पर तनाव कम करना, आर्थिक रिश्तों को नियंत्रित तरीके से आगे बढ़ाना और प्रतिस्पर्धा के बावजूद संवाद बनाए रखना भारत की रणनीतिक स्वायत्तता के लिए जरूरी है। इसलिए दिल्ली का ब्रिक्स सम्मेलन मोदी के लिए केवल शिखर सम्मेलन नहीं, बल्कि कूटनीतिक संतुलन का मंच है। एक ही मेज पर पुतिन, शी, पेजेश्कियान, सऊदी और यूएई नेतृत्व के बीच भारत यह दिखा सकता है कि रणनीतिक स्वायत्तता का अर्थ किसी खेमे से दूरी नहीं, बल्कि सभी से अपने हितों के आधार पर संवाद करने की क्षमता है।

देखा जाये तो दुनिया आज अलग-अलग खेमों में बंटी हुई है। ऐसे समय में मोदी की कूटनीति की सबसे बड़ी ताकत यही है कि भारत किसी एक पक्ष के साथ खड़ा होने की बजाय सभी से संवाद बनाए रखता है। रूस से युद्ध खत्म करने की अपील हो, यूक्रेन से बातचीत, ईरान से संपर्क, खाड़ी देशों के साथ मजबूत रिश्ते, पश्चिम के साथ साझेदारी या चीन से संवाद, भारत हर मोर्चे पर अपने हितों को साधते हुए रिश्ते आगे बढ़ा रहा है। यही संतुलित कूटनीति भारत को इस उथल-पुथल भरी दुनिया में अपनी स्वतंत्र और मजबूत जगह बनाने में मदद कर रही है।

नाश्ते में रवा उपमा खाने से मिलेंगे ये लाभ

नाश्ते में अगर कुछ अच्छा (स्वादिष्ट और हेल्दी) खाने को मिल जाए तो पूरा दिन मूड अच्छा रहता है और आप अपनी प्रॉडक्टिविटी में भी अच्छा परिणाम देखते हैं। बस, जरूर इस बात की है कि हम सभी अपने काम और अपने शरीर की जरूरतों को समझें.लेकिन हममें से ज्यादातर लोग बस यहीं मात खा जाते हैं। आइए, जानते हैं दिन की बेहतर शुरुआत करने में रवा उपमा किस तरह हमारी सहायता कर सकता है.

रवा खाने के फायदे

- दक्षिणी भारत में सूजी को रवा कहा जाता है। उत्तर भारत और हिंदी भाषी राज्यों में सूजी का हलवा जिस तरह आय दिन घरों में बनता है और सभी बहुत चाव से खाते हैं। ठीक इसी तरह सूजी से तैयार उपमा यानी रवा उपमा दक्षिण भारत में बहुत अधिक लोकप्रिय भोजन है।
- रवा यानी सूजी गेहूं से तैयार होती है। यह फाइबर से भरपूर होती है इसलिए इसे पचाना हमारे पाचनतंत्र के लिए आसान होता है।
- फाइबर धीमी गति से डायजेस्ट होता है इसलिए यह लंबे समय तक हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है।
- यानी रवा से बना उपमा खाने के बाद जल्दी से भूख नहीं लगती, नींद नहीं आती और आप लंबे समय स्वयं को तक ऊर्जावान महसूस करते हैं।
- रवा उपमा तैयार करते समय इसमें मौसमी सब्जियां मिलाई जाती हैं। यानी इसे खाने से आपको संपूर्ण पोषण प्राप्त होता है। सब्जियों से विटमिन्स और मिनरल्स साथ ही रवा से दिनभर के लिए ऊर्जा।
- रवा उपमा बनाने में मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स का उपयोग किया जाता है। इन्हें खाने से आपको सभी जरूरी अमीनो एसिड्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, फॉलिक एसिड और विटमिन्स तथा मिनरल्स की प्राप्ति होती है।
- रवा उपमा फैट यानी वसा और हानिकारक कॉलेस्ट्रोल से पूरी तरह फ्री होता है। इसलिए यह आपके हार्ट की सेहत के लिए भी एक शानदार नाश्ता है। जो हृदय की पंपिंग को सही बनाए रखने और अपने पौषक तत्वों से रक्त का प्रवाह बनाए रखने का काम करता है।
- रवा उपमा खाने में बहुत अधिक स्वादिष्ट और साथ ही सेहत के गुणों से भरपूर होता है। इसलिए साउथ इंडिया से निकलकर इस फूड ने देश के हर हिस्से और घर में अपनी जगह बना ली है।
- आज के समय में पोहा (मुख्य रूप से मध्य भारतीय आहार) दही चूड़ा (मुख्य रूप से बिहार का भोजन) और रवा उपमा तथा इडली (दक्षिण भारतीय भोजन) अपने-अपने राज्यों की सीमाए पार कर नैशनल फूड बन चुके हैं।
- इसकी खास वजह है कि इन फूड्स को तैयार करने में कम समय लगता है। ये पौषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कम ऑइली होने के कारण फिटनेस को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इसके साथ ही पाचन के लिहाज से बहुत अच्छे होते हैं तो इन्हें खाने के बाद आलस भी नहीं आता है।

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें। ये आपको कई गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकती है. चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, हमारे शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा तरल है और बाकी 70 प्रतिशत में अस्थि और मज्जा शामिल है। यही वजह है कि जल को जीवन की संज्ञा दी गई है। क्योंकि मनुष्य बिना भोजन के कुछ समय रह सकता है लेकिन बिना पानी के रहना असंभव होता है। यानी जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पानी तो हम सभी लोग पीते हैं लेकिन ज्यादातर लोग शरीर की जरूरत के अनुसार उचित मात्रा में पानी नहीं पीते हैं। यही कारण है कि हमारे समाज में बड़े स्तर पर सूखे की बीमारी से पीड़ित पेशंट देखे जा सकते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन के मरीजों की मानो बाढ़ आ जाती है।

हल्के में ना लें यह समस्या

- आमतौर पर शरीर में पानी की कमी होने को हम सभी बहुत हल्के में लेते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि डिहाइड्रेशन के कारण बड़ी संख्या में रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आइए, यहां जानते हैं शरीर के उन सामान्य लक्षणों के बारे में जो आपके शरीर में पानी की कमी को दर्शाते हैं। ताकि इन लक्षणों के आधार पर आप तुरंत इस समस्या से निजात पा सकें.

पानी की कमी के सामान्य लक्षण

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो आपके होंठ बहुत सूखे-सूखे हो जाते हैं और उनकी बाहरी त्वचा फटने लगती है। कई बार होठों से खून भी आने लगता है।
- पानी की कमी के कारण गला लगातार सूखा बना रहता है और बार-बार प्यास लगने पर पानी पीने के बाद भी प्यास नहीं मिटती है।
- शरीर में पानी की कमी के कारण सीने पर हल्की जलन, पेट में एसिडिटी या असहजता हो सकती है। साथ ही मुंह से सांसों के साथ लगातार दुर्गंध आती है। ब्रश करने के बाद भी आप सांसों की दुर्गंध फील कर पाते हैं।

यूरिन, स्किन और मसल्स पर असर

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पेशाब गाढ़े पीले रंग का आता है। इसके साथ मात्रा में सामान्य से कम होता है और पेशाब के बाद प्राइवेट पार्ट में जलन या खुजली की समस्या हो सकती है।
- डिहाइड्रेशन से जूझ रहे लोगों के शरीर की त्वचा भी बहुत रूखी और बेजान नजर आती है। जो लोग लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे होते हैं, उनकी त्वचा पर कम उम्र में ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं।
- पानी की कमी से मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न की समस्या हो सकती है। इसके साथ ही सिर में लगातार दर्द बना रहता है। इस कारण रोगी का चेहरा मुर्झाया हुआ और तेजहीन लगता है।
- जो लोग शरीर की जरूरत के अनुसार पानी नहीं पीते हैं, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे साफ देखे जा सकते हैं। इन लोगों की आंखें अंदर धसने लगती हैं और इन्हें हर समय कमजोरी का अहसास बना रह सकता है।

सेहत समस्याओं से निजात पाने के लिए पुदीने के घरेलू नुस्खे

गर्मियों का मौसम आते ही भूख कम लगने लगती है, पेट व त्वचा की गर्मी बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में ऐसी चीजें खाने की जरूरत होती है जो आपको ठंडक दे और पुदीना इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। गर्मियों में पुदीना या मिंट के अलग-अलग इस्तेमाल से कई सेहत लाभ पाए जा सकते हैं। आइए, जानते हैं पुदीना के ये 8 बेहतरीन घरेलू नुस्खे

- पेट की गर्मी को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिलाने में लाभकारी है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।
- दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को पैर के तलवों में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाना चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके। इससे पैरों की गर्मी भी कम होगी।
- सूखा या गीला पुदीना छाछ, दही, कच्चे आम के पने के साथ मिलाकर पीने पर पेट में होने वाली जलन दूर होगी और ठंडक मिलेगी। गर्मी हवाओं और लू से भी बचाव होगा।
- अगर आपको अक्सर टॉंसिल्स की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली सूजन से भी आप परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इस पानी से गरारे करना आपके लिए फायदेमंद होगा।
- गर्मी में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है। पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मुनक्का, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें। यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है व खाने में भी स्वादिष्ट होती है। भूख न लगने या खाने से अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।
- पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है। वहीं अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं। कुछ ही देर में आप हिचकी से निजात पा लेंगे।
- पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है। घाव भरने के लिए भी यह उत्तम है। इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गर्मी समाप्त होगी और आप ताजगी का अनुभव करेंगे।
- पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पीलिया जैसे रोगों से बचाने में सक्षम है। वहीं मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है। पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।

हल्की-हल्की भूख में लें इन तीन सूप का मजा

नाश्ते के बाद और लंच से पहले वाली भूख को हैंडल करने के लिए ज्यादातर लोग चाय, कॉफी या फास्ट फूड और डिब्बाबंद फूड्स का सेवन करते हैं। लेकिन हम यहां आपको चंद मिनट में तैयार होनेवाले उन 3 खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको 'अपनी तो लाइफ सेट है!' जैसा फील देंगे.

वेजिटेबल सूप

- मौसमी सब्जियों के साथ आप मिक्स वेज सूप तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप किसी एक सब्जी को उबालकर उसका सूप बनाएं और शिमला मिर्च, बीन्स, मशरूम, हरी प्याज और आलू को महीन टुकड़ों में काटकर इन्हें अलग उबाल लें।
- पहले से तैयार सूप में इन सब्जियों को मिलाएं और अपने स्वाद के हिसाब से काला नमक, जीरा पाउडर आदि मिलाएं। ध्यान रखें सूप को गाढ़ा करने के लिए कॉर्नफ्लोर मिलाया जाता है। आप इसका उपयोग कर सकते हैं लेकिन अधिक मात्रा में इसे मिलाने से बचें। नहीं तो यह आपके वजन को बढ़ाने की वजह बन सकता है।

चुकंदर का सूप

- चुकंदर का सूप बनाने के लिए आप टमाटर, आलू, प्याज, लहसुन, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस जैसी चीजों का उपयोग करते हैं। ये सभी बहुत पौष्टिक और सेहत को फिट रखनेवाली चीजें हैं।
- चुकंदर का सूप तैयार करने के लिए एक कुकर में बारीक कटे प्याज और लहसुन भून लें। इसके बाद कटे हुए चुकंदर, आलू और टमाटर डालकर भूनें। इन्हें दो मिनट पकाने के बाद कुकर को बंद कर दें और इसमें धीमी आंच पर 4 सीटी आने दें।
- तैयार मिश्रण को मिक्सी में डालकर पीसें और गाढ़ा लिक्विड तैयार करें। इसे छान लें और काली मिर्च पाउडर तथा नींबू का रस मिलाकर सूप तैयार करें और इसे हरी धनिया पत्तियों के साथ गार्निश करके सूप का लुत्फ उठाएं।

मूंग दाल का शोरबा

- मूंग दाल का शोरबा मात्र 10 मिनट में तैयार हो जाता है। इसके लिए आप बिना छिलके की मूंग दाल को धुलकर कुकर में 3 से 4 सीटी लगा लें। इसे तैयार करते समय आपको पानी की मात्रा सामान्य दाल बनाने से दोगुना रखें और गैस की धीमी आंच पर रखकर ही पकाएं।
- अब इसमें हरी धनिया पत्ती, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा कच्चा प्याज मिलाकर तड़का लगा दें। मसलों के नाम पर इसमें सिर्फ हल्दी पाउडर का उपयोग करें, हल्का काला नमक मिलाएं और काली मिर्च पाउडर मिक्स करके गर्मागर्म शोरबा का लुत्फ उठाएं।

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

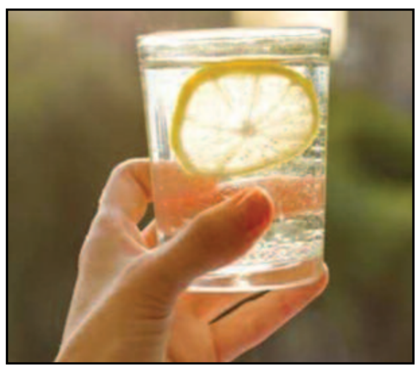

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए।

मेटाबोलिज्म बढ़ाने के लिए चाय आजमाएं

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस (अजमोद का रस)

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

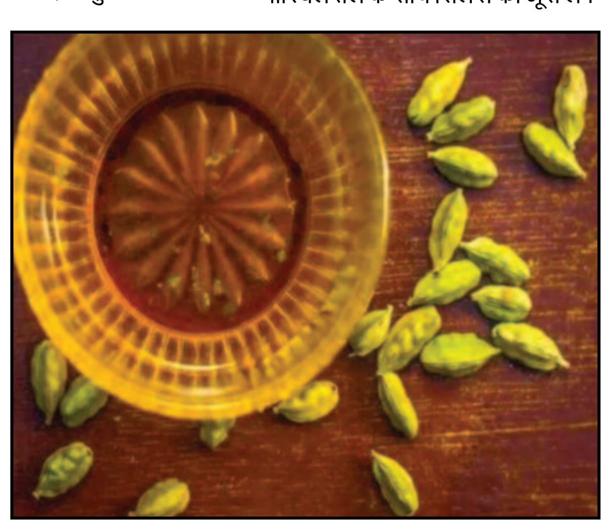

वजन घटाने के पांच बुनियादी नियम भी जानें

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

आईडीबीआइ बैंक के निजीकरण की दिशा में कदम, फेयरफैक्स डील में आगे

सरकार और फेयरफैक्स के बीच कीमत पर अटका मामला, शेयर 11 फीसदी गिरे

मुंबई ।

देश के प्रमुख सरकारी बैंक आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। सरकार बैंक में अपनी 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में है, और इस दौड़ में कनाडा की वित्तीय कंपनी फेयरफैक्स में सबसे आगे दिख रही है। यदि आपका भी खाता इस बैंक में है, तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक फेयरफैक्स ने प्रति शेयर करीब 81 रुपये की पेशकश की है, जिससे सरकार की हिस्सेदारी का मूल्य लगभग 53,000 करोड़ रुपये हो जाता है। हालांकि, इस प्रस्तावित कीमत पर सरकार और फेयरफैक्स के बीच अंतिम सहमति अभी तक नहीं बन पाई है। इसी मुद्दे पर सोमवार को वित्त मंत्रालय में उच्च-स्तरीय बैठक भी हुई। इस खबर के सार्वजनिक होते ही बैंक के शेयरों में लगभग 11 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। फेयरफैक्स का भारत में पहले से ही आईआईएफएल फाइनेंस और सीएसबी बैंक में निवेश है, जिसके कारण आईडीबीआई डील पूरी होने पर उसे भारतीय बैंकिंग नियमों के तहत कुछ निवेशों में बदलाव करना पड़ सकता है। बैंक के ग्राहकों के लिए राहत की बात यह है कि इस निजीकरण का उनके बैंकिंग परिचालन पर कोई सीधा असर नहीं पड़ेगा। बैंक पहले की तरह ही सुचारू रूप से काम करता रहेगा और मौजूदा सेवाएं एवं योजनाएं यथावत जारी रहेंगी।

सोना 182 रुपए सुस्त, चांदी 907 रुपए नरम

सोने का भाव 1,53,650 प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,43,110 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने वैश्विक बाजारों में महंगाई की चिंता और ब्याज दरों में संभावित वृद्धि की उम्मीद बढ़ा दी है, जिसका असर सोने और चांदी पर साफ दिख रहा है। गुरुवार को दोनों कीमती धातुओं के कारोबार की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी दोनों में गिरावट दर्ज की गई। खबर लिखे जाने तक, सोने का अक्टूबर वायदा 1,53,650 प्रति 10 ग्राम पर 113 की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। यह 1,53,581 पर खुला था। इस साल सोने ने 1,80,779 के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छुआ था। वहीं चांदी का दिसंबर वायदा भी दबाव में दिखा और यह 1,103 रुपए की गिरावट के साथ 2,43,110 रुपए प्रति किलोग्राम पर था। चांदी ने 2,43,292 रुपए पर कारोबार शुरू किया था। इस साल चांदी ने 4,20,048 रुपए प्रति किलोग्राम का सर्वोच्च स्तर बनाया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने और चांदी में सुस्ती देखने को मिली। सोना 4,458.90 डॉलर प्रति औंस पर 1.80 डॉलर की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था, जबकि यह 4,448 डॉलर पर खुला था। पिछले सत्र में सोना 4,460.70 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ था। इस साल कॉमेक्स पर सोने का उच्चतम स्तर 5,586.20 डॉलर प्रति औंस रहा है। चांदी भी 0.57 डॉलर की गिरावट के साथ 68.07 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। चांदी 67.94 डॉलर प्रति औंस पर खुली थी, जबकि पिछला बंद भाव 68.64 था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी ने इस साल 121.79 डॉलर प्रति औंस का सर्वोच्च स्तर छू लिया था। बढ़ती महंगाई और ब्याज दरों की आशंका के बीच निवेशकों की नजर अब केंद्रीय बैंकों की नीतियों पर टिकी है।

सैमसंग इंडिया में छंटनी, टीवी और होम अप्लायंसेज बिजनेस पर गिरी गाज

बढ़ती लागत और घटती मांग के चलते कंपनी ने उठाया कदम

नई दिल्ली । सैमसंग इंडिया ने अपने टेलीविजन और होम अप्लायंसेज बिजनेस में कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी बढ़ती लागत, कम होती मांग और संगठनात्मक पुनर्गठन के बीच खर्चों में कटौती करने के लिए यह कदम उठा रही है। छंटनी का असर डायरेक्टर, टीम लीडर और मैनेजर सहित कई स्तरों के कर्मचारियों पर पड़ रहा है। सूत्रों के मुताबिक यह कटौती कई चरणों में की जा रही है और पिछले कुछ दिनों में कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के लेटर जारी किए गए हैं। कुछ कर्मचारियों से तो नोटिस पीरियड पूरा किए बिना तुरंत कार्यमुक्त होने को कहा गया है। संपर्क करने पर, सैमसंग ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। प्रभावित कर्मचारियों को तीन महीने की सैलरी और कंपनी में बिताए हर पूरे साल के लिए एक महीने की अतिरिक्त सैलरी का सेवरेंस पैकेज दिया जा रहा है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियां कमजोर मांग और बढ़ती परिचालन लागत से जूझ रही हैं। मेमोरी चिप की ऊंची कीमतें, कच्चे माल की बढ़ती लागत और भारतीय रुपये के कमजोर होने से कंपनियों पर दबाव बढ़ा है।

एप्पल ने भारत में आईफोन लाइनअप की 40 फीसदी तक बढ़ाई कीमत

बढ़ोतरी के लिए मेमोरी की लागत, रुपए की कमजोरी को जिम्मेदार बताया

-नई दिल्ली।

एप्पल ने भारत में अपने आईफोन लाइनअप की कीमतों में 40 फीसदी की बढ़ोतरी की है। इसकी वजह मेमोरी की बढ़ती लागत है। वहीं, कंपनी ने अपने स्मार्टफोन की नई पीढ़ी लॉन्च करने के साथ आईफोन डुओ के साथ फोल्डेबल सेगमेंट में भी प्रवेश किया है, जिसकी कीमत 2.99 लाख रुपए तय की गई है। एप्पल ने आईफोन 17 के 256जीबी वेरिएंट की कीमत को 82,900 रुपए से बढ़ाकर 99,900 रुपए कर दी है, जो कीमत में 17,000 रुपए या 20.5 फीसदी की बढ़ोतरी है।

वहीं, 512जीबी वेरिएंट की कीमत 1,24,900 रुपए हो गई है, जो पहले 1,02,900 रुपए थी। इससे कीमत में 22,000 रुपए या 21.4 फीसदी की वृद्धि हुई है। आईफोन 18प्रो की शुरुआती कीमत 1,64,900 रुपए है, जो आईफोन 17प्रो की तुलना में 22 फीसदी ज्यादा है। वहीं, आईफोन 18प्रो मैक्स की शुरुआती कीमत 1,79,900 रुपए है, जो 20 फीसदी ज्यादा है। इसके अलावा, सबसे बड़ी बढ़ोतरी 1टीबी वाले आईफोन एयर की कीमत में हुई है। इसकी कीमत 40.6 फीसदी बढ़कर 2,24,900 रुपए हो गई है, जो पहले 1,59,900 रुपए थी। आईफोन एयर के 256जीबी और 512जीबी वेरिएंट भी 25 प्रतिशत महंगे हो गए हैं।

इसके अलावा, आईफोन 17ई की शुरुआती कीमत अब 79,900 रुपए है, जो 23.1 फीसदी ज्यादा हो गए हैं। वहीं, 128जीबी वाले आईफोन 16 की कीमत 28.6 फीसदी बढ़कर 89,900 रुपए हो गई है। भारत में एप्पल के प्रो मॉडल्स की कीमतों में हुई बढ़ोतरी कई प्रमुख बाजारों की तुलना में काफी ज्यादा है। अमेरिका में आईफोन 18प्रो और प्रो मैक्स की कीमतों में क्रमशः 9 फीसदी और 8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के रिसर्च डायरेक्टर के मुताबिक भारत में आईफोन की कीमतें 20-30 फीसदी बढ़ी हैं, जो 8-10 फीसदी के वैश्विक औसत से काफी ज्यादा है।

उन्होंने कीमतों में इस बढ़ोतरी के लिए मेमोरी की लागत, रुपए की कमजोरी और घरेलू उत्पादन की बढ़ी हुई लागत को जिम्मेदार बताया है।

उन्होंने कहा कि आईफोन डुओ पर 20 फीसदी तक का आयात शुल्क लग सकता है, क्योंकि इसका स्थानीय स्तर पर असेंबल नहीं किया जाता है। साइबर मीडिया रिसर्च के इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप के प्रमुख ने कहा कि 2,99,900 रुपए की कीमत वाला आईफोन डुओ प्रो सीरीज से ऊपर एक अल्ट्रा-प्रीमियम श्रेणी स्थापित करता है।

उनके मुताबिक निकट अवधि में यह बड़े पैमाने पर बिक्री बढ़ाने वाले उत्पाद के बजाय मुख्य रूप से ब्रांड की प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले उत्पाद के रूप में काम कर सकता है।

उन्होंने कहा कि फाइनेंसिंग विकल्प प्रो मैक्स यूजर्स को आकर्षित करने में मदद कर सकते हैं, जबकि निकट अवधि में आईफोन डुओ की शिपमेंट सीमित और सप्लाई की कमी से प्रभावित रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि फिलहाल फोल्डेबल स्मार्टफोन कुल स्मार्टफोन शिपमेंट का 1 फीसदी से भी कम हैं, लेकिन एप्पल के इस सेगमेंट में प्रवेश से इसके विकास को गति मिल सकती है।

जियो पेमेंट सॉल्यूशंस ने सीमा पार भुगतान सुविधा शुरू की

आरबीआई की मंजूरी के बाद जियो पेमेंट सॉल्यूशंस ने शुरू की पहल

नई दिल्ली ।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी जियो पेमेंट सॉल्यूशंस लिमिटेड (जेपीएसएल) ने भारतीय निर्यातकों को वैश्विक ग्राहकों से अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्राप्त करने में मदद करने के लिए एक सीमा पार भुगतान मंच शुरू करने की बुधवार को घोषणा की। यह सुविधा भारतीय व्यवसायों की वैश्विक प्रतिस्पर्धी क्षमता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जेपीएसएल का यह नया मंच भारतीय निर्यातकों को वर्चुअल खातों, अंतरराष्ट्रीय कार्ड और स्थानीय भुगतान माध्यमों का उपयोग कर विदेशी ग्राहकों से भुगतान प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से पेमेंट एग्रीगेटर फॉर क्रॉस बॉर्डर (पीए-सीबी) के रूप में काम करने की मंजूरी मिलने के बाद यह पहल शुरू की गई है, जो निर्यात और भविष्य में आयात दोनों लेनदेन को कवर करेगी। जेपीएसएल ने बताया कि ऑनलाइन विक्रेता, डिजिटल कारोबारी और स्वतंत्र पेशेवर जैसे कई भारतीय व्यवसाय वैश्विक स्तर पर विस्तार कर रहे हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्राप्त करने की प्रक्रिया अक्सर जटिल और बिखरी हुई होती है।

इसमें कई भागीदार, अलग-अलग मुद्राएँ और अधिक कागजी कार्रवाई शामिल होती है। कंपनी के अनुसार, यह नया मंच इन जटिलताओं को दूर करेगा, वैश्विक भुगतान प्राप्त करने की प्रक्रिया को आसान बनाएगा, नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करेगा और कारोबारियों को उनके वैश्विक ग्राहकों को स्थानीय भुगतान विकल्प प्रदान करने में मदद करेगा।

अफ्रीका में चीनी ई-वाहन क्रांति- आयात बढ़ा, क्षेत्रीय अंतर स्पष्ट

- पूर्वी व मध्य अफ्रीका में स्थानीय असेंबली व वाणिज्यिक वाहनों पर जोर

नैरोबी ।

2026 की पहली छमाही में अफ्रीका में चीन से इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल और तिपहिया वाहनों के आयात में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। यह महाद्वीप में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने की प्रक्रिया में मौजूद गहरे क्षेत्रीय अंतर को उजागर करता है, जो ईंधन खपत और वायु प्रदूषण घटाने के लिए महत्वपूर्ण है। उत्तरी अफ्रीकी देशों (मोरक्को, मिस्र, अल्जीरिया) की अगुवाई में चीन से दोपहिया और तिपहिया वाहनों का आयात 60त्न बढ़कर 11.46 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया। यह क्षेत्र तैयार चीनी इलेक्ट्रिक स्कूटरों का प्रमुख बाजार बन गया है, जिन्हें उपभोक्ता आवागमन हेतु खरीदते हैं। मोरक्को ने सर्वाधिक 2.17 करोड़ अमेरिकी डॉलर की 80,188 इकाइयों का आयात किया। इसके विपरीत पूर्वी एवं मध्य अफ्रीका में ईवी स्टार्टअप कंपनियों में निवेश केंद्रित है, जो स्थानीय असेंबली, बैटरी स्वैपिंग नेटवर्क और वाणिज्यिक मोटरसाइकिल परिवेश तैयार कर रही हैं। विशेषज्ञ पीटर कोसाकोव्स्की के अनुसार, इस क्षेत्र में मोटरसाइकिलें मुख्यतः व्यावसायिक वाहनों के रूप में उपयोग होती हैं, जो यात्रियों व सामान को ढोती हैं। स्पाइरो जैसी कंपनियों ने बड़ा निवेश जुटाया है, लेकिन यहां उद्योग अभी भी आयातित कलपुर्जों की असेंबली पर निर्भर है; मोटर, नियंत्रक और बैटरी सेल जैसे प्रमुख घटक अब भी बाहर से आते हैं। उप-सहारा अफ्रीका में, दक्षिण अफ्रीका ने 69 लाख डॉलर की 19,635 इलेक्ट्रिक बाइक आयात की।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 138, निफ्टी 46 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में तीन कारोबारी सत्र के बाद आई ये तेजी दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। इसी के साथ ही पिछले तीन करोबारी सत्र से जारी गिरावट पर भी ब्रेक लग गया। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 138.36 अंक बढ़कर 74,902.59 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 46 अंक बढ़कर 23,477.80 पर बंद हुआ।

आज बाजार में मिली-जुली धारणा लिए रहा, जहां लगभग 1,802 शेयरों में तेजी देखी गई, वहीं 2,224 शेयरों में गिरावट दर्ज हुई और 135 शेयरों में कोई खास बदलाव नहीं आया। दिन की शुरुआत में, सेंसेक्स अपने पिछले बंद 74,764.23 से मामूली गिरावट के साथ 74,742.54 पर खुला। दिन के कारोबार में इसने 74,910.96 का उच्चतम स्तर भी छुआ। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,431.50 से 15 अंक उछलकर 23,446.60 पर खुला, जो बाजार में शुरुआती आशावाद को दर्शाता है। निफ्टी ने दिन के कारोबार में 23,494.95 का उच्चतम स्तर देखा।वहीं व्यापक बाजारों का प्रदर्शन हालांकि उतना मजबूत नहीं रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.38 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में भी 0.07 फीसदी की मामूली गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रवार प्रदर्शन की बात करें तो, निफ्टी मीडिया, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक ने बेहतर प्रदर्शन किया और बढ़त दर्ज की। इसके विपरीत, निफ्टी मेटल, निफ्टी फार्मा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी एफएमसीजी जैसे सेक्टरों में गिरावट का रुख रहा, जिससे पता चलता है कि यह उछाल कुछ खास क्षेत्रों तक ही सीमित रहा।प्रमुख निफ्टी 50 इंडेक्स के भीतर, एचसीएल टेक, हिंडाल्को और टाटा स्टील जैसे शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा, जो बाजार में कुछ बड़ी कंपनियों पर दबाव को दर्शाता है। वहीं, एचडीएफसी लाइफ, पावरग्रिड, ओएनजीसी, भारतीय एयरटेल और टेक महिंद्रा के शेयरों में निवेशकों ने सबसे अधिक खरीदारी की, जिससे इन कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए।

सेबी ने कृषि जिंस वायदा कारोबार के नियम सरल बनाए

अधिकतम सौदों की सीमा में संशोधन और उल्लंघन पर जुर्माने की ऊपरी सीमा तय

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कृषि जिंस वायदा कारोबार को सुगम बनाने के उद्देश्य से ग्राहकों के लिए सौदों की अधिकतम सीमा में संशोधन किया है। इसके साथ ही, नियामक ने नियमों के उल्लंघन पर लगने वाले जुर्माने की अधिकतम सीमा भी तय कर दी है। यह कदम बाजार में कारोबार को बढ़ावा देने और पुरानी बाजार परिस्थितियों के आधार पर तय की गई 2017 की सीमाओं की समीक्षा के बाद उठाया गया है। नए नियमों के तहत, व्यापक जिंसों के लिए ग्राहकों के स्तर पर सौदों की अधिकतम सीमा डिलिवरी योग्य आपूर्ति मात्रा का दो प्रतिशत होगी। वहीं, सीमित जिंसों के लिए यह एक प्रतिशत और संवेदनशील जिंसों के लिए 0.5 प्रतिशत निर्धारित की गई है। सेबी ने व्यापक जिंस की परिभाषा भी संशोधित की है, जिसके अनुसार अब वह जिंस जो संवेदनशील न हो और जिसकी औसत डिलिवरी योग्य आपूर्ति पिछले पांच वर्षों में कम से कम 10 लाख टन या 5,000 करोड़ रुपए मूल्य की रही हो, व्यापक मानी जाएगी। नियामक

ने नियमों के उल्लंघन पर लगने वाले जुर्माने की गणना के लिए भी स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं। अब यह जुर्माना उल्लंघन की अतिरिक्त सीमा और उल्लंघन जारी रहने के दिनों की संख्या के आधार पर तय होगा। हालांकि, इसकी अधिकतम सीमा तय कर दी गई है, जैसे दो प्रतिशत से अधिक के उल्लंघन पर अधिकतम दो लाख रुपये और दो प्रतिशत तक के उल्लंघन पर अधिकतम 10,000 रुपये का जुर्माना लगेगा। सदस्यों को अगले कारोबारी दिन तक अतिरिक्त सीमा को निर्धारित दायरे में लाना होगा, अन्यथा शेयर बाजार बिना सूचना के अतिरिक्त सौदे समाप्त कर सकता है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गरुवार को 51 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.59 पर बंद हुआ। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 25 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.33 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और डॉलर की लगातार मांग का निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.15 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद यह और टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.33 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 25 पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को 34 पैसे टूटकर 95.08 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ 98.72 पर रहा।

रेलवे का मेगा विस्तार- 9 राज्यों में 20,804 करोड़ की 8 मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी

दक्षिणी, पूर्वी और मध्य भारत में लगभग 1200 किलोमीटर नए ट्रैक जुड़ेंगे

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश के 9 राज्यों में फैली 8 महत्वपूर्ण रेल मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को हरी झंडी दे दी है। अनुमानित 20,804 करोड़ रुपये की लागत वाली इन परियोजनाओं का उद्देश्य भारतीय रेलवे के अत्यधिक व्यस्त नेटवर्क की क्षमता को बढ़ाना, कनेक्टिविटी में सुधार करना और माल ढुलाई को गति देना है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस ऐतिहासिक फैसले की घोषणा की। इन परियोजनाओं में विभिन्न राज्यों में तीसरी और चौथी लाइनें बिछाने के साथ-साथ दोहरीकरण का कार्य भी शामिल है। दक्षिणी भारत में तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के 17 जिलों में अराक्कोणम - रेनीगुंटा तीसरी और चौथी लाइन, बंगारपेट तीसरी और चौथी लाइन, होसुर - ओमालूर ट्रैक का दोहरीकरण, सेलम - करूर - डिंडिगुल दोहरीकरण और सिकंदराबाद (घाटकेसर) - काजीपेट मल्टी-ट्रैकिंग जैसी 5 परियोजनाएं भारतीय रेलवे नेटवर्क में लगभग 540 किलोमीटर का इजाफा करेंगी। इसी तरह, पूर्वी और पूर्वी मध्य इलाकों में पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों में खड़गपुर - झारसुगुड़ा (बागडेही) चौथी लाइन, कटनी - पेंड्रा रोड चौथी लाइन और बिलासपुर (उसलापुर) - पेंड्रा रोड तीसरी लाइन जैसी परियोजनाएं लगभग 656 किलोमीटर का अतिरिक्त ट्रैक जोड़ेंगी। कुल मिलाकर, ये पहल भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में 1200 किलोमीटर से अधिक की वृद्धि करेंगी। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार की योजना भीड़भाड़ वाले रेल नेटवर्क में कम से कम 4 लाइनें बनाने की है, और ये परियोजनाएं उसी दिशा में एक कदम हैं। इन परियोजनाओं से 9 राज्यों के लगभग 1 करोड़ लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, प्रमुख महानगरों में भीड़ कम होगी और 7.4 करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई की उम्मीद है, जिससे देश की आर्थिक गतिविधियों को और बढ़ावा मिलेगा।

त्योहारी सीजन से पहले स्मार्टफोन महंगे

- भारत में कीमतों में रिकॉर्ड 21 फीसदी की उछाल, बिक्री 45 फीसदी गिरी

नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन से ठीक पहले नया स्मार्टफोन खरीदने की सोच रहे उपभोक्ताओं को बड़ा झटका लगा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, साल 2026 में भारत में स्मार्टफोन की औसत खुदरा कीमतों में 21 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है, जो दुनिया के किसी भी बड़े बाजार में सबसे तेज उछाल है। वैश्विक स्तर पर औसत कीमतों में 15 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन भारत में यह आंकड़ा कहीं अधिक है, जिससे सीधे भारतीय ग्राहकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है। स्मार्टफोन की कीमतों में इस भारी वृद्धि के पीछे मुख्य कारण उसमें लगने वाली मेमोरी (डीआरएएम और एनएएनडी चिप) की बढ़ती लागत है। सितंबर 2025 के बाद से इन चिप्स की कीमतें लगभग चार गुना बढ़ चुकी हैं। दरअसल, दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर की भारी मांग के कारण सेमीकंडक्टर निर्माता अपनी उत्पादन क्षमता को एआई सर्वरों में उपयोग होने वाली हाई-बैंडविड्थ मेमोरी के निर्माण पर केंद्रित कर रहे हैं, जिससे स्मार्टफोन में लगने वाली पारंपरिक मेमोरी की आपूर्ति घट गई है। भारतीय बाजार का 51 फीसदी से अधिक हिस्सा 20,000 रुपये से कम कीमत वाले लो और मिड-रेंज फोनों का है। चूंकि बजट फोन में कंपनियों का मार्जिन न के बराबर होता है, इसलिए उत्पादन लागत का पूरा बोझ सीधे भारतीय ग्राहकों पर डाल दिया गया है। इसके विपरीत, पश्चिमी देशों में जहां प्रीमियम फोन अधिक बिकते हैं और कंपनियों के पास बेहतर मार्जिन होता है, वहां वे अतिरिक्त लागत का कुछ हिस्सा खुद वहन कर लेती हैं। इस मूल्य वृद्धि का सीधा असर बिक्री पर पड़ा है। जून तिमाही में 15,000 रुपये से कम कीमत वाले स्मार्टफोन की बिक्री में 45 फीसदी की भारी गिरावट आई है। कंपनियों ने कीमतें थामने के लिए कई फोनों के मेमोरी कॉन्फ़िगरेशन तक घटा दिए हैं, और 2026 में लॉन्च हुए नए मॉडल्स पिछले साल के मुकाबले 25 फीसदी तक महंगे हो चुके हैं।

मध्य प्रदेश में निवेश की बहार- दुबई से 53,000 करोड़ से अधिक के प्रस्ताव

ग्रीन हाइड्रोजन, एआइ, सौर ऊर्जा, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में बड़े समूह करेंगे निवेश

नई दिल्ली ।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की दुबई यात्रा राज्य के लिए बड़ी आर्थिक सफलता लेकर आई है। उनकी वैश्विक निवेशकों से हुई वन-टू-वन बैठकों के परिणामस्वरूप 53,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, एआई और डेटा सेंटर, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग जैसे भविष्य के क्षेत्रों पर विशेष जोर है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की हालिया दुबई यात्रा के दौरान विभिन्न वैश्विक निवेशकों और औद्योगिक समूहों के साथ हुई बैठकों से मध्य प्रदेश को 53,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन प्रस्तावों में ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, एआई और डेटा सेंटर, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, ई-मोबिलिटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक्स, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और रियल एस्टेट जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। इनमें सबसे बड़ा प्रस्ताव राणा होल्डिंग्स लिमिटेड की ओर से आया है, जिसमें करीब 35,200 करोड़ रुपये का निवेश संभावित है। इसमें 2,000 मेगावॉट का सौर ऊर्जा पोर्टफोलियो, 200 मेगावॉट का ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र, 50 मेगावॉट क्षमता का एआई एवं कंप्यूट डेटा सेंटर (जिसे 200 मेगावॉट तक विस्तारित किया जा सकेगा), 30,000 एमटीपीए क्षमता का क्रिटिकल मिनरल्स रिकवरी कॉम्प्लेक्स तथा एकीकृत स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग हब स्थापित करने की योजना है। इसी तरह एनआईडीआई सर्विसेज डीएमसीसी/एससीएनईएलएल के निवेशकों ने औद्योगिक स्तर के एआई कंप्यूट कैंपस और सॉवरेन एआई फैक्ट्री परियोजना में 18 हजार करोड़ रुपये के निवेश की योजना पेश की है, जिसे भविष्य में 100 मेगावॉट से अधिक तक बढ़ाया जा सकेगा। अन्य महत्वपूर्ण बैठकों में क्रेसेंट ग्रुप के साथ नवीकरणीय ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स; प्योर हेल्थ के साथ मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल और डिजिटल हेल्थ; शराफ ग्रुप के साथ मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और पर्यटन; चोइथराम समूह के साथ खाद्य प्रसंस्करण तथा डीपी वर्ल्ड के साथ पवारखेड़ा लॉजिस्टिक्स कॉम्पोजिट हब पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुबई में इन्वेस्ट इन मध्यप्रदेश- इंटरैक्टिव सेशन के दौरान निवेशकों को राज्य के अनुकूल औद्योगिक वातावरण का भरोसा दिलाया। उन्होंने बताया कि उद्योगों के विकास के लिए 2,700 से अधिक नियम और लगभग 900 कानूनों को समाप्त कर प्रक्रिया सरल की गई है।

एसआईपी में रिकॉर्ड उछाल, निवेशकों का दीर्घकालिक भरोसा बढ़ा

बाजार उतार-चढ़ाव के बावजूद वित्त वर्ष 26 में एसआईपी ने छुआ नया मुकाम

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में जारी उठा-पटक और एसआईपी खाते बंद होने की बढ़ती संख्या के बावजूद, वित्त वर्ष 2026 में शुद्ध एसआईपी (सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) निवेश ने रिकॉर्ड 2 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, यह आंकड़ा पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक है और भारतीय खुदरा निवेशकों के मजबूत दीर्घकालिक निवेश नजरिए को दर्शाता है। सेबी के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2026 में कुल 3.5 लाख करोड़ रुपये के सकल एसआईपी निवेश का 56 प्रतिशत हिस्सा शुद्ध निवेश रहा, जो वित्त वर्ष 2025 के 54 प्रतिशत से अधिक है। शुद्ध एसआईपी निवेश का अर्थ सकल निवेश में से एसआईपी खातों से निकाली गई राशि (निवेश निकासी) को घटाने के बाद बची रकम है। रिपोर्ट बताती है कि वित्त वर्ष 2026 में एसआईपी खातों से कुल 1.5 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई, जो वित्त वर्ष 2025 के 1.3 लाख करोड़ रुपये से 15 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, यह वृद्धि पिछले तीन सालों में सबसे धीमी रही। वित्त वर्ष 2024 में निकासी में 57 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025 में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। इससे भी महत्वपूर्ण, वित्त वर्ष 2026 में निकासी की वृद्धि दर सकल निवेश की 21 प्रतिशत वृद्धि से काफी कम थी। म्युचुअल फंड अधिकारियों का मानना है कि शुद्ध एसआईपी निवेश में यह बढ़ोतरी खुदरा निवेशकों में लंबी अवधि के लिए निवेश करने की सोच के लगातार बढ़ने का परिणाम है। यह रुझान बाजार की अस्थिरता के बावजूद निवेशकों के परिपक्व व्यवहार को रेखांकित करता है।

सार-समाचार

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेल सकते हैं वाशिंगटन व रेड्डी

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 सितंबर से टी20 सीरीज की शुरुआत होने जा रही है, जिससे पहले ऑफ-स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर नितिश कुमार रेड्डी को फिटनेस हासिल कर चुके हैं। ये दोनों खिलाड़ी गुरुवार को टीम के साथ जुड़ेंगे। एक सूत्र ने बुधवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'सुंदर और रेड्डी कुछ समय पहले ही पूरी तरह फिट हो गए थे। दोनों ने बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपने फिटनेस टेस्ट और मैच सिमुलेशन पास कर लिए हैं।' उल्लेखनीय है कि वाशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण सुंदर श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेल सके थे। वहीं, रेड्डी ने आखिरी बार जून में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में खेला था, जिसके बाद उनके बाएं क्वाड्रिसेप्स की चोट बढ़ गई और वे आयरलैंड, इंग्लैंड और श्रीलंका के दौरे पर नहीं जा पाए थे। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में फील्डिंग के दौरान घुटने में लगी चोट के कारण जसप्रीत बुमराह खेल से बाहर हैं। ऐसे में उनके तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल होने के बारे में अभी कोई पक्की खबर नहीं है। सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर हर्षित राणा की भागीदारी पर भी संशय बना हुआ है, जो हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं। अगर इन दोनों में से कोई भी राष्ट्रीय टीम के साथ नहीं जुड़ पाता, तो तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को आखिरी समय में टीम में शामिल किया जा सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के बाद भारतीय टीम एशियन गेम्स 2026 के लिए जापान रवाना होगी। टीम इंडिया 22 सितंबर को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर मेजबान जापान के खिलाफ टी20 मैच खेलेगी, जिसके बाद 28 सितंबर को कोरोजी स्पोर्ट्स पार्क में एशियन गेम्स में अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने का अभियान शुरू करेगी।

'वह जल्द ही अपनी बेस्ट फॉर्म में लौटेंगे'

इंटर के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद जोस मोरिन्हो ने किया विनीसियस का बचाव

नई दिल्ली। रियल मैड्रिड के स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर को लेकर रियल मैड्रिड के मैनेजर जोस मोरिन्हो ने भरोसा जताया है। मोरिन्हो का कहना है कि विनीसियस जल्द ही अपनी पुरानी फॉर्म में लौटेंगे। चैंपियंस लीग में इंटर के खिलाफ रियल मैड्रिड की 2-1 की जीत के दौरान कुछ घरेलू दर्शकों ने विनीसियस के खिलाफ हूटिंग की थी। हालांकि, मोरिन्हो का मानना है कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और जल्द ही अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से आलोचकों का जवाब देंगे। बुधवार को सैंटियागो बर्नबेउ में 87वें मिनट में विनीसियस को सब्स्टीट्यूट किया गया, जिससे कुछ समर्थक उनके प्रदर्शन से

नाराज दिखे। ब्राजील का यह खिलाड़ी इंटर के मजबूत डिफेंस के सामने कुछ खास प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहा। हालांकि, मोरिन्हो ने विंगर की आलोचना करने से इनकार किया और इसके बजाय टीम के लिए उनकी मेहनत की तारीफ की। मैच के बाद मोरिन्हो ने पत्रकारों से कहा, 'वह अपनी बेस्ट फॉर्म में नहीं हैं, और उन्हें यह पता है, लेकिन वह उस विनीसियस जैसा बनने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं जो मैच का नतीजा तय करते हैं। अपनी बेस्ट फॉर्म में न होने के बावजूद वह पहले से कहीं अधिक मेहनत कर रहे हैं।'

पुर्तगाली मैनेजर ने थकान को भी एक कारण बताया जिसकी वजह से विनीसियस मैच के आखिर में डिफेंस में अपना काम ठीक से नहीं कर पाए। उन्होंने कहा, 'जब वह पीछे आकर डिफेंस नहीं कर पाए, तो उसकी वजह थकान थी। मुझे इसकी बहुत कद्र है। मैं विनीसियस का बहुत सम्मान करता हूं। वह समय जरूर आएगा जब वह मैच का नतीजा तय करेंगे और हमें जीत दिलाएंगे।'

मोरिन्हो ने विनीसियस के प्रदर्शन की आलोचना का बचाव करते हुए इंटर की तकनीकी रणनीति के खिलाफ रियल मैड्रिड के अटैकर्स को हुई मुश्किलों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, 'अगर वह मेहनत करते हैं, तो उन्हें हमेशा मेरा समर्थन मिलेगा। उन्होंने टीम के लिए बहुत मेहनत की। ऐसी टीम के खिलाफ खेलना विंगर्स के लिए बहुत मुश्किल होता है जो पीछे तीन डिफेंडर और विंग-बैक का इस्तेमाल करती है।'

रियल मैड्रिड के बॉस का मानना ?

जूनियर विमेंस हॉकी एशिया कप: शान से सेमीफाइनल में पहुंचीं भारत की बेटियां

पाकिस्तान को 19-0 से रौंदा

मोकी (चीन)। भारतीय टीम ने विमेंस जूनियर हॉकी एशिया कप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को 19-0 से रौंद दिया है। इस जीत के साथ ही भारत ने सेमीफाइनल का टिकट भी हासिल कर लिया है। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने मैच की शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। टीम को पहला गोल करने में सिर्फ सात मिनट लगे, जब पूजा साहू ने गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। दो मिनट बाद रोशनी ऐंड ने भारत

की बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार अटैक किया, जिससे पाकिस्तान की टीम पर दबाव बढ़ता चला गया। अगले पांच मिनट में भारत ने चार और गोल दाग दिए। तनुश्री दिनेश काडू ने 11वें मिनट में, सुखवीर कौर ने 13वें मिनट में और सानिका चंद्रकांत माने ने भी 13वें मिनट में गोल किया।

मधु सिदार और गीता यादव ने भी गोल कर टीम की बढ़त और बढ़ा दी। वहीं, सानिका माने ने 23वें मिनट में अपना दूसरा गोल करके भारत की मजबूत स्थिति को और मजबूत कर दिया। भारत ने पहले हाफ में अपना दबदबा पूरी तरह बनाए रखा। तनुजा टोप्पो और पूजा मलिक ने गोल करके टीम की बढ़त को और मजबूत किया।

इसके बाद 33वें मिनट में पूर्णिमा यादव ने भी गोल दागा, जिससे भारत ने हाफ-टाइम तक 10-0 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे हाफ की शुरुआत के बाद भी भारतीय टीम ने आक्रामक खेल जारी रखा। 39वें मिनट में मधु सिदार ने एक और गोल किया और एक मिनट बाद सुप्रिया ने भी मैच का अपना पहला गोल दागा। इसके बाद पूजा मलिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 49वें और 51वें मिनट में लगातार दो गोल किए और अपनी हैट्रिक पूरी की। भारत ने पूरे मैच में पाकिस्तान को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

कृष्णा शर्मा और बिनिमा धन ने भी गोल किए, जिससे टीम की बढ़त लगातार बढ़ती गई। सुप्रिया ने 54वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा, जबकि रोशनी ने मैच के आखिरी मिनट में गोल करके अपना दूसरा गोल पूरा किया और भारत की शानदार जीत पर मुहर लगा दी। भारत की यह 19-0 की बड़ी जीत कोई हैरानी की बात नहीं थी, क्योंकि टीम ने ग्रुप चरण में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। भारत ने जापान, मलेशिया और साउथ कोरिया जैसी मजबूत टीमों को हराकर अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

अब भारतीय टीम सेमीफाइनल में साउथ कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से भिड़ेगी। मौजूदा चैंपियन भारत लगातार तीसरी बार जूनियर महिला एशिया कप का खिताब जीतने से सिर्फ दो जीत दूर है। टीम ने 2023 और 2024 में भी यह ट्रॉफी अपने नाम की थी।

जूनियर एशिया कप हॉकी

अनमोल एक्का के छह गोल की मदद से भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में पहुंची

मोकी। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने बुधवार को यहां अपने आखिरी पूल ए मैच में चीनी ताइपे को 15-0 से आसानी से हराकर एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत की तरफ से कप्तान कप्तान अनमोल एक्का ने छह गोल किए। एक्का ने सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से किए। एक्का के गोलों की वजह से हीं भारत ने बिना गोल वाले शुरुआती क्वार्टर को एकतरफा मुकाबले में बदल दिया। इस जीत से भारत तीन जीत और एक ड्रॉ से 10 पॉइंट्स के साथ पूल ए में टॉप पर पहुंच गया। मैच में भारत ने गेंद पर दबदबा बनाए रखा और शुरुआती 15 मिनट में कई मौके बनाए, लेकिन चीनी ताइपे के मजबूत डिफेंस को भेद नहीं पाया। आखिरकार 17वें मिनट में

सफलता मिली जब आर्यन जेस ने पहला गोल किया, और एक मिनट बाद प्रभदीप सिंह ने बढ़त दोगुनी कर दी। 22वें मिनट में गुरसेवक सिंह ने स्कोर 3-0 कर दिया, जिसके तीन मिनट बाद एक्का ने अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदला। अर्जुन संतोष हरगुडे ने 28वें मिनट में एक और गोल किया, और कुछ ही देर बाद एक्का ने फिर गोल किया, जिससे भारत हाफ-टाइम में 6-0 की बढ़त के साथ गया।

तीसरा क्वार्टर पूरी तरह से भारत के नाम रहा। एक्का ने अपनी हैट्रिक पूरी करने के लिए दो शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदले और फिर एक और गोल करके अपनी संख्या चार कर ली। अजीत यादव ने भी 35वें मिनट में गोल किया, जिसके बाद एक्का ने 45वें मिनट में फिर से गोल करके अपना स्कोर पांच कर दिया और भारत को डबल फिगर में पहुंचा दिया।

आखिरी क्वार्टर में हरपाल ने 48वें मिनट में गोल किया, जिसके तीन मिनट बाद एक्का ने एक और सफल पेनल्टी कॉर्नर के साथ अपना शानदार छह गोल का आंकड़ा पूरा किया। हरपाल ने इसके तुरंत बाद अपना दूसरा गोल किया, जबकि आर्यन जेस ने मैच का अपना दूसरा गोल करके भारत को 15-0 से जीत दिलाई।

एशियन गेम्स 2026

जेमिमा की जगह प्रतिका हुई भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में टॉप-ऑर्डर की बल्लेबाज प्रतिका रावल को चोटिल जेमिमा रोड्रिग्स की जगह शामिल किया गया है। जेमिमा, जो भारत के मिडिल ऑर्डर की अहम खिलाड़ी हैं अभी भी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रही हैं। उन्हें यह चोट पिछले महीने की शुरुआत में 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट में 'सदर्न ब्रेव' के लिए खेलते हुए लगी थी। इस चोट के कारण जेमिमा दुबई में चल रहे महिला एशिया कप 2026 से भी बाहर हो गई थीं। जब एशिया कप टीम में जेमिमा की जगह प्रतिका को शामिल करने की घोषणा की गई थी, तब उसके बाद होने वाले एशियन गेम्स के लिए उनकी जगह लेने वाली खिलाड़ी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने बुधवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'प्रतिका एशियन गेम्स 2026 में जेमिमा रोड्रिग्स की जगह जापान जाएंगी। एशियन गेम्स के लिए सौंपी गई 15 सदस्यीय टीम में उनका नाम शामिल है।'

प्रतिका ने दुबई में चल रहे एशिया कप में अपना टी20 इंटरनेशल डेब्यू किया और भारतीय टीम मैनेजमेंट ने उन्हें नंबर तीन पोजीशन पर खेलने के लिए चुना। टूर्नामेंट के लीग स्टेज में प्रतिका ने 22, 10 और 4 रन बनाए हैं। एशिया कप के लिए भारतीय टी20 इंटरनेशनल टीम में उन्हें अचानक तब बुलाया गया जब वह इंग्लैंड में 'वन डे कप' में 'वार्विकशायर' के लिए खेलने की तैयारी कर रही थीं। हाल ही में टी20 इंटरनेशनल डेब्यू करने से पहले प्रतिका ने नवंबर 2024 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी टी20 मैच नहीं खेला था, महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान उनके टखने में चोट लग गई थी। इस चोट की वजह से उन्हें लंबे समय तक मैदान से बाहर रहना पड़ा और वह काफी समय तक क्रिकेट नहीं खेल सकीं।

उस चोट के कारण प्रतिका महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का 2026 एडिशन भी नहीं खेल पाईं। उन्हें पिछले साल नई दिल्ली में हुए प्लेयर ऑक्शन में यूपी वॉरियर्स ने 50 लाख रुपये में खरीदा था। भारतीय टीम मैनेजमेंट को उम्मीद होगी कि रावल मिडिल ऑर्डर में जल्द ही अपनी लय हासिल कर लेंगी, क्योंकि गुरुवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला बांग्लादेश से होना है। एशियन गेम्स 2026 में महिला क्रिकेट प्रतियोगिता 17 से 22 सितंबर तक होगी।

एशियन गेम्स के लिए भारत की टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, प्रतिका रावल, भारती फुलमाली, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कामलिनी (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, राधा यादव, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह, एन. श्री चरणी और नंदिनी शर्मा।

वनडे रिकॉर्ड: डेब्यू मैच में हरमन ने जड़े 150 रन

हमवतन खिलाड़ी के 'वर्ल्ड रिकॉर्ड' की बराबरी

विंडहोक। साउथ अफ्रीका के 24 वर्षीय बल्लेबाज जॉर्डन हरमन वनडे डेब्यू मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने के मामले में संयुक्त रूप से 'नंबर-1' बन गए हैं। बाएं हाथ के सलामी

बल्लेबाज ने बुधवार को नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर नामीबिया के खिलाफ 126 गेंदों में 3 छक्कों और 17 चौकों के साथ 150 रन जड़े। इसी के साथ हरमन ने हमवतन मैथ्यू ब्रीत्जके के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है, जिन्होंने 10 फरवरी 2025 को न्यूजीलैंड के विरुद्ध वनडे फॉर्मेट में डेब्यू करते हुए 148 गेंदों में 16 बाउंड्री के साथ 150 रन की पारी खेली थी। पुरुषों की इस लिस्ट में वेस्टइंडीज के डेसमंड हेन्स (148 बनाम ऑस्ट्रेलिया) तीसरे और अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज (127 बनाम आयरलैंड) चौथे स्थान पर हैं। भारत की तरफ से केएल राहुल डेब्यू वनडे मैच में शतक लगाने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 348 रन बनाए। साउथ अफ्रीका ने महज 27 के स्कोर पर कॉनर एस्टरहुइजेन (10) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद हरमन ने टोनी डी जोरजी के साथ दूसरे विकेट के लिए 166 गेंदों में 190 रन जोड़कर टीम को दोहरे शतक के पार पहुंचा दिया।

जोरजी 84 गेंदों में 8 बाउंड्री के साथ 72 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद हरमन ने देवाल्ड ब्रेविस (33) के साथ तीसरे विकेट के लिए 58 रन जुटाए। टीम को हरमन के रूप में 275 के स्कोर पर तीसरा झटका लगा, जिसके बाद 292 रन तक 5 विकेट गिर गए।

इसके बाद कॉर्बिन बॉश (नाबाद 39) ने जेसन स्मिथ (15) के साथ छठे विकेट के लिए 32 गेंदों में 41 रन जुटाकर टीम को तिहरे शतक के पार पहुंचाया। नामीबिया की तरफ से रूबेन ट्रम्पेलमैन ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले, जबकि जेजे स्मिट और गेरहार्ड इरास्मस को 1-1 विकेट हाथ लगा।

दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज के तीन मुकाबले 9, 11 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे। साउथ अफ्रीका सीरीज का पहला मैच जीतकर बढ़त हासिल करना चाहेगा।

35 महीने से वनडे क्रिकेट की 'बेताज बादशाह' टीम इंडिया, टी20 में भी हुकूमत कायम

नई दिल्ली। वनडे क्रिकेट में भारत का वर्चस्व लगातार कायम है। 50 ओवर के फॉर्मेट में पिछले 35 महीनों से दुनिया की बड़ी से बड़ी टीम भी भारत से नंबर एक का ताज नहीं छिन सकी है। सिर्फ वनडे ही नहीं, बल्कि क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट यानी टी20 में भी भारत का दबदबा लगातार बना हुआ है। वनडे क्रिकेट में भारतरीय टीम की बादशाहत सितंबर 2023 से कायम है। भारत ने पाकिस्तान से नंबर एक की कुर्सी छीनी थी और उसके बाद से किसी भी टीम को इस पोजीशन के आसपास तक नहीं भटकने दिया है। भारतीय टीम के अभी कुल 116 रेटिंग प्वाइंट्स हैं। भारत के बाद फिलहाल आईसीसी की ताजा रैंकिंग में न्यूजीलैंड दूसरे नंबर पर है, जिसके कुल रेटिंग प्वाइंट 109 हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 102 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर काबिज है। 2023 से लेकर अब तक 50 ओवर के फॉर्मेट में भारतीय टीम का प्रदर्शन लाजवाब रहा है। 2023 में टीम इंडिया ने कुल 35 वनडे मैच खेले और इस दौरान 27 मुकाबलों में जीत हासिल की, जबकि महज 7 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा। साल 2024 में भारतीय टीम ने सिर्फ 3 ही वनडे मुकाबले खेले। इस दौरान टीम को 2 मैचों में हार का सामना करना पड़ा, तो एक मुकाबला टाई रहा।

टीम इंडिया के लिए साल 2025 वनडे फॉर्मेट में बेमिसाल रहा। साल की शुरुआत में ही भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब पर कब्जा जमाते हुए अपनी बादशाहत साबित की। 2025 में भारत ने कुल मिलाकर 14 वनडे मुकाबले खेले और टीम को 11 में जीत नसीब हुई। वहीं, सिर्फ 3 ही मैचों में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। भारत का जीत प्रतिशत 78.57 का रहा। साल के आखिरी में बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के हाथों से वनडे टीम की कमान लेकर शुभमन गिल के हाथों में सौंपी। गिल की कप्तानी में भले ही टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया की धरती पर वनडे सीरीज में हार मिली, पर टीम का प्रदर्शन बेहद सराहनीय रहा।

साल 2026 में भारत ने अभी तक कुल 9 वनडे मैच खेले हैं और इस दौरान टीम को 5 में जीत, जबकि 4 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। इस दौरान भारत को इंग्लैंड की सरजमीं पर वनडे सीरीज गंवानी पड़ी। हालांकि, नए-नवेले कप्तान गिल की अगुवाई में भारत ने इस फॉर्मेट में हर बड़ी टीम को कड़ी टक्कर जरूर दी है।

टी20 में भी भारत का दबदबा लगातार कायम रखा है। भारतीय टीम फरवरी 2022 से क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में जुलाई 2026 तक नंबर वन रही। इसके बाद इंग्लैंड के हाथों पांच मैचों की टी20 सीरीज 0-4 से गंवाने के बाद टीम की 1600 दिनों से चली आ रही बादशाहत कुछ दिनों के लिए इंग्लिश टीम ने खत्म की। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 में बड़ी जीत के साथ ही भारत ने एक बार फिर टी20 के किंग का ताज पहन लिया।

टी20 फॉर्मेट में नंबर वन रहते हुए भारत ने लगातार दो बार टी20 विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया। 2024 में रोहित शर्मा ने अपनी कप्तानी में टीम को चैंपियन बनाया, तो 2026 में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में टीम इंडिया वर्ल्ड चैंपियन बनी। भारत पहला ऐसा देश बना, जिसने सफलतापूर्वक अपने खिताब का बचाव किया और अपने ही घर में टी20 वर्ल्ड कप जीता।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंग। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 4005

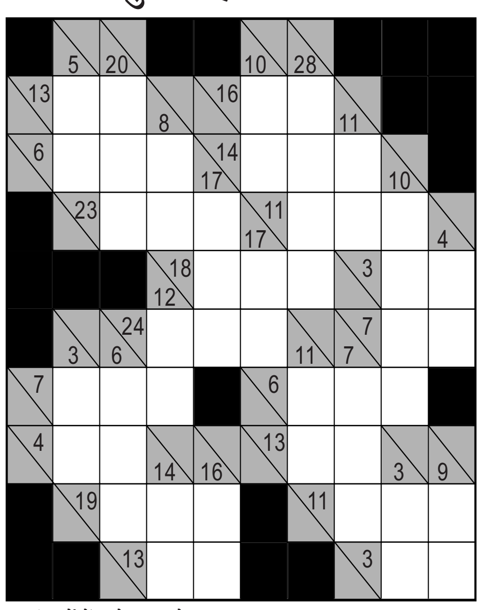

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः: 16/23 — 1 2 3 4 6; 6 8 9
5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 4004 का हल

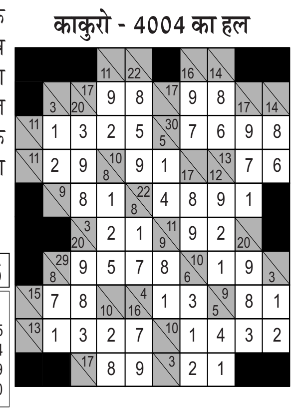

हंसी के फूव्वारें

पूजा में पण्डितजी ने बच्चों को लड्डू दिया और कहा-इसे हवन कुण्ड में डालों और कहो स्वाहा. बच्चों ने लड्डू मुंह में डाल लिया और कहा - आहा.

एक लड़का पार्क में साइकिल चला रहा था . उसकी मां बड़े गर्व से उसे देख रही थी. पहले चक्कर में मां के पास आने पर लड़के ने कहा, 'देखिये मम्मी, हाथों के बिना.' दूसरे चक्कर में बोला, 'देखिये मम्मी, पैरों के बिना.' तीसरे चक्कर में वह चिल्लाया, 'देखिये मम्मी, दांतों के बिना.'

एक खूबसूरत लड़की बस स्टॉप पर खड़ी था, एक नौजवान बोला-चांद तो रात को निकलता है, आज दिन में कैसे निकल आया? लड़की बड़ी हाजिरजवाब थी. बोली- अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा है ?

मास्टरजी: (व्याकरण पढ़ाते हुए) एक ऐसा वाक्य बताओ जिसमें वर्तमानकाल, भूतकाल और भविष्यकाल तीनों आ जायें.
छात्र: सौ साल पहले मुझे तुमसे प्यार था, आज भी है, और कल भी रहेगा.

जज: (चोर से) तुम्हें बार-बार कचहरी में आते लज्जा नहीं आती ?
चोर: हुजूर मैं तो साल में एक बार ही आता हूँ मगर आप तो रोज ही आते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 4005

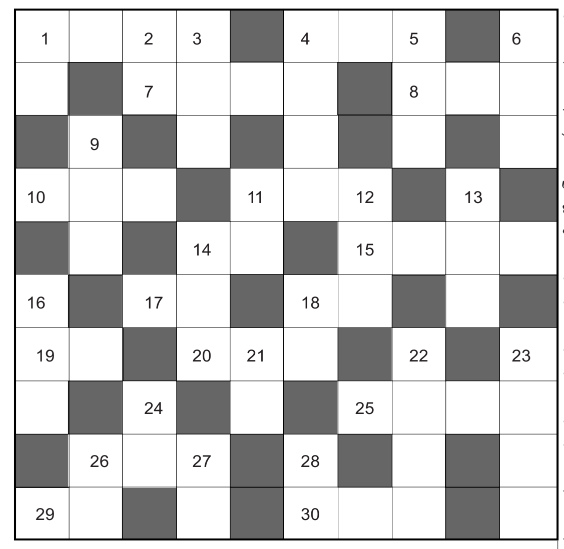

बायें से दायें:-

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
८. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोमी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'मेरे खयालों की मलिका' गीत वाली शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-२
१९. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. 'ये दपनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. नसीरूद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-२
२. करणनाथ, मनीषा नतान्यासिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-३
९. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-३
१८. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-४
२३. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२६. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4004

दी	वा	ने		फू	ल	औ	र	कां	टे
वा		हा	सि	ल		जा		टे	
र	न		फ़		शे	र	नी		झु
	सी		तु	म			य	ती	म
श	ब	न	म		स	पू	त		रू
त		र्गि		जू		र्णि		तू	
र		स	हे	ली		मा	ई	ल	व
ज	या		ग		ज		मा		र
	ग	ज	म	ह	ल		न		दा
ली	ना			म	वा	ली		डॉ	न

सूडोकु -4005

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4004 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 4005

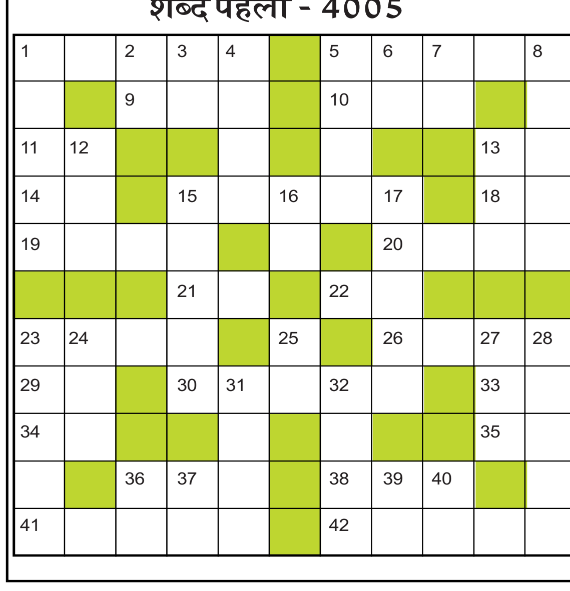

बाएँ से दाएँ
1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे
1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली -4004 का हल

सा	ल		ब	ला		य	म		श	र
या		क	ल		जो	श		जा	य	ज
	कै	द		श	र		का	न	न	
न	दी		खे	मा		का	त	ना		जा
म		जा	ल		का	य	र		ता	ल
	मा	न		र	म	ल		का	ला	
का	या		बी	न	ना		रा	म		सी
र		क	ह	र		शो	र		बा	धा
	की	च	ड़		सा	ला		री	त	
क	म	रा		ख	र		सी	ता		द
म	त		जी	त		मा	मा		दा	म

जानकारी

कान दर्द से बचने के घरेलू नुस्खे

कान दर्द के घरेलू उपाय

कान में होने वाला दर्द बहुत असहनीय होता है। इसके पीछे कई कारण होते हैं जैसे कान पर चोट लग जाना या किसी प्रकार की समस्या आदि। इनसे बचने के लिए घर पर ही कई ऐसी चीजें मौजूद होती हैं जो कान दर्द से निजात

दिलाती हैं। आइए जानें कान दर्द के घरेलू नुस्खों के बारे में

मेथी
पांच ग्राम मेथी के बीज एक बड़ा चम्मच तिल के तेल में गरम करें। इसे छानकर शीशी में भर लें। हर रोज सुबह-शाम दो बूंद इसे कान में डालें। इसे कान पीप का उम्दा इलाज माना गया है।

यूकेलीप्टस का तेल
एक कटोरे में उबाला हुआ पानी लें,इसमें यूकेलीप्टस के तेल की कुछ बूंदें और एक चम्मच विक्स मिला दें अब एक तौलिए से अपने सिर को अच्छी तरह से ढक लें और नाक से सांस के माध्यम से वाष्प को जितना हो सके अंदर खींचें,यह अंदर के दबाव को कम कर कर्णस्राव को बाहर निकालने में मदद करता है।

नमक से सिंकाई
चार या पांच चम्मच नमक को सौसपेन में तबतक धीमी आंच पर भुनें जब तक की यह भूरे रंग का न हो जाए ,अब इस गर्म किए हुए भुने नमक को एक साफ कपड़े पर अच्छी तरह से लपेट लें और इसे कान के प्रभावित हिस्से में दो से पांच मिनट तक रखें , आप सूजन और दर्द में आराम महसूस करेंगे।

विटामिन सी का सेवन
अपने भोजन में अधिक से अधिक विटामिन-सी युक्त पदार्थों जैसे अमरूद ,नींबू ,संतरे ,पपीते अदि फलों का प्रयोग करें ये कान में होने वाले दर्द को कम करने में उपयोगी होते हैं।

सिरका
सफेद सिरके (वेनेगर) एवं रबिंग एल्कोहल के मिश्रण को दो बूंद ड्रॉपर की मदद कान में डालकर कान को कुछ समय(लगभग एक घंटे) तक रूई से बंद कर देने और इसी क्रम को बार-बार दुहराने से संक्रमण ठीक होता है।

अदरक
कान में दर्द की समस्या को नजरअंदाज करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। अगर कान में दर्द हो रहा है तो अदरक का रस निकालकर दो बूंद कान में टपका देने से भी दर्द और सूजन में काफी आराम मिलता है।

लहसुन
लहसुन की दो कलियों को अच्छी तरह से पीस लें अब इसमें एक चुटकी नमक मिलाकर ऊनी कपड़े से बनाई गई पुल्टीस को दर्द वाले हिस्से के ऊपर रखें ,इससे दर्द में आराम मिलेगा।

प्याज का रस
प्याज का रस निकाल लें,अब रुई के फाये या किसी वूलेन कपड़े के टुकड़े को इस रस में डुबाएं। अब इसे कान के ऊपर निचोड़ दें ,इससे कान में उत्पन्न सूजन,दर्द ,लालिमा एवं संक्रमण को कम करने में मदद मिलती है।

सरसों का तेल
दो या तीन बूँद सरसों का तेल संक्रमण युक्त कर्णवेदना में लाभ देता है। एक साफ सुथरे तौलिये को गर्म पानी में डुबाएं और इसे संक्रमण युक्त कान के हिस्से के ऊपर दबाते हुए लगभग 20 मिनट तक रखें यह कर्णवेदना से तुरंत आराम देता है।

तुलसी की पत्तियां
तुलसी के पत्तों का रस गुनगुना कर दो-दो बूंद सुबह-शाम डालने से कान के दर्द में राहत मिलती है। अगर अक्सर कान में दर्द होता है तो यह नुस्खा बहुत ही असरकारी साबित हो सकता है आपके लिए। तुलसी के पत्तों में औषधीय गुण होते हैं जो दर्द में आराम दिलाते हैं।

योग से दूर करें थायराइड

थायराइड की समस्या थॉयरॉक्सिन हार्मोन के असंतुलन के कारण होती है। इस हार्मोन की वजह से पूरे शरीर की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है, जिसमें ऊर्जा में कमी, चिड़चिड़ापन, वजन असंतुलन, रक्तचाप आदि लक्षण शामिल हैं। योग से शारीरिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक कायाकल्प प्राचीन पद्धति का तरीका है। योग के विभिन्न आसन थायराइड पर नियंत्रण पाने के लिए सहायक सिद्ध हो सकते हैं। इसके लिए आपको नियमित योगाभ्यास की जरूरत होती है। आइए जानें कौन-कौन से आसन करके थायराइड के रोग को योग द्वारा भगाया जा सकता है।

विपरीत करणी आसन
सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं फिर अपने दोनों हाथों और दोनों पैर आपस में जोड़ें। अब दोनों पैरों को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं। पहले 30 डिग्री, फिर 60 डिग्री और 90 डिग्री तक आकर पैरों को रोक लें। अब दोनों हाथों को नितंबों पर रखकर पैरों को ऊपर उठाएं और दोनों कुहनियों को जमीन पर ही रखें। अब पैरों को सीधा रखें और हथेलियों के सहारे कमर को ऊपर उठाने का प्रयास करें। इसके बाद धीरे-धीरे वापस हाथों के सहारे कमर को नीचे लाएं। फिर पैरों को 90 डिग्री के कोण पर लाएं और इस स्थिति में थोड़ी देर रूकें। **यह योग उन लोगों को नहीं करनी चाहिए जिन्हें हाई ब्लडप्रेशर या हर्ट से संबंधित, स्पोंडलाइटिस और स्लिप-डिस्क की शिकायत है।**

मत्स्यासन व हलासन
मत्स्यासन में पीठ के बल सीधा जमीन पर लेट जाएं फिर अपने पैरों को आपस में जोड़ लें। अब दोनों हाथों को गर्दन की पास रखें और हथेलियों का सहारा लेते हुए गर्दन को उठाने का प्रयास करें। अब दोनों हाथों को जांघ पर रखें। वापस आते समय दोनों हथेलियों के सहारे गर्दन को दोबारा उसी स्थिति में वापस ले आएं। हलासन में पीठ के बल लेट कर अपने पैरों को मिला लें। अब धीरे-धीरे दोनों पैरों को एक साथ ऊपर उठाएं और पैरों को 30, 60 और 90 डिग्री के कोण पर लाकर रोकें। अब दोनों हाथों पर जोर देकर पैरों को सिर की ओर थोड़ा सा झुकाएं। जब पैर जमीन को स्पर्श करने लगे, तो दोनों हथेलियों को क्रॉस करके बांधे और सिर पर रखें।

ब्रह्ममुद्रा व नाड़ीशोधन प्राणायाम
ब्रह्ममुद्रा आसन के लिए वज्रासन में या अपनी कमर सीधी करके बैठें और गर्दन को 10-15 बार ऊपर-नीचे, और फिर दाएं-बाएं करें। और इतनी ही बार क्लॉक वाइज और एंटी क्लॉक वाइज घुमाएं। नाड़ीशोधन प्राणायाम में कमर और गर्दन सीधी करके बैठें और फिर एक नाक से धीरे-धीरे लंबी और गहरी सांस लेकर दूसरे नाक से निकालें। यही क्रिया फिर दूसरी नाक से भी करें। इस कम से कम 10 बार दुहराएं।

उष्ट्रासन व धनुरासन
घुटनों पर खड़े हो जाएं। फिर पीठ को पीछे की ओर झुकाते हुए दोनों हाथों से एड़ियों को पकड़कर गर्दन पीछे की ओर झुकाएं और पेट को आगे की तरफ उठाएं। चूंकि इस आसन में शरीर ऊंट की आकृति जैसा हो जाता है। इसलिए इसे उष्ट्रासन कहा जाता है। इस स्थिति में 10-15 बार सांस धीरे-धीरे लें और छोड़ें। धनुरासन में पेट के बल लेटकर दोनों टखनों को पकड़ लें। (इस आसन में शरीर धनुष के सामान हो जाता है।) फिर गर्दन, सिर, छाती और घुटनों को ऊपर उठाकर 10-15 बार धीरे-धीरे लंबी और गहरी सांस लें और छोड़ें।

(यह सब आसन थायराइड को दूर करने के लिए है पर आप इस बात का ध्यान रखें कि इन आसनों को किसी योग विशेषज्ञ की देखरेख में ही करें।)

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

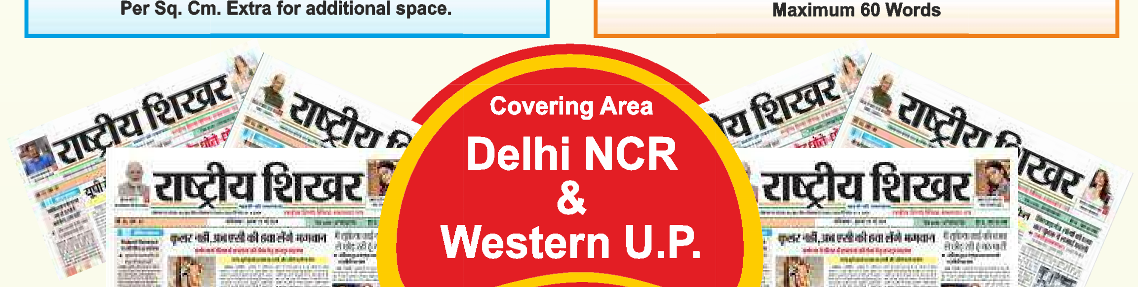

Covering Area
Delhi NCR & Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं

'खतरों के खिलाड़ी 15' की शूटिंग के दौरान ओरी और गौरव खन्ना ने साउथ अफ्रीका में करीब एक महीना साथ बिताया। दोनों ने एक ही वैनिटी भी शेयर की और घंटों बातचीत की। यही वजह है कि गौरव और आकांक्षा चमोला के विवाद में ओरी खुलकर गौरव के बचाव में उतरे। अब उन्होंने बताया है कि आकांक्षा की कौन सी बात उन्हें इतनी खली कि वह सोशल मीडिया पर कमेंट करने से खुद को रोक नहीं पाए।

मुझे लगा गौरव के नाम का इस्तेमाल हो रहा है मैंने गौरव के वीडियो के कमेंट सेक्शन में लिखा था। मैं अपने दोस्तों को लेकर बहुत प्रोटेक्टिव हूं। अगर कोई मेरा दोस्त है और मुझे लगता है कि उसके साथ कुछ गलत हो रहा है, तो मैं चुप नहीं रहूंगा। मुझे लगा कि गौरव का नाम इस्तेमाल करके खुद को आगे बढ़ाया जा रहा है और शो को फायदा पहुंचाया जा रहा है।

फिर खुद को सेल्फ मेड कैसे कह सकती हैं

आप किसी शो पर जाते हो, अपने पति को अंडर द बस फेंक देते हो और फिर खुद को सेल्फ मेड कहते हो। मुझे यह बात समझ नहीं आई। अगर आप करीब 10 साल से किसी इंसान के साथ पति-पत्नी के रिश्ते में रहे हो, तो फिर नेशनल टेलीविजन पर उसके बारे में इतना बुरा कैसे बोल सकते हो? और उसके बाद खुद को सेल्फ मेड वुमन कैसे कह सकते हो? गौरव का काम और उसका फेम भी आपकी जिंदगी में मददगार रहा है। तो फिर आप यह कैसे कह सकते हो कि सब कुछ सिर्फ आपका अपना है? मैं किसी की मेहनत कम नहीं कर रहा, लेकिन इतने साल साथ रहने के बाद एक-दूसरे की जिंदगी पर असर तो पड़ता ही है।'

मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं

मैं गौरव को जानता हूं। हमने करीब एक महीने तक एक ही वैनिटी शेयर की है। हम घंटों बात करते थे। इसलिए मैं उसके बारे में सिर्फ सोशल मीडिया देखकर बात नहीं कर रहा हूं। मैंने उसके साथ वक्त बिताया है और जानता हूं कि वह कैसा इंसान है। मेरे लिए गौरव एक अच्छा इंसान है। इसलिए जब मुझे लगा कि उसके साथ गलत हो रहा है, तो मैंने अपनी बात रखी। मैं दोस्ती को लेकर बहुत सीधा हूं। अगर मैं किसी का दोस्त हूं, तो उसके दुश्मन का सबसे बड़ा दुश्मन हूं। मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं।

एक अच्छे इंसान को अंडर द बस फेंक दिया

बाद में जब मुझे पूरा मामला समझ आया, तो मुझे लगा कि यह बहुत गलत है। मुझे लगा कि एक अच्छे इंसान का नाम खराब किया जा रहा है और उसके नाम का इस्तेमाल शो को आगे बढ़ाने के लिए किया गया। ऐसा नहीं है कि उनके जरिए कोई बहुत बड़ी सुपरस्टार बन गईं। लेकिन मुझे लगा कि उनके नाम से फायदा लिया गया और फिर उसी इंसान को अंडर द बस फेंक दिया गया। मेरी परेशानी यही है। अपनी कहानी बताओ, अपनी जिंदगी के बारे में बात करो, लेकिन किसी ऐसे इंसान का नाम लेकर उसे नीचे मत गिराओ जिसे मैं खुद जानता हूं और जिसे मैं अच्छा इंसान मानता हूं।

गौरव-आकांक्षा विवाद में क्या हुआ?

दरअसल, गौरव खन्ना और आकांक्षा चमोला की शादी को करीब 10 साल हो चुके हैं। 'लॉक अप 2' में आकांक्षा ने पहली बार खुलकर बताया था कि दोनों करीब एक साल से अलग रह रहे हैं..तलाक लेने वाले हैं। इसके बाद गौरव ने भी इस बारे में बात की और कहा कि उनके मन में आकांक्षा के लिए प्यार और सम्मान आज भी है। हालांकि, शो में गौरव को लेकर आकांक्षा की कुछ बातों पर विवाद हुआ। खासकर उनके उस बयान की काफी चर्चा हुई, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह गौरव की जगह अपने माता-पिता या अपने पालतू कुत्ते को शो में देखना पसंद करतीं।

फिल्म 'दायरा' नहीं करना चाहते थे पृथ्वीराज सुकुमारन

फिल्म 'दायरा' इन दिनों काफी चर्चा में है। फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन और करीना कपूर अहम किरदारों में है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मीडिया से बात करते हुए पृथ्वीराज सुकुमारन ने बताया कि शुरुआत में वह यह फिल्म रिजेक्ट करने वाले थे।

क्यों फिल्म ठुकराना चाहते थे एक्टर?

पृथ्वीराज सुकुमारन ने फिल्म 'दायरा' के बारे में बात करते हुए कहा, 'दायरा के लिए मुझे मीटिंग का बुलावा ऐसे समय आया जब मैंने एसएस राजामौली के साथ साउथ सिनेमा की एक बहुत बड़ी फिल्म के लिए हां कर दिया था। मुझे पता था कि आने वाले महीनों में मेरे पास मलयालम फिल्मों और उस समय शूट हो रही 'वाराणसी' के अलावा कुछ और करने का समय नहीं होगा। लेकिन जब मेघना गुलजार ने मीटिंग के लिए कहा, तो मुझे लगता है कि इस देश का कोई भी अभिनेता उनसे जरूर मिलना चाहेगा।'

फिल्म के लिए कैसे राजी हुए पृथ्वीराज

अपनी बातचीत में पृथ्वीराज सुकुमारन ने बताया कि मेघना गुलजार को मना करने का मन बनाने के बाद भी उन्होंने कैसे और क्यों अंत में फिल्म को लेकर हां कह दिया। एक्टर ने बताया, 'मैंने मेघना से कहा कि मुझे उनसे मिलकर बहुत खुशी होगी और मैं खुद को इस बात के लिए तैयार कर रह था। सोचा की बहुत विनम्रता से उनकी बात सुनूंगा और फिर अपनी बात कहूंगा। उनसे बोलूंगा कि माफ कीजिए, यह संभव नहीं है क्योंकि मेरे पास समय नहीं है।' पृथ्वीराज ने आगे बताया, 'हमारी मुलाकात हुई और उन्होंने फिल्म की कहानी सुनाई। फिर मैंने सोचा मैं मना नहीं कर सकता। मैंने पूछा कि अजूनी का किरदार कौन निभा रहा है? फिर मेघना ने कहा कि वह करीना को लेना चाहती हैं और अंत में मैंने फिल्म के लिए हां कह दिया।'

ब्रेकअप की अफवाहों पर बोलीं जैस्मिन भसीन

अभिनेत्री जैस्मिन भसीन और अली गोनी लंबे वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों की जोड़ी काफी पसंद की जाती है। इस बीच अचानक इनके ब्रेकअप के कयास लगने लगे। दरअसल, जैस्मिन के एक 'आई एम इनफ' टैटू वाली पोस्ट के बाद ऐसी अफवाहों ने जोर पकड़ा। ब्रेकअप की खबरों पर अब जैस्मिन ने रिएक्शन दिया है।

अभिनेत्री जैस्मिन ने ब्रेकअप की रूमर्स पर लोगों को आड़े हाथों लिया है। साथ ही जिस पोस्ट की वजह से ऐसी खबरों ने जोर पकड़ा, उस पर भी सफाई दी है। जैस्मिन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने लिखा है, 'मेरी जिंदगी में जो कुछ भी है, वह हर चीज मेरे रिलेशनशिप को लेकर कोई क्रिप्टिक मैसेज नहीं होता है। कई बार एक महिला सिर्फ यूं ही अपने बारे में बात कर रही होती है'। जैस्मिन ने आगे कहा, 'हैरानी की बात है कि कई बार चीजों को कैसे घुमा-फिरा दिया जाता है और कपल की तस्वीरों का इस्तेमाल ऐसे करते हैं, ताकि ज्यादा लोग उन्हें देखें। चिल करो गाइज'।

कैसे शुरू हुई चर्चा?

जैस्मिन ने हाल ही में अपना पहला टैटू बनवाने के बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था। इसी से अफवाहों ने जोर पकड़ा। इस टैटू पर लिखा था, 'आई एम इनफ' (मैं अपने आप में काफी हूं)। इस पोस्ट को अभिनेत्री ने बाद में डिलीट कर दिया। इसी के साथ उन्होंने अपनी जिंदगी के एक ऐसे दौर के बारे में बात की, जब उन्होंने प्यार और अपनाए जाने का एहसास पाने के लिए खुद को बदलने की कोशिश की थी। जब अली के साथ ब्रेकअप की रूमर्स फैलने लगीं तो जैस्मिन ने एक और पोस्ट शेयर कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे दी है।

बता दें कि जैस्मिन और अली की पहली मुलाकात साल 2018 में रोहित शेट्टी के रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 9' की शूटिंग के दौरान हुई थी। अर्जेंटीना में साथ रहने के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और बाद में उनकी दोस्ती गहरी हो गई। उनका रिश्ता 2020 में तब सबके सामने आया जब अली 'बिग बॉस 14' के घर में वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर आए, जबकि जैस्मिन पहले से ही शो का हिस्सा थीं। शो में रहने के दौरान अली ने जैस्मिन के लिए अपनी फीलिंग्स के बारे में खुलकर बात की। तभी से दोनों साथ हैं।

संदीपा धर ने शुरू की असुर 3 की शूटिंग

वेब सीरीज 'असुर सीजन 3' की से जुड़ी एक खास जानकारी सामने आई है। हाल ही में एक्ट्रेस संदीपा धर ने फैंस के साथ इस खबर को फोटोज के जरिए शेयर किया। 'असुर' फ्रेंचाइजी के इस तीसरे सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। एक्ट्रेस संदीपा धर ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कीं। इनमें वह वेबसीरीज में दिखीं। इनसे फैंस को 'असुर सीजन 3' के बारे में जानकारी मिली। संदीप धर की शेयर की गई तस्वीरों के साथ कैप्शन भी लिखा। उन्होंने लिखा, 'यह जबरदस्त होने वाला है, 'नई शुरुआत' और 'तूफान से पहले की शांति।' इससे यह अंदाता लगाया जा सकता है कि यह सीजन दमदार होने वाला है। हालांकि सीरीज में संदीपा कौन सी भूमिका निभाएंगी इस पर से अभी पर्दा नहीं उठाया गया है।

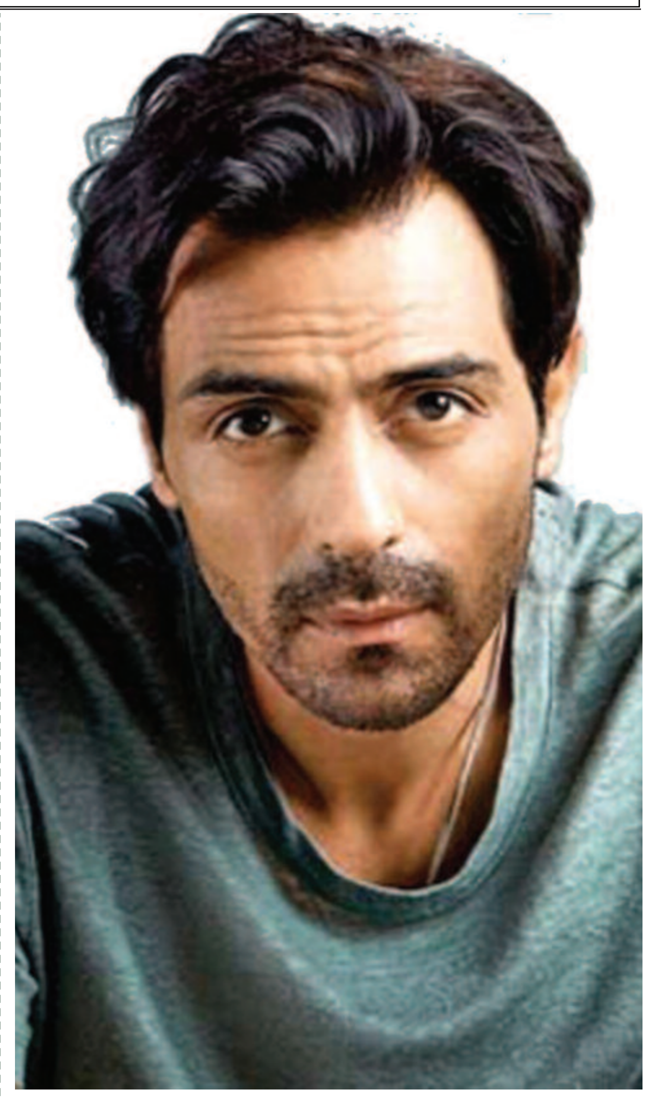

अर्जुन रामपाल ने 'ओ साथी रे' को लेकर दी अपडेट

हाल ही में अर्जुन रामपाल ने इम्तियाज अली और अदिति राव हैदरी से मुलाकात की और उनके साथ अच्छा समय बिताया। उन्होंने इस मुलाकात की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं और अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया। उन्होंने अपनी अपकमिंग सीरीज 'ओ साथी रे' की शूटिंग की जानकारी दी।

अर्जुन रामपाल ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि वह निर्देशक इम्तियाज अली और अदिति राव हैदरी के साथ पोज दे रहे हैं। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'कुछ बहुत ही खास लोगों के साथ एक बहुत ही खास प्रोजेक्ट पूरा किया। आप लोगों की याद आएगी। आखिरकार अपने कॉलेज के दोस्त इम्तियाज अली के निर्देशन में काम करना बहुत अच्छा लगा। ओ साथी रे।'

अदिति राव हैदरी ने किया कमेंट

इस पोस्ट पर अदिति राव हैदरी ने कमेंट किया है। उन्होंने लिखा, 'अर्जुन, इतनी आसानी से कमाल का इंसान होने के लिए शुक्रिया। हमेशा आपकी तारीफ करती हूं। आपके नए सफर के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' इसके जवाब में अर्जुन ने कमेंट में लिखा 'अदिति राव हैदरी तुम कमाल की हो और वह लंच शानदार था।'

फिल्म को लेकर बोले इम्तियाज अली

हाल ही में इस फिल्म की कहानी पर इम्तियाज अली ने कहा ''ओ साथी रे' ने मुझे इसके डेवलपमेंट के हर मोड़ पर हैरान किया। यह पुराने जमाने के दिल वाली एक मॉडर्न कहानी है। यह मेट्रोपॉलिटन जिंदगी की भागदौड़ के बीच एक जादुई परी-कथा जैसी है। मुझे राहत और उत्साह दोनों महसूस हो रहा है कि आरिफ, अविनाश, अदिति और अर्जुन की शानदार कास्ट को निर्देशित कर रहा हूं। नेटफिलक्स के साथ मजबूत होते रिश्ते की वजह से ही हम 'ओ साथी रे' की आकर्षक दुनिया में कदम रख पाए।'

'राइज एंड फॉल 2' में शिरकत करने की तैयारी में गोविंदा

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप- सच या सजा' के जरिए अपना रियलिटी शो डेब्यू किया। बीते दिनों इस शो से उन्होंने खूब लोकप्रियता बटोरी। अब उनके बाद गोविंदा भी रियलिटी शो में हिस्सा लेने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे चर्चित रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' के दूसरे सीजन में शिरकत कर सकते हैं।

गोविंदा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पत्नी सुनीता आहूजा ने उन पर किसी अन्य हीरोइन के साथ अफेयर होने जैसे आरोप लगाए हैं। शादीशुदा जिंदगी में चल रहे उतार-चढ़ावों के बीच गोविंदा को लेकर एक दिलचस्प खबर सामने आई है कि वे रियलिटी शो में बतौर कंटेस्टेंट डेब्यू करने वाले हैं। गोविंदा से इस शो के लिए संपर्क किया गया है। वे इसमें शामिल होने के इच्छुक हैं।

शो में हिस्सा लेने के लिए बातचीत जारी

गोविंदा से 'राइज एंड फॉल 2' रियलिटी शो में हिस्सा लेने के लिए बातचीत चल रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एम एक्स प्लेयर के इस शो के लिए बातचीत अंतिम दौर में हैं। अगर बात पक्की हो जाती है और गोविंदा राजी हो जाते हैं तो यह बतौर प्रतिभागी उनका पहला रियलिटी-टीवी शो होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फॉर्मेट का दूसरा सीजन मशहूर हस्तियों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि प्रोडक्शन टीम कंफर्म करने से पहले कॉन्ट्रैक्ट और शेड्यूल से जुड़ी जानकारी को अंतिम रूप दे रही है। गोविंदा का इसमें शामिल होना लगभग तय है, लेकिन अभी तक इसे लेकर किसी की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है।

बता दें कि गोविंदा और सुनीता आहूजा काफी वक्त से निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके चलते सुनीता ने तलाक की अर्जी भी दाखिल की थी। मगर, बीते दिनों उन्होंने तलाक की याचिका वापस ले ली। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हुआ, जिसमें राखी सावंत और सुनीता फोन पर बात करती दिखीं। सुनीता ने राखी से बात करते हुए एक चौंकाने वाला खुलासा किया और कहा कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयारी कर रहे थे, इसलिए उन्होंने तलाक की याचिका वापस ली।

संक्षिप्त समाचार

आपदा में मकान, सड़कें और पुल बह गए, भारत-चीन कर रहे मदद; बेली ब्रिज भेजे गए

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित इलाकों में पुलों और सड़कों को फिर से बनाने की कोशिश में जुटा है, और भारत और चीन से मदद मांगी है। पड़ोसी देशों ने अस्थायी पुल मुहैया कराने के नेपाल के आग्रह पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। आपदा में उत्तरी और मध्य नेपाल में मकान, वाहन, सड़कें और पुल बह गए थे। रसुवा और चितवन के बीच 63 पुल में 41 पुल नष्ट हो गए और चार अन्य आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए। काठमांडो पोस्ट की खबर के अनुसार, चीन मुस्तांग में कोरला सीमा चौकी पर दो बेली ब्रिज पहले ही भेज चुका है। भारत ने भी नेपाल को बेली ब्रिज उपलब्ध कराने की पेशकश की है। काठमांडो के एक बौद्ध मठ में बने राहत शिविर में इन दिनों 520 ऐसे बेघर लोगों ने शरण ले रखी है जिन्होंने अपना सब कुछ गंवा दिया है। शिविर में एक कोने में बैठे 12 वर्ष के मासूम त्सेरिंग की आंखें लगातार दरवाजे पर टिकी हैं। उसे भरोसा है कि उसके माता-पिता जल्द लौट आएंगे, लेकिन सच्चाई यही है कि वो अब इस दुनिया में नहीं हैं। नेपाल में जल प्रलय के बाद अब उत्तर-पश्चिमी हिस्से में मंगलवार रात 5.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र मुस्तांग जिले के लोमानथांग में था। इससे कोई हताहत नहीं है।

अमेरिका-कनाडा व्यापार युद्ध: ट्रंप के टैरिफ का कनाडा ने दिया जवाब; स्टील समेत क्या सामान महंगे होंगे

टोरंटो, एजेंसी। अमेरिका-कनाडा के बीच ट्रेड वार अब चरम पर पहुंच चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के रिश्ते तल्ख होने के बीच कनाडा ने भी अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लागू कर दिया है। कनाडाई सरकार ने कहा कि जवाबी टैरिफ 22 अगस्त से 20 अरब डॉलर के कनाडाई सामानों पर 50% टैरिफ लगाने के अमेरिका के फैसले के जवाब में उठाए गए हैं। जवाबी टैरिफ से स्टील, एल्युमीनियम, डेयरी उत्पाद (जैसे पनीर), घरेलू और कृषि उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा पल्प-पेपर जैसे प्रमुख अमेरिकी उद्योग प्रभावित होंगे। पिछले माह वाशिंगटन में दोनों देशों के बीच महीनों चली व्यापार वार्ता अचानक टूट गई। कनाडा ने आरोप लगाया कि अमेरिकी वार्ताकारों ने अंतिम समय में अनुचित शर्तें थोप दी थीं। ट्रंप ने कनाडा की करेंसी और अमेरिका के साथ उसके मुद्रा असंतुलन को अस्वीकार्य करार दिया, जिससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव और ज्यादा गहरा गया है।

ट्रंप ने पुतिन को मिलाया फोन: यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर हुई बात, यूरोप को लेकर क्या बोले रूसी राष्ट्रपति

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की और कहा कि वह यूक्रेन में जारी युद्ध को जल्द खत्म करना चाहते हैं। रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय क्रेमलिन पुतिन ने ट्रंप के इस रुख का समर्थन किया। क्रेमलिन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि युद्ध समाप्त होने से अमेरिका और रूस के संबंध पूरी तरह सामान्य करने की राह खुलेगी। क्रेमलिन के मुताबिक, पुतिन और ट्रंप के बीच करीब एक घंटे बातचीत हुई। यह बातचीत अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर की हालिया मास्को और कीव की यात्रा के बाद हुई। दोनों दूत युद्ध खत्म करने के लिए रुकी हुई बातचीत को फिर शुरू करने की कोशिश कर रहे हैं। क्रेमलिन के अधिकारी यूरी उशाकोव ने कहा, पुतिन और ट्रंप ने अमेरिकी दूतों की कोशिशों को सकारात्मक माना। पुतिन ने ट्रंप को बताया कि युद्ध खत्म करने में अमेरिका क्या भूमिका निभा सकता है और उन्हें मौजूदा युद्धक्षेत्र की स्थिति की जानकारी भी दी। उशाकोव के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप चाहते हैं कि उनके मौजूदा कार्यकाल में ही युद्ध खत्म करने की दिशा में बड़ी सफलता मिले। ट्रंप ने कहा कि युद्ध खत्म होने से दोनों देशों के व्यापार और आर्थिक संबंधों को भी बड़ा फायदा होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर बातचीत के दौरान पुतिन ने यह भी कहा कि रूस की यूरोप के खिलाफ कोई आक्रामक मंशा नहीं है। क्रेमलिन के अनुसार, पुतिन ने कहा कि रूस से खतरे की बातें यूरोपीय देशों को यूक्रेन का समर्थन बढ़ाने और सैन्य खर्च बढ़ाने का बहाना देती हैं। रूस अपने सैन्य लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पहले मोनालिसा, अब रेनॉयर: फ्रांसीसी म्यूजियम से बेशकीमती पेंटिंग चोरी, कब-कब चुराई गईं करोड़ों की कलाकृतियां

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के कैग्नेस-सुर-मेर शहर के मेयर ने मंगलवार को बताया कि चोरों ने फ्रेंच रिवेरा स्थित रेनॉयर म्यूजियम में सेंध लगाकर फ्रांसीसी इंप्रेशनिस्ट मास्टर ऑगस्टे रेनॉयर की चार कीमती कलाकृतियां चुरा लीं। हालांकि, भागते समय चोर दो पेंटिंग म्यूजियम के बगीचे में ही छोड़ गए। म्यूजियम में रेनॉयर की कुल 12 कलाकृतियां थीं। चोरी हुई दो पेंटिंग हैं 'पोर्ट्रेट ऑफ़ मैडम कोलोना रोमानो' और 'यंग वुमन एट द वेल' हैं। पुलिस फिलहाल चोरी को अंजाम देने वालों की तलाश में जुटी है। इस घटना के बीच आइए, दुनिया में हुई कला की कुछ दूसरी चर्चित और बड़ी चोरियों पर एक नजर डालते हैं।

इटली के म्यूजियम से रेनॉयर, सेजान और मैटिस की पेंटिंग चोरी : मार्च में चोर उत्तरी इटली के पार्मा शहर के पास स्थित एक निजी म्यूजियम, मैग्नानी रोक्का फ़ाउंडेशन से फ्रांसीसी कला जगत के तीन दिग्गजों की पेंटिंग चुराकर फरार हो गए। चोरी हुई तीन पेंटिंग में ऑगस्टे रेनॉयर की 'फिश', पॉल सेजान की 'स्टिल लाइफ़ विद चेरीज' और हेनरी मैटिस की 'ओडालिस्क ऑन द टेरेस' शामिल थीं। आकार में भले ही ये कलाकृतियां छोटी मानी जाती थीं, लेकिन इनकी कीमत लाखों यूरो आंकी गई थी।

कुछ महीनों बाद बरामद हुई तीनों कलाकृतियां : अगस्त में इटली की कैराबिनियरी यानी पुलिस बल की आर्ट रिकवरी स्क्वाड ने तीनों पेंटिंग बरामद कर लीं। चोरी के सिलसिले में संगठित अपराध गिरोह का हिस्सा माने जा रहे पांच लोगों को हिरासत में लिया गया।

लूव्र में दिनदहाड़े चोरी, नेपोलियन काल के शाही गहने ले गए चोर : अक्टूबर में दिनदहाड़े हुई एक नाटकीय चोरी में पेरिस के लूव्र म्यूजियम से फ्रांसीसी सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट और उनके परिवार के शाही गहनों के संग्रह से नौ चीजें चुरा ली गईं। चोरों ने उस समय लूव्र को निशाना बनाया, जब म्यूज़ियम आम दर्शकों के लिए खुला हुआ था। उन्होंने म्यूज़ियम की बाहरी दीवार तक पहुंचने के लिए बास्केट लिफ्ट का इस्तेमाल किया। इसके बाद महज कुछ मिनटों में उन्होंने डिस्प्ले केस तोड़ दिए और करीब 88 मिलियन यूरो (102 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मूल्य के गहने लेकर फरार हो गए। चोरी किए गए सामान में नीलम जड़ा एक डायडेम, एक हार और एक कान की बाली शामिल थी।

ज्यादातर गहने अब भी गायब : चोरी को अंजाम देने वाले चार लोगों के गिरोह को आखिरकार पकड़ लिया गया, लेकिन चोरी किए गए ज्यादातर गहने बरामद नहीं हो सके। केवल महारानी यूजीनी का हीरे और पन्ने जड़ा ताज ही म्यूजियम के बाहर क्षतिग्रस्त हालत में मिला। माना गया कि भागते समय चोरों से यह ताज गिर गया था। इस चोरी के बाद दुनिया के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले म्यूज़ियमों में शामिल लूव्र ने अपने निदेशक को बदल दिया और सुरक्षा तथा निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया।

मोना लिसा की चोरी ने बढ़ाई पेंटिंग की शोहरत : लूव्र में चोरी और डकैती की कोशिशों का एक लंबा इतिहास रहा है। इसकी सबसे मशहूर घटना 1911 में हुई, जब लियोनार्डो दा विंची की 'मोना लिसा' अपने फ्रेम से गायब हो गई थी। इसे म्यूजियम के पूर्व कर्मचारी विन्सेन्ज़ो पेरुगिया ने चुराया था। वह म्यूज़ियम के अंदर छिपा रहा और बाद में अपने कोट के नीचे पेंटिंग छिपाकर बाहर निकल गया।

दो साल बाद फ्लोरेंस में मिली मोना लिसा : चोरी के करीब दो साल बाद 'मोना लिसा' को इटली के फ्लोरेंस में बरामद किया गया। इस घटना ने लियोनार्डो दा विंची की इस पेंटिंग को दुनिया की सबसे चर्चित और मशहूर कलाकृतियों में शामिल करने में बड़ी भूमिका निभाई।

बोस्टन के इसाबेला स्टीवर्ट गार्डनर म्यूज़ियम की चोरी आज भी रहस्य : इसे अमेरिका के इतिहास की सबसे बड़ी कला चोरियों में से एक माना जाता है। हालांकि, 35 साल बीत जाने के बाद भी बोस्टन के इसाबेला स्टीवर्ट गार्डनर म्यूजियम से चोरी हुई 13 कलाकृतियों का मामला अब तक अनसुलझा है।

पुलिस अधिकारियों के भेष में म्यूज़ियम में घुसे थे चोर : 18 मार्च 1990 की सुबह दो लोग बोस्टन पुलिस अधिकारियों के भेष में म्यूज़ियम में दाखिल हुए। उन्होंने कहा कि वे एक कॉल का जवाब देने आए हैं। म्यूजियम के अंदर पहुंचने के बाद उन्होंने दो सुरक्षा गार्डों को काबू में कर लिया और उन्हें डक्ट टेप से बांध दिया। इसके बाद करीब 81 मिनट तक उन्होंने म्यूज़ियम से 13 कलाकृतियां चुरा लीं। चोरी हुई कलाकृतियों में रेम्ब्रांट, वर्मीर, डेगास और मैनेट जैसे महान कलाकारों की बेशकीमती कृतियां शामिल थीं। अधिकारियों का कहना है कि चोरी हुई इन कलाकृतियों की कीमत करीब आधा बिलियन डॉलर तक हो सकती है। हालांकि, म्यूज़ियम अधिकारियों के मुताबिक इनका असली मूल्य सिर्फ पैसों में नहीं आंका जा सकता, क्योंकि इनकी जगह दूसरी कलाकृतियां नहीं रखी जा सकतीं। कुछ कलाकृतियों को उनके फ्रेम से काटकर निकाला गया था। इनमें रेम्ब्रांट की मशहूर पेंटिंग 'स्टॉर्म ऑन द सी ऑफ़ गैलिली' भी शामिल थी।

अमेरिका ने ईरान के पांच तेल टैंकर उड़ाए: जवाब में तेहरान ने जॉर्डन पर दागीं मिसाइलें; क्या फिर बढ़ेगा तनाव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच छह महीने से ज्यादा समय से युद्ध चल रहा है। मंगलवार को तनाव फिर बढ़ गया। अमेरिकी सेना ने ईरान के पांच तेल टैंकरों को तबाह कर दिया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने पिछले दो दिनों में अमेरिकी नौसैनिक जहाज को दो बार बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाने की कोशिश की थी।

अमेरिकी युद्धपोत दोनों हमलों से बच गया और गश्त जारी रखी। इन हमलों में कोई अमेरिकी सैनिक घायल नहीं हुआ। इसके जवाब में अमेरिका ने पांच टैंकरों को निशाना बनाया। किविक, चार्मिनार, होराइजन-1 और रिस्को टैंकर गल्फ ऑफ ओमान में थे। पांचवां जहाज डेर्या स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में खर्ग द्वीप के पास था। अमेरिका ने इन्हीं जहाजों को निशाना बनाया है।

ईरान ने अमेरिका को कैसे दिया जवाब : अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने भी पलटवार किया। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, उसने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों की ओर मिसाइलें दागीं। जॉर्डन अमेरिकी सहयोगी है और वहां अमेरिकी सैनिक भी तैनात हैं। जॉर्डन की सेना ने बताया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने 18 बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही रोक दिया। दो अन्य मिसाइलें ऐसे इलाकों में गिरीं, जहां कोई आबादी नहीं थी। जॉर्डन ने किसी के हताहत होने की सूचना नहीं दी है। वहीं, ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कुवैत और बहरीन के पास मौजूद तेल टैंकरों को तुरंत हटने को कहा है। इतना ही

नहीं, ईरान ने दोनों देशों पर अमेरिकी सेना को ठिकाने देने और हमलों में मदद करने का आरोप लगाया। आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि उसने अल-अजराक एयर बेस में अमेरिकी सेना के एफ-35, एफ-16 और एफ-15 लड़ाकू विमानों की मरम्मत, रखरखाव, तैयारी और तैनाती के लिए इस्तेमाल होने वाले एक हैंगर को निशाना बनाया। इसके अलावा, अमेरिकी लड़ाकू विमानों के लिए बने एक शेल्टर पर भी हमला किया गया। आईआरजीसी ने दावा किया कि इस हमले में 'दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाया गया।'

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्डन की सेना ने बुधवार को कहा कि उसके वायु रक्षा सिस्टम ने ईरान की ओर से दागी गई 20 में से 18 बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट कर दिया। सेना के अनुसार, बाकी दो मिसाइलें सुनसान इलाकों में गिरीं और किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष का सबसे बड़ा आर्थिक मोर्चा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बन गया है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के करीब पांचवें हिस्से का तेल इसी रास्ते से गुजरता था। अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी कर रखी है।

हालात: ट्रंप ने 10 घंटे तक एआई तस्वीरों की बौछार की; ईरान की तबाही और अरबों कमाने का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अगर तस्वीरों में किसी देश, जलडमरूमध्य, झील और यहां तक कि चांद पर भी अमेरिका का दावा किया जा सकता है तो ट्रंप की एआई दुनिया में ऐसा ही हो रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ट्रुथ सोशल पर करीब 10 घंटे तक दर्जनों एआई-निर्मित तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें होर्मुज जलडमरूमध्य को नया अमेरिकी क्षेत्र, चांद को हमारा और लेक ओंटारियो को लेक अमेरिका दिखाया गया। इन तस्वीरों के बीच ट्रंप ने ईरान को तबाह होता दिखाया और खुद को अमेरिका के सुपरहीरो के रूप में पेश किया। इसी दौरान उन्होंने यह दावा भी किया कि शेयरों और अन्य होल्डिंग्स से उन्होंने अमेरिका के लिए सैकड़ों अरब डॉलर कमाए हैं। इस दावे के समर्थन में हालांकि कोई विस्तृत आंकड़ा या प्रमाण नहीं दिया गया।

ट्रंप ने एक एआई तस्वीर में खुद को व्हाइट हाउस में कई स्क्रीन के सामने शेयर बाजार पर नजर रखते दिखाया। तस्वीर पर संदेश था कि वह यह काम अपने लिए नहीं, बल्कि अमेरिका के लिए करते हैं और शेयरों तथा दूसरी होल्डिंग्स से देश के लिए सैकड़ों अरब डॉलर कमाए हैं। ट्रंप की यह पोस्ट ऐसे समय हुई है जब उनकी सोशल मीडिया कंपनी ट्रंप मीडिया की ट्रुथ एपीआई सेवा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। जुलाई में अमेरिकी सीनेटरों ने सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन से इस सेवा की जांच करने का आग्रह किया था।ट्रंप की पोस्ट का बड़ा हिस्सा ईरान पर केंद्रित रहा। एक तस्वीर में वह युद्धपोत के डेक से कई विस्फोटों को देखते नजर आए, जबकि दूसरी में अमेरिकी झंडे की थीम वाले हथौड़े से ईरान के नक्शे पर वार करते दिखे। एक अन्य तस्वीर में खार्ग द्वीप पर उड़ता लड़ाकू विमान दिखाया गया, जिस पर लिखा था 'बाय बाय, खार्ग।'ईरान की अर्थव्यवस्था को लेकर भी ट्रंप ने कई चार्ट साझा किए। ट्रंप ने एआई तस्वीरों के जरिए अपनी राजनीतिक छवि को भी नए अंदाज में पेश किया। कुछ तस्वीरों में वह भविष्य के रोबोटों से घिरे नेता के रूप में दिखे, पीछे अमेरिकी कैपिटल था।

बेंजामिन नेतन्याहू का 24 घंटे का यूएन दौरा: ममदानी ने की थी गिरफ्तारी की मांग, फिर क्यों जा रहे न्यूयॉर्क

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। नेतन्याहू संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क जाएंगे। इस्राइल के संयुक्त राष्ट्र राजदूत डैनी डैनन ने मंगलवार को बताया कि नेतन्याहू 23 सितंबर की देर रात न्यूयॉर्क पहुंचेंगे। 24 सितंबर की दोपहर वह संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद उसी रात इस्राइल लौट जाएंगे। डैनन ने कहा कि मौजूदा हालात में प्रधानमंत्री का वहां आना जरूरी है और उनके पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है।

ममदानी ने नेतन्याहू की गिरफ्तारी की मांग क्यों की : न्यूयॉर्क शहर के 112वें मेयर ममदानी ने नेतन्याहू को 'युद्ध अपराधी' बताया था और उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। बाद में उन्हें यह मांग वापस लेनी पड़ी, क्योंकि न्यूयॉर्क शहर के पास नेतन्याहू को गिरफ्तार करने का

कानूनी अधिकार नहीं है। ममदानी ने नवंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय यानी आईसीसी की ओर से जारी गिरफ्तारी वारंट का हवाला दिया था। इस्राइल के राजदूत डैनन ने ममदानी के बयान पर नाराजगी जताई। इस्राइल को निशाना बनाकर राजनीति करना अब आसान तरीका बन गया है। डैनन ने कहा, 'हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री आएं। आईसीसी के गिरफ्तारी वारंट में नेतन्याहू पर क्या आरोप हैं अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने नवंबर 2024 में नेतन्याहू और एक अन्य इस्राइली अधिकारी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। अदालत ने कहा था कि नेतन्याहू पर मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों को लेकर कार्रवाई का आधार है। वारंट में कहा गया कि गाजा में हमास के खिलाफ अभियान के दौरान मानवीय सहायता रोककर 'भूख को युद्ध के हथियार' के तौर पर इस्तेमाल किया गया।

क्या न्यूयॉर्क पहुंचते ही नेतन्याहू गिरफ्तार हो सकते हैं : न्यूयॉर्क शहर के पास आईसीसी के गिरफ्तारी वारंट को लागू करने का कानूनी अधिकार नहीं है। हालांकि ममदानी ने अमेरिकी संघीय सरकार से नेतन्याहू के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की है। अमेरिका और इस्राइल दोनों आईसीसी के सदस्य नहीं हैं। वहीं ट्रंप प्रशासन ने आईसीसी के कर्मचारियों पर कई प्रतिबंध लगाए हैं और इस न्यायालय को खत्म करने की कोशिश की है।

इस दौरे से जुड़ी सात अहम बातें क्या हैं : दौरा करीब 24 घंटे का होगाः नेतन्याहू 23 सितंबर की देर रात न्यूयॉर्क पहुंचेंगे और 24 सितंबर की दोपहर संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद उसी रात इस्राइल वापस लौट जाएंगे। ममदानी ने गिरफ्तारी की मांग की थीः न्यूयॉर्क के मेयर ने नेतन्याहू को 'युद्ध अपराधी' बताया था और उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। हालांकि शहर के पास ऐसा करने का कानूनी अधिकार नहीं है। आईसीसी ने नवंबर 2024 में वारंट जारी कियाः अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसमें गाजा युद्ध के दौरान मानवीय सहायता रोकने और नागरिकों को निशाना बनाने के आरोप शामिल हैं।

यूक्रेन को 2024 में हुआ 1.2 अरब डॉलर का नुकसान, रक्षा सौदों में जमकर हो रहा भ्रष्टाचार; कैसे हुआ खेल

कीव/अल्बानी, एजेंसी। रूसी सैनिकों ने 2024 में पूर्वी यूक्रेन में खाइयों पर हमला बोला तो यूक्रेनी तोपखाने के जवानों ने गोलीबारी शुरू कर दी। लेकिन गोले आगे बढ़ने वाली सेना के पास फटने के बजाय, लॉन्च ट्यूब से बाहर गिर गए या हल्की-सी आवाज के साथ जमीन पर जा गिरे, जिससे धूल का गुबार उड़ने लगा।

यह यूक्रेन की रक्षा कंपनियों की गद्दारी का नतीजा था। दरअसल, रक्षा कंपनियां भ्रष्टाचार में शामिल थी और उन्होंने सेना को हजारों खराब मोर्टार गोलों की आपूर्ति की थी। गोपनीय सैन्य ऑडिट रिपोर्ट सामने आने पर पता चला है कि अकेले 2024 में यूक्रेन को धोखाधड़ी और बर्बादी के कारण 1.2

अरब डॉलर का नुकसान हुआ। सैन्य खरीद पर स्टेट ऑडिट सर्विस व रक्षा मंत्रालय की गोपनीय ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन के शीर्ष 10 सैन्य ठेकेदारों में से सात ऐसे थे जिन्होंने नए अनुबंध हासिल किए, जबकि उनके खिलाफ धोखाधड़ी के खुले आपराधिक मामले चल रहे थे। भ्रष्टाचार का खुलासा होने पर कुछ कंपनियों के सीईओ या शीर्ष अधिकारियों की गिरफ्तारी के बावजूद इन कंपनियों को ब्लैकलिस्ट करने या इनसे दूरी बनाने के बजाय सरकारी एजेंसियां आंख मूंदकर इन्हें उपकृत करती रहीं।

भ्रष्टाचार के मामले में जमानत, फिर भी सौदा : सरकारी स्वामित्व वाले एक यूक्रेनी कारखाने ने सेना को 233,000 दोषपूर्ण मोर्टार सौंपे। कारखाने के निदेशक लियोनिद शाइमैन को युद्ध के दौरान रक्षा उद्योग में सबसे बड़े घोटालों में से एक में गिरफ्तार किया गया था। चौंकाने वाली बात यह है कि जब शाइमैन को लगभग 28 करोड़ डॉलर का पहला मोर्टार अनुबंध दिया गया था, तब वह पहले से ही भ्रष्टाचार के मामलों में जमानत पर बाहर थे।

बिचौलियों का खेल, कम बोली की अनदेखी : जब रक्षा खरीद एजेंसी ने सैकड़ों मिलियन डॉलर के रॉकेट आर्टिलरी खरीदने के लिए बोलियां मंगाई, तो तीन कंपनियों ने जवाब दिया। तुर्की की मूल निर्माता कंपनी आर्का डिफेंस ने सीधे कारखाने से सबसे कम बोली (4,200 डॉलर प्रति रॉकेट) लगाई। अनुबंध सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी चेकोस्लोवाक ग्रुप की सहायक कंपनी को दे दिया गया। रक्षा अनुबंधों ने चेक समूह के 33 वर्षीय मालिक मिचेल स्ट्रनाड को फोर्ब्स की सूची में सबसे अमीर हथियार निर्माता के रूप में स्थापित कर दिया।

ट्रेड वॉर में ट्रंप की नई चाल: कनाडा के डेयरी-शराब और बाइक अमेरिका में बैन, अब क्या पलटवार करेंगे कार्नी

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका कनाडा से आने वाले डेयरी प्रोडक्ट्स, ज्यादातर शराब और मोटरसाइकिलों पर रोक लगाने जा रहा है। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। यह कदम दोनों देशों के बीच लगातार बढ़ते ट्रेड वॉर के बीच उठाया गया है। यह रोक तीन हफ्ते में लागू होगी। इससे पहले मंगलवार को ही कनाडा ने अमेरिका से होने वाले 20 अरब डॉलर के आयात पर जवाबी टैरिफ लगा दिए थे।

कनाडाई सामानों को सरकारी कॉन्ट्रैक्ट से बाहर रखने का फैसला : मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के प्रोडक्ट्स को अमेरिकी सरकार के बड़े और लंबे समय वाले कॉन्ट्रैक्ट्स से बाहर रखने का फैसला किया। यह कदम कनाडा के जवाबी टैरिफ लागू करने और प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के अमेरिका पर देश की निर्भरता कम करने की कोशिशों को तेज करने के वादे के बाद उठाया गया है।

ट्रंप ने त्रह्र को दिए निर्देश : ट्रंप ने अमेरिकी जनरल सर्विसेज एडमिनिस्ट्रेशन (त्रह्र) को निर्देश दिया है कि वह कनाडा के प्रोडक्ट्स को सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए अयोग्य घोषित करे। हालांकि, यह रोक तब तक जारी रहेगी जब तक कनाडा अमेरिकी प्रोडक्ट्स के लिए 'पूरी और निष्पक्ष बराबरी' की अनुमति नहीं देता।

'कनाडा को ज्यादा आत्मनिर्भर बनना होगा' : इससे पहले मंगलवार को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि कनाडा की रणनीति अब ज्यादा स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनने की है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी देश हमें बंधक न बना सके और हम

अपनी मर्जी से जी सकें।

यूरोपीय संघ के साथ रिश्ते मजबूत करने की तैयारी : एक कनाडाई अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि कनाडा यूरोपियन यूनियन (श्व) के साथ ऐसे रिश्ते बनाने पर विचार कर रहा है, जो पूरी सदस्यता तो न हों, लेकिन उसके काफी करीब हों। इन विकल्पों में मौजूदा समझौतों का विस्तार करना, नई संधि पर बातचीत करना या सहयोग के दूसरे रास्ते तलाशना शामिल हो सकता है। अधिकारी ने कहा कि कनाडा पहले से ही प्रांतों, क्षेत्रों और लेबर ग्रुप्स से सलाह-मशविरा कर रहा है कि श्व के साथ किस तरह के गहरे संबंध बनाए जा सकते हैं। हालांकि, अभी तक किसी एक मॉडल पर फैसला नहीं हुआ है। कार्नी अगले हफ्ते फ्रांस के स्ट्रासबर्ग जाने वाले हैं। वहां वह 16 सितंबर को यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन के 'स्टेट ऑफ द यूरोपियन यूनियन' भाषण में शामिल होंगे।

दशकों पुराने करीबी रिश्ते में बढ़ी दरार : अमेरिका और कनाडा के बीच पैदा हुई यह दरार दुनिया के सबसे करीबी रिश्तों में से एक को पूरी तरह बदल रही है। दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं और उनके बीच रक्षा एवं सुरक्षा के भी बेहद करीबी संबंध हैं। इसके बावजूद ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान नॉर्थ अमेरिकन ट्रेड एग्रीमेंट पर दोबारा बातचीत की थी और बाद में उसकी कई बार तारीफ भी की, लेकिन अब उनके प्रशासन ने कनाडाई सामानों पर कई टैरिफ लगा दिए हैं।

यूके छोड़ने पर कानूनी रोक': विजय माल्या बोले- मैं भगोड़ा नहीं; भारत सरकार पर लगाए गंभीर आरोप, क्या है मामला

लंदन, एजेंसी। शराब कारोबारी विजय माल्या ने एक बार फिर खुद को 'भगोड़ा' कहे जाने पर सवाल उठाया है। माल्या ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि मैं भारत लौटने से भाग नहीं रहा हूं। मुझे भगोड़ा कहने वालों को समझना चाहिए कि मैं 1992 से यूके यानी ब्रिटेन का स्थायी निवासी हूं। फिलहाल कानूनी तौर पर देश छोड़ने पर रोक है। भारत सरकार ने मेरे साथ घोर अन्याय किया।

भारत में माल्या को भगोड़ा क्यों कहा जाता है : भारत सरकार के रिकॉर्ड में विजय माल्या को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया जा चुका है। अक्टूबर 2025 में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया था कि भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत 15 लोगों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है। इस सूची में विजय माल्या और नीरव मोदी समेत कई चर्चित नाम शामिल हैं।

यही वजह है कि भारत में माल्या को भगोड़ा आर्थिक अपराधी के तौर पर देखा जाता है। हालांकि, माल्या अब इसी पहचान पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि ब्रिटेन में उनका रहना किसी तरह भारत से भागने की कोशिश नहीं है, बल्कि उनके खिलाफ चल रही कानूनी स्थिति का नतीजा है।

भारत सरकार माल्या की वापसी पर क्या कह चुकी है : भारत सरकार का रुख इस मामले में पहले से साफ रहा है। दिसंबर 2025 में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत में कानून के तहत वांछित लोगों को देश वापस लाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। मंत्रालय ने माना था कि ऐसे मामलों में कई कानूनी प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि सरकार इस मामले में कई देशों के साथ बातचीत कर रही है और प्रक्रिया जारी है। उनका कहना था कि सरकार की कोशिश है कि आर्थिक अपराध के मामलों में वांछित लोग भारत लौटें और यहां की अदालतों में मुकदमे का सामना करें। माल्या ने 14,131 करोड़ रुपये की वसूली का दावा क्यों किया विजय माल्या ने मंगलवार को एक और पोस्ट किया

था। इसमें उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दाखिल एक कथित हलफनामे का हवाला दिया। माल्या का दावा है कि इस हलफनामे के एक हिस्से में 2021 में उनसे 14,131.60 करोड़ रुपये की वसूली का जिक्र है। माल्या ने सवाल उठाया कि अगर उनसे इतनी बड़ी रकम वसूल की जा चुकी है, तो उन्हें अब भी बैंक धोखाधड़ी के आरोपी के तौर पर क्यों पेश किया जाता है। उन्होंने एक स्टेटमेंट ऑफ अकाउंट की तालिका भी साझा की। इसके जरिए उन्होंने कहा कि अब सवाल यह होना चाहिए कि उन्हें उनकी रकम वापस कब मिलेगी। विजय माल्या ने यह भी दावा किया कि ईडी ने उनके अटैच फंड से 350 करोड़ रुपये से ज्यादा रकम किंगफिशर कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए जारी की थी। उनका कहना है कि उनकी संपत्तियां और फंड अटैच होने के कारण वह खुद कर्मचारियों का भुगतान नहीं कर सके।

माल्या के मामले में अदालत का रुख क्या : विजय माल्या के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट भी सख्त रुख अपना चुका है। फरवरी 2026 में अदालत ने उन्हें फटकार लगाते हुए कहा था कि वह जानबूझकर अदालती कार्यवाही से बच रहे हैं। अदालत ने कहा था कि ऐसी स्थिति में वह समानता के आधार पर राहत की मांग नहीं कर सकते। उच्च अदालत ने माल्या को यह स्पष्ट करने का अंतिम मौका भी दिया था कि क्या वह भारत लौटने का इरादा रखते हैं। माल्या की याचिका भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम की सांविधानिक वैधता और उन्हें भगोड़ा घोषित करने की कार्रवाई को चुनौती देती है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि वह यह दर्ज करने के पक्ष में है कि माल्या अदालत के अधिकार क्षेत्र से बच रहे हैं। ऐसे में वह अपनी याचिका में राहत की उम्मीद नहीं कर सकते। माल्या का दावा है कि वह 1992 से ब्रिटेन के स्थायी निवासी हैं और फिलहाल कानूनी तौर पर ब्रिटेन छोड़ने पर रोक है। अक्टूबर 2025 में सरकार ने लोकसभा में बताया था कि 15 लोगों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है, जिनमें माल्या और नीरव मोदी शामिल हैं। दिसंबर 2025 में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत वांछित आर्थिक अपराधियों को वापस लाने के लिए अलग-अलग देशों के साथ कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा है। माल्या ने ईडी के कथित हलफनामे का हवाला देते हुए 2021 तक 14,131.60 करोड़ रुपये की वसूली का दावा किया है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)